जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

उदयपुर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर, रविवार 12 अप्रैल, 2026

6 LAYER SECURITY

CCTV Surveillance
Security Guard
IP-PBX System
Video Door Phone
Vehicle Monitoring By ANPR Camera
Power Fencing

NO MIDDLE MEN
REAL VALUE
REAL GROWTH
REAL ESTATE
FIXED PRICE

www.rera.rajasthan.gov.in
RERA No. RAJ/P/2023/2387

KEDIA सेजस्थान
KOTHI & WALK-UP APARTMENT
अजमेर रोड़, जयपुर
बड़ी-बड़ी कोठी, बड़े-बड़े फ्लैट

फ्लैट सिर्फ ₹4000/- Sq Ft
कोठी सिर्फ ₹5000/- Sq Ft

FIXED PRICE

PRODUCT TYPE	UNIT TYPE	SIZE	FIXED PRICE
WALK-UP APARTMENT	2 BHK (GF)	1350 Sq Ft	65 LACS
	3 BHK (SF)	1900 Sq Ft	75 LACS
	3 BHK (FF)	1900 Sq Ft	80 LACS
KOTHI	3 BHK BIG	2000 Sq Ft	1.05 CRORE
	4 BHK BIGGER	2325 Sq Ft	1.25 CRORE
	4 BHK BIGGEST	3200 Sq Ft	1.55 CRORE

KEDIA® | 1800-120-2323 | 78770-72737 | info@kedia.com | www.kedia.com
SCAN QR FOR • LOCATION • ROUTE MAP • SITE 360 TOUR • E-BROCHURE • WALKTHROUGH
*T&C Apply

आन्दोलन
अशुद्ध के विरुद्ध

KEDIA™ Pavitra

FIXED PRICE

500g ₹45.00

भारत का असली
SUPERFOOD

एक्सपोर्ट क्वालिटी | हाईएस्ट ग्रेड | इंदौरी दलिया

देश का एक मात्र ब्रांडेड दलिया

प्रोडक्ट्स कैटेगरी

आटा । सूजी । दलिया । बेसन । दाल । चावल । गेहूँ । पोहा
सोया चंक्स । खड़े मसाले । पिसे मसाले । ब्लेंडेड मसाले । सेंधा नमक
फ्लेवर्ड मखाने । कुकिंग ऑयल । ड्राई फ्रूट्स । चाय । गुड़ । मिश्री

रिटेलर हो या कस्टमर:
कॉल लगाओ, गाड़ी बुलाओ
1800 120 2727

54000 + RETAILERS | SUPERMARKETS | ZEPTO
WEBSITE | WHATSAPP | APP | TOLL FREE

ORDER ON WEBSITE | ORDER ON WHATSAPP | ORDER ON APP | ORDER ON ZEPTO

T&C Apply

विचार बिन्दु

काम, क्रोध, मद, लोभ सब, नाथ नरक के पंथ। –तुलसीदास

जराजीर्णता प्रतिषेध एवं प्रबंध

कल्पना कीजिए एक 75 वर्षीय दादी, जो कुछ साल पहले तक सक्रिय थीं, अपने पोते-पोतियों के साथ खेलती थीं, और सामुदायिक गतिविधियों में भाग लेती थीं, अब सीढ़ियाँ चढ़ने में कठिनाई महसूस कर रही हैं, अक्सर संतुलन खो देती हैं, और पहले से कहीं अधिक थकान महसूस करती हैं। यह कहानी अनोखी नहीं है। दुनिया भर में, जराजीर्णता-एक जटिल नैदानिक स्थिति, जिसमें शक्ति, सहनशक्ति और शारीरिक कार्यों में कमी होती है-वृद्धों की जनसंख्या के लिए एक महत्वपूर्ण चुनौती प्रस्तुत करती है। 2019 के एक वैश्विक विश्लेषण के अनुसार, जराजीर्णता का प्रभाव 65 वर्ष और उससे अधिक उम्र के लगभग 10 प्रतिशत लोगों पर होता है, और उम्र के साथ इसकी व्यापकता में उल्लेखनीय वृद्धि होती है। तेजी से वृद्ध होती जनसंख्या के कारण भारत में जराजीर्णता और आयु से संबंधित स्वास्थ्य गिरावट सामान्य बात होती जा रही है। जहां 112 मिलियन से अधिक बुजुर्ग लोग शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और आर्थिक चुनौतियों का सामना कर रहे हैं।

बुढ़ापे में किसी की मदद के बिना चलने-फिरने, पहनने-ओढ़ने और मलत्याग में सक्षम रहना है तो यह आलेख आपके लिए है।

जराजीर्णता, या फ्रैलटीका आधुनिक विज्ञान और आयुर्वेद दोनों में व्यापक रूप से विमर्श किया गया है। समकालीन शोध ऑक्सीडेटिवस्ट्रेस, इन्फ्लेमेशन, और फ्री रेडिकल क्षित के कारण शारीरिक गिरावट पर केंद्रित है। इसके विपरीत आयुर्वेद उम्र बढ़ने के साथ शारीरिक, मानसिक और सामाजिक जराजीर्णता की एक समग्र दृष्टि प्रदान करता है। आयुर्वेद के अनुसार, जराजीर्णता तीन दोषों-वात, पित्त और कफ-के असंतुलन और शरीर के ऊतकों (धातु), पाचकाग्नि और मल प्रबंधन प्रणालियों के क्षय के कारण उत्पन्न होती है। वस्तुतः समय के परिणाम से बुढ़ापा और मृत्यु हर व्यक्ति के जीवन में अंततः आते हैं, और बुढ़ापे में होने वाली समस्यायें स्वाभाविक हैं। इनकी चिकित्सा नहीं होती (कालस्यपरिणामेनजरामृत्युनिमित्तजाः। रोगाः स्वाभाविकादृष्टाः स्वभावोनिष्प्रतिक्रियः।। च.शा.1.115)। स्वाभाविक जरावस्था को नहीं टाला जा सकता, पर अकाल-जरा या असमय बुढ़ापे की समस्याओं से निपटने के लिये आयुर्वेद में पर्याप्त, प्रभावी और प्रमाण-आधारित उपाय हैं।

आयुर्वेद उम्र बढ़ने (जरावस्था) को एक प्राकृतिक प्रक्रिया के रूप में मान्यता देता है जो शरीर, इंद्रियों, मन और आत्मा को प्रभावित करती है। जीवन के विभिन्न चरणों में वात, पित्त, और कफ की परस्पर क्रियाशीलता के कारण विशिष्ट शारीरिक परिवर्तन होते हैं। बचपन में कफ दोष का प्रभुत्व होता है, जो वृद्धि और विकास (अनाबॉलिज्म) को बढ़ावा देता है। वयस्कता में पित्त का प्रभुत्व होता है, जो चयापचय और शरीर की कार्यक्षमता को बनाए रखता है। वृद्धावस्था में वात का प्रभुत्व होता है, जो शरीर के गिरावट (कैटाबॉलिज्म) की ओर ले जाता है। कफ के क्षय के कारण बल में कमी होना, वात की वृद्धि के कारण शरीर में दर्द और कॉग्निटिव इम्पेयरमेंट और पित्त की विषमता से अग्नि-वैषम्य बुढ़ापे के मुख्य लक्षण हैं जो जराजीर्णता लाते हैं।

आधुनिक वैज्ञानिक दृष्टिकोण और उनका आयुर्वेद से मेल अब बहुत स्पष्टता से देखा जा सकता है। वर्ष 2019 के विश्लेषण में उद्धृत आधुनिक वैज्ञानिक अध्ययन पुष्टि करते हैं कि जराजीर्णता कई कारकों, जैसे कि आनुवंशिक प्रवृत्ति, जीवनशैली विकल्प और पर्यावरणीय जोखिमों से प्रभावित होती है। जराजीर्णता के मुख्य कारणों में मांसपेशियों के द्रव्यमान और शक्ति का ह्रास (सार्कोपेनिया), संज्ञानात्मक गिरावट, कुपोषण और गतिशीलता में कमी शामिल हैं। ये स्थितियाँ ऑक्सीडेटिव तनाव और इन्फ्लेमेशन में वृद्धि से जुड़ी होती हैं, जो आगे कोशिका क्षति और उम्र बढ़ने को तेज करती हैं।

रोचक बात यह है कि जराजीर्णता के प्रबंधन के लिए आयुर्वेद की सलाहऔर आधुनिक वैज्ञानिक रणनीतियों के मध्य बड़ी निकटता है। उदाहरण के लिए, आयुर्वेद उम्र से संबंधित शारीरिक गिरावट को रोकने के लिए संतुलित अग्नि (पाचनशक्ति) और वात दोष के प्रबंधन पर जोर देता है। यह दृष्टिकोण ऑक्सीडेटिव तनाव और इन्फ्लेमेशन को कम करने के लिए आधुनिक हस्तक्षेपों के साथ सुसंगत है ताकि उम्र-आधारित रोगजनन की गति को धीमा किया जा सके।

जराजीर्णता की रोकथाम की रणनीतियाँ: जराजीर्णता की रोकथाम और प्रबंधन के लिए एक बहुआयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है जिसमें जीवनशैली में परिवर्तन, आहार संबंधी हस्तक्षेप और उपचारात्मक अभ्यास शामिल होते हैं। यहाँ आज तक अद्यतन, प्रमाण-आधारित और सर्वाधिक प्रभावी रणनीतियाँ दी गई हैं: बहुयुक्तव्यायाम वनानुभव समाजोन्मुखता विवाहकर्तव्यनिष्ठा सत्यनिष्ठा शुद्धान्तःकरणोत्तमप्रज्ञाध्यात्मज्ञानसुखायुहितायुसहाग्निसाम्यं फलशाकविविधाशनमद्यत्यागोदरस्थौल्यमुक्ततासहितंनित्यसेवनीयैरामलक्याद्यैः रसायनैश्चजराजीर्णतायाः प्रतिषेधंकरोति, तत्रसर्वेषुव्यायामरसायनयोः सर्वरसाभ्यासस्य च श्रेष्ठतमत्वम्। (यजुर्विदतन्त्र)। इस सूत्र को विस्तार से समझने के पूर्व इसका अर्थ समझना आवश्यक है। विविध प्रकार के व्यायाम, वनानुभव, समाज से मेल-मिलाप, वैवाहिक और पारिवारिक स्थिति, कर्तव्यनिष्ठा, सत्यनिष्ठा, शुद्ध अंतःकरण, उत्तम प्रज्ञा, अध्यात्मज्ञान, सुखायु (सुखी जीवन) और हितायु (हितकारी जीवन) के साथ-साथ अग्नि का साम्य (पाचनाग्नि का संतुलन), फल और सब्जियों का विविध आहार,मद्य का त्याग, उदरस्थौल्य (तोंद के रूप में पेट की चर्बी) का अभाव, आंवला, द्राक्षा, अनार आदि जैसे नित्य सेवन योग्य रसायन – ये सब मिलकर जराजीर्णता का प्रतिषेध (बचाव, प्रिवेंशन) करते हैं। इनमें से, व्यायाम, रसायन सेवन, और सभी रसों से युक्त नियमित आहार की विविधता बचाव के सर्वोत्तम कारक हैं।

ध्यान दीजिये, यजुर्विदतन्त्र कोई संकलन नहीं बल्कि आयुर्वेद की एक मौलिक संहिता है जो ज्ञान की त्रिवेणी-शास्त्र, साइंस, अनुभव-पर आधारित है व युगानुरूप लिपिबद्ध की जा रही है। उपरोक्त सूत्र जराजीर्णता प्रबंधन एवं प्रतिषेध पर उपलब्ध ज्ञान को एकीकृत कर लिखा गया है। प्राचीन संहिताओं और समकालीन वैज्ञानिक शोध पर प्रकाशित सर्वश्रेष्ठ 422 मेटा-एनालिसिस, और अनुभवजन्य ज्ञान समाहित हैं। इस सूत्र में प्रदत्त उपयोग-योग्य जानकारी आगे प्रस्तुत है।

> **आयुर्वेद के अनुसार, पोषक तत्वों के अवशोषण और आत्मसात करने के लिए संतुलित पाचक अग्नि आवश्यक है। वृद्धावस्था में, पाचन दक्षता अक्सर कम हो जाती है, जिससे कुपोषण और जराजीर्णता होती है। इसका प्रबंधन करने के लिए, आयुर्वेद पाचक जड़ी-बूटियों के उपयोग, सावधानीपूर्वक खाने के अभ्यास और उचित पाचन और चयापचय कार्य सुनिश्चित करने के लिए नियमित मलत्याग की सिफारिश करता है।**

1. बहु-घटक व्यायाम: जराजीर्णता की रोकथाम और प्रबंधन में एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। आयुर्वेद के अनुसार, बल के आधे तक नियमित व्यायाम दोषों को संतुलित करता है, विशेष रूप से वात, जो गतिशीलता से जुड़ा होता है। यह मांसपेशियों को मजबूत करता है, सहनशक्ति को बढ़ाता है, और जोड़ों का लचीलापन बनाए रखता है। वैज्ञानिक अनुसंधान से पता चलता है कि बहु-घटक व्यायाम (एरोबिक, प्रतिरोध, संतुलन, और लचीलापन प्रशिक्षण का संयोजन) मांसपेशियों के द्रव्यमान, हड्डियों का घनत्व और समग्र शारीरिक कार्य को सुधारकर जराजीर्णता के जोखिम को काफी कम कर सकता है।

2. आहार विविधता और पौष्टिक भोजन: दोषों को संतुलित करने और स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए आयुर्वेद सभी छह रसों (षड रस) से समृद्ध आहार पर जोर देता है। आधुनिक पोषण विज्ञान भी इस सिद्धांत का समर्थन करता है, जो फलों, सब्जियों, साबुत अनाज, फलियां, मेवे और बीजों जैसे खाद्य पदार्थों से समृद्ध विविध आहार का परामर्शदेता है। ये खाद्य पदार्थ एंटीऑक्सीडेंट, विटामिन और खनिजों से भरपूर होते हैं, जो जराजीर्णता की रोकथाम, ऑक्सीडेटिव तनाव और दर्द व सूजन को कम करने में मदद करते हैं।

3. रसायन: आयुर्वेद के रसायन उम्र बढ़ने को रोकने और दीर्घायु को बढ़ावा देने के लिए निर्धारित की गई है। इसमें आंवला, द्राक्षा, अनार, अश्वगंधा और ब्राह्मी जैसी जड़ी-बूटियों का उपयोग शामिल है, जो एंटीऑक्सीडेंट गुणों और संज्ञानात्मक और शारीरिक कार्य को बढ़ाने की क्षमता के लिए जानी जाती हैं। आधुनिक शोध इन लाभों की पुष्टि करता है, जिससे पता चलता है कि इस तरह की जड़ी-बूटियाँ ऑक्सीडेटिव क्षति को कम करके और कोशिका कार्य में सुधार करके उम्र बढ़ने के प्रभावों में कमी ला सकती हैं।

4. सामाजिक सहभागिता और मानसिक कल्याण: जराजीर्णता केवल एक शारीरिक स्थिति नहीं है; इसका एक महत्वपूर्ण मानसिक घटक भी होता है। आयुर्वेद मानसिक स्वास्थ्य (सत्त्व) पर जोर देता है और ध्यान, आध्यात्मिक गतिविधियाँ (आध्यात्मिक आहार) और सामाजिक सहभागिता जैसी बातों पर सुझाव देता है ताकि मन को संतुलित रखा जा सके। आधुनिक अध्ययन बताते हैं कि सामाजिक सहभागिता और संज्ञानात्मक गतिविधियाँ, संज्ञानात्मक गिरावट को रोकने और मानसिक कल्याण को बढ़ावा देने में मदद कर सकती हैं, जिससे जराजीर्णता का जोखिम कम हो जाता है।

5. पाचनशक्ति का प्रबंधन और दोष संतुलन: आयुर्वेद के अनुसार, पोषक तत्वों के अवशोषण और आत्मसात करने के लिए संतुलित पाचक अग्नि आवश्यक है। वृद्धावस्था में, पाचन दक्षता अक्सर कम हो जाती है, जिससे कुपोषण और जराजीर्णता होती है। इसका प्रबंधन करने के लिए, आयुर्वेद पाचक जड़ी-बूटियों के उपयोग, सावधानीपूर्वक खाने के अभ्यास और उचित पाचन और चयापचय कार्य सुनिश्चित करने के लिए नियमित मलत्याग की सिफारिश करता है। वैज्ञानिक अध्ययन भी जराजीर्णता की रोकथाम के लिए आंत के स्वास्थ्य और पोषक तत्वों के अवशोषण को बनाए रखने पर जोर देते हैं।

6. शारीरिक-भार और उदर-स्वास्थ्य का रखरखाव: जराजीर्णता की रोकथाम में इष्टतम शरीर भार बनाए रखना और उदर मोटापा (सेंट्रल ओबेसिटी) से बचना आवश्यक है। आयुर्वेद का सुझाव है कि खाने की आदतों के प्रति सचेत रहना और भारी, तैलीय या प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों की अत्यधिक खपत से बचना पेट के मोटापे और उससे जुड़े जोखिमों को रोक सकता है। आधुनिक शोध से पता चलता है कि उदर-मोटापा कई क्लिनिकल समस्याओं, जैसे कि मेटाबोलिक सिंड्रोम, मधुमेह और हृदय रोगों से जुड़ा हुआ है। ये सभी रोगजराजीर्णता में योगदान करते हैं।

7. अत्यधिक निष्क्रिय व्यवहार से बचना: आयुर्वेद और आधुनिक विज्ञान दोनों इस बात से सहमत हैं कि अत्यधिक निष्क्रिय व्यवहार (सदासन या सीडेंटरीबिहैवियर) स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। चेष्टाद्वेषी व्यक्ति बहुत जल्दी जराजीर्णता में फंस जाते हैं। स्वास्थ्य और जीवन-शक्ति को बनाए रखने के लिए आयुर्वेद शारीरिक निष्क्रियता से बचने और नियमित शारीरिक व्यायाम को दैनिक दिनचर्या में शामिल करने परामर्श देता है। वैज्ञानिक अध्ययन भी पुष्टि करते हैं कि नियमित व्यायाम, यहां तक कि छोटे अंतराल में भी, मांसपेशियों की शोष को रोक सकता है, हृदय स्वास्थ्य को बनाए रख सकता है, और जराजीर्णता के जोखिम को कम कर सकता है।

8. नित्य-सेवनीय रसायनों का दैनिक उपयोग: आयुर्वेद आंवला (आमलकी), अनार (दाडिम), द्राक्षा (मुनक्का), गाय का दूध और घी जैसे नित्य सेवनीय रसायनों के दैनिक उपयोग की सलाह देता है। इससे स्वास्थ्य को बढ़ावा मिलता है और उम्र-आधारित रोगजनन की गति बहुत कम हो जाती है। आधुनिक पोषण विज्ञान यह मानता है कि ये पदार्थ, एंटीऑक्सीडेंट और स्वस्थ वसा से भरपूर होते हैं, जो ऑक्सीडेटिव तनाव से लड़ सकते हैं, व्याधिक्षमत्व (प्रतिरक्षा) को बढ़ा सकते हैं, और रोगरहित दीर्घायु (हेल्थ-स्पान) दे सकते हैं, जिससे जराजीर्णता की रोकथाम हो सकती है। यदि स्वस्थ व्यक्ति के भोजन में प्रतिदिन अनार, आमलकी और द्राक्षा हो तो उस व्यक्ति के स्वस्थ रहे आने की प्रबल संभावना है।

आयुर्वेद और आधुनिक विज्ञान मिलकर जराजीर्णता के प्रबंधन के लिए एक व्यापक रणनीति प्रदान करते हैं। जीवनशैली में संशोधन, आहार हस्तक्षेप, व्यायाम, सामाजिक सहभागिता और रसायन चिकित्सा को एकीकृत करके, हम स्वस्थ उम्र बढ़ने को बढ़ावा दे सकते हैं और जराजीर्णता के जोखिम को कम कर सकते हैं, जिससे उन्नत आयु में भी एक अधिक जीवंत, स्वतंत्र और संतोषजनक जीवन जीने में सक्षम हो सकते हैं।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय,
(इंडियन फारेस्ट सर्विस से सेवानिवृत्त, वर्तमान में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर में विजिटिंग प्रोफेसर)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं।)

पंचायतों और नगरपालिकाओं का समयबद्ध निर्वाचन – राज्य निर्वाचन आयोग का दायित्व

आर. के. पारीक

वर्ष 1994 से पूर्व देश में पंचायतों और नगरपालिकाओं के चुनाव राज्य सरकारों द्वारा कराये जाते थे, जिसके लिये विभिन्न कानून तो थे, लेकिन ऐसे बाध्यकारी कानून नहीं थे कि निर्धारित कार्यकाल में चुनाव हो ही जाये। राज्य सरकार कभी इन संस्थाओं का चुनाव सुविधा अनुसार करा लेती, कभी कार्यकाल समाप्ति से पूर्व इन्हें भंग कर देती, कभी अनिश्चित काल तक चुनाव नहीं होते, और कभी लम्बे समय तक उनका कार्यकाल बढ़ा दिया जाता। कुल मिलाकर इन संस्थाओं में लोकतांत्रिक व्यवस्था अस्त व्यस्त थी और सरकारी अधिकारी ही प्राय इनके मुखिया बने रहते थे। भारत के संविधान के 73वें संशोधन सें पार्ट 9 और 74 वें संशोधन से पार्ट 9-क जोड़कर क्रमशः पंचायती राज संस्थाओं और नगरपालिकाओं के लिये व्यापक प्रावधान किये गये, जो वर्ष 1993 से प्रभावी हुये। इनके द्वारा इन संस्थाओं के समयबद्ध और नियमित चुनाव कराने तथा एक स्वतंत्र चुनाव आयोग के लिये व्यवस्था की गयी।

संविधान के अनुच्छेद 243-ई में पंचायतीराज संस्थाओं और अनुच्छेद 243-यू में नगरपालिकाओं के लिये प्रावधित किया गया है कि संस्था का कार्यकाल पांच वर्ष का होगा, जिसे बढ़ाया नहीं जायेगा, यदि किसी संस्था को कार्यकाल समाप्ति पूर्व भंग करना हो तो उसे पूर्व सुनवाई का अवसर दिया जावेगा, कार्यकाल समाप्ति से पूर्व ही संस्था के गठन हेतु चुनाव कराना अनिवार्य होगा, भंग होने की स्थिति में संस्था का चुनाव केवल उस शेष अवधि तक मान्य होगा जो मूल अवधि में शेष रही, लेकिन 6 महिने से कम शेष अवधि में चुनाव आवश्यक नहीं होगा।

अनुच्छेद 243के और अनुच्छेद 243जैड-ए के अनुसार इन संस्थाओं के निर्वाचनों का संचालन और इसके लिये निर्वाचक नामावलियों की तैयारी का कार्य राज्य निर्वाचन आयोग के नियंत्रण, निर्देशन और अधीक्षण में होंगा। अनुच्छेद 324 में भारत निर्चाचन आयोग को लोकसभा-विधानसभा के निर्वाचनों का संचालन तथा इनके लिये निर्वाचक नामावलियों की तैयार करने के लिये नियंत्रण, निर्देशन एवं अधीक्षण की शक्तियां व अधिकार दिये गये है, वैसे ही अधिकार व शक्तियां राज्य निर्वाचन आयोग को भी अनुच्छेद 243-के और अनुच्छेद 243 जैड-ए में दी गई है। भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त को संसद में महाभियोग से ही हटाया जा सकता है, वैसे ही राज्य निर्वाचन आयुक्त को भी संसद में महाभियोग से हटाया जा सकता है ऐसे प्रावधानों का प्रयोजन यही है कि स्थानीय निकाय संस्थाओं के चुनाव भी नियमित रूप से स्वतंत्र आयोग, जो सरकार के अधीन नहीं हो, द्वारा कराये जाते रहे।

इसी विषय मे माननीय सर्वोच्च न्यायालय की पाँच जजों की संविधान पीठ ने सिविल (अपील) संख्या 5756/2005 किशनसिंह तोमर बनाम नगर निगम अहमदाबाद में एक महत्वपूर्ण लैण्डमार्क निर्णय पारित किया जिसमें सभी राज्य सरकारों ओर राज्य निर्वाचन आयोगों के लिये निर्देश भी दिये गये। इन निर्देशों में मुख्य मुख्य बातें इस प्रकार है:-

1. संस्थाओं का चुनाव पाँच वर्ष के कार्यकाल की समाप्ति से पूर्व ही होना बाध्यकारी है और इनका कार्यकाल नहीं बढ़ाया जा सकता,

2. राज्य निर्वाचन आयोग और भारत निर्वाचन आयोग का समान स्टेटस है और समान प्रकार की शक्तियां प्राप्त है,

3. परिसीमन कार्य के लंबित रहने या मतदाता सूचियां नहीं बनने या अन्य प्रशासनिक कठिनाईयों को चुनाव स्थगित करने का आधार नहीं बनाया जा सकता,

4. यदि संस्था का कार्यकाल समाप्ति की ओर हो लेकिन वार्डो/निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन का कार्य पूर्ण नहीं हुआ या मतदाता सूचियां अद्यतन नहीं है, तो वर्तमान में जो भी वार्ड/निर्वाचन क्षेत्र और मतदाता सूचियाँ हो, तो उन्हीं के आधार पर चुनाव करा लिये जायें, लेकिन चुनाव निर्धारित समयावधि में ही हो,

5. समयबद्ध चुनाव सम्पन्न कराने में राज्य सरकार राज्य निर्वाचन आयोग की सहायता करेगी,

6. यदि राज्य सरकार अपेक्षित सहयोग नहीं करें तो राज्य निर्वाचन आयोग का कत्तर्व्य होगा कि वह सर्वप्रथम उच्च न्यायालय में एप्रोच करें और वहां भी यदि सफलता प्राप्त ना हो तो राज्य सरकार को निर्देशित कराने हेतु माननीय सर्वोच्च न्यायालय में मेण्डामस रिट या अन्य समुचित रिट के माध्यम से प्रकरण प्रस्तुत करें।

उपरोक्त संवैधानिक व्यवस्था और सर्वोच्च न्यायिक निर्देशों की क्रियान्विती राजस्थान में किस प्रकार हुई और अब कैसे हो रही है, यह गौर करने लायक है। राज्य में राज्य निर्वाचन आयोग की स्थापना जुलाई, 1994 में हुयी थी तब राज्य में सभी पंचायतीराज संस्थाओं और जयपुर, जोघपुर, कोटा जैसे बड़े-बड़े नगर निगमों, नगर परिषदों सहित 44 नगरपालिकाओं के चुनाव कई वर्षो से बकाया थे। संविधान संशोधन के फलस्वरूप इन संस्थाओं के चुनाव के लिये बने पूर्व के कानून बदले गये, नया पंचायतीराज अधिनियम, 1994 बना और राजस्थान नगरपालिका अधिनियम, 1959 में भी व्यापक संशोधन किये गये। साथ ही चुनाव प्रक्रिया भी नये सिरे से निर्धारित करने के नियम बनाये गये। आयोग को अपना कार्य नये सिरे से शून्य से प्रारम्भ करना था।

तत्कालीन राज्य सरकार के मुखिया की मंशा थी कि यह राज्य देश के उन अठाणी राज्यों में हो जहां संविधान संशोधन की क्रियान्विती में सभी चुनाव शीघ्र सम्पन्न हो, साथ ही राज्य निर्वाचन आयोग भी भारत निर्वाचन आयोग की भाँति एक सशक्त व स्वतंत्र आयोग बने। गठन के बाद अगस्त, 1994 में आयोग में जिला निर्वाचन अधिकारियों की प्रथम बैठक थी, जिसमें मुख्यमंत्री ने स्वयं आकर राज्य निर्वाचन आयोग और जिला निर्वाचन अधिकारियों को अपने उद्बोधन में सरकार के पूर्ण सहयोग का आश्वासन भी दिया।

ऐसी बैठक में ऐसी उपस्थिति एकमात्र उदाहरण है लेकिन जैसा उन्होंने बैठक में आश्वासन दिया वह पूर्ण भी हुआ। सरकार के सहयोग और आयोग के कठिन परिश्रम का ही परिणाम था कि नये सिरे से परिसीमन का कार्य भी हुआ और साथ ही साथ नयी मतदाता सूची तैयारी, चुनाव प्रक्रिया हेतु नये निर्देश, नयी स्टेशनरी, नये प्रपत्रों की तैयारी व मुद्रण, चुनाव सामठी की आपूर्ति आदि समस्त कार्य कई कठिनाईयों के बावजूद पूर्ण हुये और नगरपालिकाओं के सभी बकाया चुनाव नवम्बर, 1994 में तथा पंचायतीराज संस्थाओं के चुनाव जनवरी-फरवरी, 1995 में सम्पन्न हो गये। आयोग द्वारा कराया गया यह चुनाव पहला चुनाव था, जिसमें सरकार का पूर्ण सहयोग था, लेकिन इसके बाद स्थिति में बदलाव आया।

राजस्थान ऐसे बिरले और सौभाग्यशाली राज्यों में से एक है, जहां आयोग की स्थापना से लेकर लगातार पाँच कार्यकालों में (पच्चीस वर्ष) तक यानि वर्ष 1994 से लेकर वर्ष 2019-20 तक पंचायतीराज संस्थाओं और नगरपालिकाओं में निर्वाचित बोर्ड कार्यरत रहे, हालांकि प्राकृतिक आपदाओं या कानून-व्यवस्था बिगडने के कुछेक मामलों में अपवाद अवश्य रहा। इस अवधि में भी यदाकदा राज्य सरकार द्वारा चुनाव स्थगित कराने के प्रयत्न हुये लेकिन आयोग की सजगता और प्रतिरोध से समय पर चुनाव करा लिये गये।

नवम्बर, 1999 में जब नगरपालिकाओं के चुनाव होने थे राज्य सरकार ने परिसीमन/आरक्षण का आधार लेकर चुनाव स्थगित करने का आयोग से अनुरोध किया जिसे आयोग ने स्वीकार नहीं किया। इसके बाद एक निजी याचिका पर माननीय उच्च न्यायालय की एकलपीठ द्वारा चुनाव को स्थगित करने का आदेश पारित कर दिया गया तो आयोग ने तुरन्त ही माननीय उच्च न्यायालय की डबल बैंच में अपील प्रस्तुत की, तोराज्य सरकार ने भी आयोग का विरोध करते हुये चुनाव स्थगित करने की मांग की, लेकिन न्यायिक निर्णय आयोग के पक्ष में ही रहा और अवशेष रहे आरक्षित वार्डो का उसी समय निर्धारण करते हुये चुनाव निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सम्पन्न हो गये।

वर्ष 2000 में राज्य कर्मचारियों की व्यापक हड़ताल होने के बावजूद पंचायत चुनाव सरकार की मदद से सफलतापूर्वक सम्पन्न हुये। वर्ष 2004 में जब पंचायत चुनाव होने थे, तब फिर परिसीमन कार्य में विलंब होने लगा और आयोग के निरंतर आग्रह पर भी कार्य में प्रगति नहीं हो रही थी। माननीय उच्च न्यायालय, जोधपुर की खण्ड पीठ में प्रस्तुत निजी याचिका पर सख्त न्यायिक निर्देश के बाद परिसीमन का कार्य तुरन्त पूर्ण हुआ और चुनाव भी निर्धारित कार्यकाल में ही सम्पन्न हुये।

कार्यकाल समाप्ति पर अगस्त, 2010 में 127 नगरपालिकाओं के चुनाव होने थे लेकिन महिला आरक्षण के कोटा संबंधी बिन्दु पर राज्य सरकार द्वारा सर्वोच्च अदालत में प्रस्तुत एस.एल.पी. की सुनवाई के दौरान राज्य सरकार ने चुनाव स्थगित कराने का भी अनुरोध कर दिया जिसे मान लिया गया और चुनावों पर स्थगन आदेश पारित हो गया। आयोग को जैसे ही इसकी जानकारी हुयी तो सरकार के विरूद्ध माननीय सर्चोच्च न्यायालय में अविलंब प्रार्थना पत्र आयोग द्वारा प्रस्तुत कियागया। माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने ना केवल स्थगन आदेश को वापिस लिया, बल्कि सरकार को भी निर्देश दिये कि वह आयोग का सहयोग करें।

आयोग की स्थापना से लेकर वर्ष 2019-20 तक लगातार पाँच कार्यकालों में स्थानीय निकायों के निर्वाचित बोर्ड रहे। लेकिन इसके बाद क्या हुआ ? स्थिति सर्वज्ञात है। कभी संस्थाओं के पुनर्गठन या नये परिसीमन या कोविड को आधार बनाकर पंचायतीराज संस्थाओं और कई नगरपालिकाओं के चुनाव टाले जाते रहे। वर्तमान परिदृश्य में अधिकांश संस्थाओं का कार्यकाल समाप्त हुये एक अरसा हो गया लेकिन इनका चुनाव कब हो पायेगा, निश्चित नहीं हो पा रहा।

चुनाव कराने में मुख्य बाधा बतायी जा रही है, पिछड़े वर्गो के लिये आरक्षण का कार्य शेष रहना और परिसीमन में विलंब होना। संविधान के अनुसार इन संस्थाओं में अनुसुचित जातियो/जनजातियों तथा महिलाओं का आरक्षण बाध्यकारी है। लेकिन पिछड़े वर्गो के लिये आरक्षण अनुमत (झिसेग्ंत) है। माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने पृथक आयोग के माध्यम से ट्रिपल टेस्ट में निर्धारित मापदण्ड पूर्ण होने पर ही पिछड़े वर्गा के लिये इन संस्थाओं में आरक्षण को मान्यता दी है।

सर्वोच्च न्यायालय द्वारा विकास किशन गवली बनाम स्टेट ऑफ महाराष्ट्र प्रकरण में पारित निर्णय (वर्ष 2021) के बाद यह स्पष्ट हो गया था कि ट्रिपल टेस्ट फार्मूले के बिना इन संस्थाओं में पिछड़े वर्गो के लिये आरक्षण नहीं हो पायेगा तब भी इसके लिये यथोचित प्रयास नहीं हुये और पृथक आयोग की स्थापना कई वर्षो तक नहीं हुई। इस दौरान अलग-अलग सरकारें रही, लेकिन दोनों ही सरकारों में यथासमय कार्य नही हुआ। पंचायतों व नगरपालिकाओं का कार्यकाल पूरा होने के बाद अब ट्रिपल टेस्ट के लिये आयोग कार्य कर रहा है, कब इसकी रिर्पोट आयेगी,कब आरक्षण हो पायेगा, अनिश्चित सा है। अनुसूचित जाति/जन जातियों व महिलाओं के लिए आरक्षण का कार्य जब भी सरकार चाहे वह तुरन्त हो सकता है, क्योंकि वार्ड परिसीमन के बाद इसके आंकड़े उपलब्ध रहते है।

इन संस्थाओं के परिसीमन का कार्य कौन प्राधिकारी करे, इसके लिये संविधान में नहीं बताया गया है। राज्य विधान मण्डल ही इसका कानून बनाने में सक्षम है। राजस्थान में परिसीमन व आरक्षण का कार्य राज्य सरकार के अधीन है, फिर भी राज्य निर्वाचन आयोग को भी जानकारी में रहता है कि परिसीमन व आरक्षण संबंधी कार्य राज्य सरकार द्वारा कराया जा रहा है तो किस स्तर तक पूरा हुआ है और कितना अवशेष है।

समय पर चुनाव कराने का दायित्व आयोग का है जिसके लिये संविधान ने इसे स्वतंत्र स्टेट्स प्रदान किया है और आयोग बना ही इसी प्रयोजन से है। यदि संस्थाओं के चुनाव कराने की दिशा में परिसीमन या आरक्षण का कार्य सरकार के स्तर पर लंबित चल रहा था तो आयोग को इसके लिए राज्य सरकार से निरन्तर आग्रह करते हुये प्रयास करने चाहिये थे और जैसा पूर्व होता भी रहा। राज्य सरकार इन संस्थाओं के चुनाव निर्धारित समय पर सम्पन्न कराने में सहयोग नहीं देती, तो आयोग का कत्तर्व्य होना चाहिये था, जैसा कि माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने किशनसिंह तोमर प्रकरण में निर्देश प्रदान किये थे, कि वह सर्वप्रथम तो माननीय उच्च न्यायालय में याचिका प्रस्तुत कर एप्रौच करता और यहां भी सफलता नहीं मिलती तो माननीय सर्वोच्च न्यायालय में मेण्डामस या अन्य उपयुक्त याचिका के माध्यम से राज्य सरकार को निर्देश जारी कराने हेतु प्रयास करना चाहिये था।

आवश्यकता होने पर पूर्व उदाहरणों को देखते हुये सरकार से स्वतंत्र और निडर होकर न्यायपालिका की यथासमय शरण लेनी चाहिये थी। अब तो बहुत अधिक विलंब हो चुका है, यदि समय रहते माननीय सर्वोच्च न्यायालय की संविधान पीठ के वर्ष 2006 में दिये गये निर्देशों पर गौर कर कार्यवाही की गई होती तो चुनाव समयबद्ध सम्पन्न हो सकते थे।

-आर. के. पारीक,
पूर्व आर. ए. एस. अधिकारी

नशे के खिलाफ जयपुर पुलिस का बिगुल : "नो टू ड्रग्स-वेक अप जयपुर" अभियान शुरू

राजेश यादव

जयपुर पुलिस द्वारा युवा पीढ़ी को नशे के दुष्प्रभावों से बचाने एवं समाज को नशामुक्त बनाने के उद्देश्य से विशेष अभियान बिगुल: 'नो टू ड्रग्स -वेक अप जयपुर' संचालित किया जा रहा है।

पुलिस आयुक्त सचिन मित्तल ने बताया कि मादक पदार्थों की तस्करी, विक्रय एवं सेवन की रोकथाम हेतु राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर पर विभिन्न कानून बनाए गए हैं, किन्तु युवाओं को नशे से पूर्णतः दूर रखने के लिए शैक्षिणक संस्थानों के माध्यम से जागरूकता फैलाना अत्यंत आवश्यक है। स्वस्थ एवं सशक्त युवा पीढ़ी का निर्माण कर परिवार, समाज एवं राष्ट्र की उन्नति में योगदान देना हम सभी का दायित्व है।

उन्होंने कहा कि पुलिस, शिक्षक वर्ग, स्वयंसेवी संगठन, विद्यालय प्रबंधन एवं समाज के संभ्रांत नागरिकों के संयुक्त प्रयास से शैक्षिणक संस्थानों में व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाया जाएगा, जिससे युवाओं को नशे से दूर रखा जा सके। अभियान के तहत आयुक्तालय जयपुर के सभी जिलों के शैक्षिणक संस्थानों में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करते हुए जागरूकता, आंकड़ों का संकलन एवं आवश्यकतानुसार कानून सम्मत कार्यवाही की जाएगी।

उन्होंने बताया कि अभियान के तहत स्कूल एवं कॉलेजों में विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों एवं कानूनी प्रावधानों के प्रति जागरूक करने, रैली, नुक्कड़ नाटक एवं शपथ कार्यक्रम आयोजित करने, निबंध, पोस्टर, चित्रकला व फोटोग्राफी प्रतियोगिताओं के माध्यम से जन-जागरूकता बढ़ाने, विद्यार्थियों की काउंसलिंग कर नशा उपलब्ध कराने वालों के विरुद्ध कार्रवाई करने, शैक्षिणक संस्थानों के आसपास मादक पदार्थों की बिक्री पर रोक सुनिश्चित करने, अभिभावकों-शिक्षकों की सहभागिता बढ़ाने, विधिक साक्षरता कार्यक्रमों के आयोजन, नशामुक्ति एवं पुनर्वास केन्द्रों के भ्रमण तथा पुलिस, एनजीओ एवं विशेषज्ञों के समन्वय से युवाओं को नशे से दूर रखने हेतु व्यापक प्रयास किए जाएंगे। इस अभियान के माध्यम से जयपुर पुलिस, शिक्षा विभाग एवं समाज के सभी वर्गों के सहयोग से युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से बचाकर एक स्वस्थ, सुरक्षित एवं अपराध मुक्त समाज की परिकल्पना को साकार करने का प्रयास कर रही है। जयपुर पुलिस द्वारा संचालित यह अभियान मई माह में शैक्षिणक संस्थान प्रारम्भ होने के साथ ही शुरू किया जाएगा। पुलिस आयुक्त श्री सचिन मित्तल ने बताया कि प्रथम चरण में 10 मई से 25 मई तक विशेष कार्यवाही की जाएगी तथा इसकी रिपोर्ट 26 मई तक पुलिस आयुक्त कार्यालय में भिजवाई जाएगी। इसके बाद यह अभियान प्रत्येक माह 1 से 15 तारीख तक संचालित कर रिपोर्ट 16 तारीख तक कंट्रोल रूम के माध्यम से भेजना सुनिश्चित किया जाएगा।

–राजेश यादव, सहायक निदेशक, पुलिस आयुक्तालय, जयपुर

राशिफल रविवार 12 अप्रैल, 2026

पंडित अनिल शर्मा

वैशाख मास, कृष्ण पक्ष, दशमी तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2083, श्रवण नक्षत्र दिन 3:14 तक, साध्य योग सायं 6:16 तक, वणिज करण दिन 12:57 तक, चन्द्रमा आज रात्रि 3:45 से कुम्भ राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मीन, चन्द्रमा-मकर, मंगल-मीन, बुध-मीन, गुरू-मिथुन, शुक्र-मेष, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

भद्रा दिन 12:57 से रात्रि 1:17 तक रहेगी। पंचक रात्रि 3:45 से आरम्भ होगी।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 7:45 से 9:19 तक, लाभ-अमृत 9:19 से 12:28 तक, शुभ 2:02 से 3:36 तक।

राहूकाल: 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 6:10, सूर्यास्त 6:45

मेष
घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

वृष
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। परिवार में शुभ संदेश प्राप्त हो सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

मिथुन
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। धन हानि हो सकती है।

कर्क
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण एवं धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

सिंह
स्वास्थ्य में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

कन्या
आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। घर-परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

तुला
घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

वृश्चिक
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आज नये-पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है।

धनु
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। महत्वपूर्ण कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

मकर
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

कुंभ
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है। आज मन में असंतोष बना रहेगा।

मीन
आर्थिक/वित्तिय मामलों में संतुलन बना रहेगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। महत्वपूर्ण कार्यों में आज उचित सफलता मिल सकती है। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

उदयपुर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 33 संख्याः 158 प्रभात उदयपुर, रविवार 12 अप्रैल, 2026 आर.जे. 7202 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

राहुल गांधी को भारी दुविधा में डाला महिला आरक्षण विधेयक ने

राहुल गांधी विधेयक में ओबीसी कोटा यानी कोटे में कोटा के लिए संघर्ष कर रहे थे

- पर, राहुल की ''किचन कैबिनेट'' जय जगत का मत है, राहुल को विधेयक में ओबीसी कोटा की मांग नहीं उठानी चाहिए, बल्कि विधेयक में दलित कोटा डालने की मांग पर अड़ना चाहिए।
- ऐसी दुविधा राहुल गांधी के समक्ष बिहार चुनाव अभियान के दौरान भी आई थी इसलिए वहाँ चुनाव अभियान के दौरान वे अचानक ही ओबीसी की बात त्याग कर दलित उत्थान की बात करने लगे थे।
- अब अगर राहुल ओबीसी कोटा की बात करते हैं, जैसा कि संपूर्ण विपक्ष चाहता है या तो जय जगत ग्रुप नाखुश होता है और अगर दलित उत्थान की बात करते हैं तो जय जगत ग्रुप खुश होता है, पर, विपक्ष निराश होता है।
- और अगर ओबीसी कोटा की बात करते-करते अचानक दलित उत्थान की ही बात करते हैं तो वर्तमान राजनीति परिस्थिति में यह उचित नहीं लगता और वे अचानक दलित उत्थान की बात छोड़कर ओबीसी कोटा पर जोर देने लगते हैं, तो यह छवि बनती है कि शायद राहुल ओबीसी व दलित के फर्क से पूरी तरह परिचित नहीं हैं। यह भी राहुल की छवि के लिए ठीक नहीं है।

- रेणु मित्तल -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 11 अप्रैल। महिलाओं के आरक्षण बिल को दो-तिहाई बहुमत से पास कराने के लिए सरकार को 364 मतों की आवश्यकता है, जो बिना विपक्ष के सक्रिय सहयोग, समर्थन और मतदान के हासिल करना थोड़ा कठिन है।

विपक्षी दल राहुल गांधी पर इस बात का बहुत दबाव डाल रहे हैं कि वे महिलाओं के आरक्षण बिल में (अन्य पिछड़ा वर्ग) मुद्दे को मजबूत ढंग से उठाएं। इस ''कोटा के भीतर कोटा'' ने सरकार की स्थिति को कठिन बना दिया है।

विपक्षी नेता यह भी जिद कर रहे हैं कि राहुल गांधी ओबीसी मुद्दे को पूरे देश स्तर पर उठाएं।

समस्या यह है कि अपनी करीबी ''जय जगत'' टीम के प्रभाव में, राहुल गांधी ने ओबीसी मुद्दे को किनारे कर दिया है, वास्तव में उन्होंने इसे तो छोड़ दिया और दलित मुद्दे को उठा लिया। यह बिहार चुनाव के दौरान भी दिखा, जब राहुल ने अचानक अपनी रणनीति बदल दी थी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सोने के खनन को लेकर चिंता जताई थरूर ने

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11 अप्रैल। कांग्रेस सांसद शशि थरूर का कहना है कि भारत ऐसा देश है, जहाँ स्वर्ण धातु के लिए भारी जुनून है। हम अनुमानित 500 मिलियन टन सोने के अयस्क भंडार पर बैठे हैं, लेकिन हमारा घरेलू उत्पादन वैश्विक रजिस्टर में न्यूनतम है, हम सिर्फ थोड़ी सी मात्रा में सोना निकालते हैं, सालाना लगभग डेढ़ टन, जबकि ऑस्ट्रेलिया, घाना और पेरू की खानों से सैकड़ों टन सोना निकालने के लिए अपने विदेशी मुद्रा भंडार को खर्च करते

- कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा, हमारे पास स्वर्ण अयस्क (गोल्ड और) के 500 मिलियन टन भंडार हैं, पर, हम साल में सिर्फ डेढ़ टन सोना ही निकालते हैं।

हैं। यह स्थिति सिर्फ विडंबना नहीं है, यह एक आत्म प्रहार है, जो हमारी आर्थिक संप्रभुता को कमज़ोर करता है, जबकि विश्व व्यवस्था टूट रही है।''

उन्होंने आगे कहा, ''एक संभावित खननकर्ता को जो नियामक भूलभुलैया पार करनी पड़ती है, वह इतनी जटिल और प्राचीन है कि यह वास्तव में अड़चन की तरह काम करती है।

थरूर ने यह भी बताया कि जहाँ

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अमेरिका-ईरान वार्ता शुरु हुई, पर शुरुआत काफी ढुलमूल सी है

वार्ता बीच में ही टूटने के आसार हैं, अतः मामूली सी सफलता का बड़े जोर-शोर से स्वागत हो रहा है

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11 अप्रैल। ईरान और अमेरिका के बीच वार्ता शुरू हो गई, सभी आशंकाओं के बावजूद, हालांकि शुरुआत अस्थिर रही। विफलता के डर के कारण, हर छोटी प्रगति को भी खास तौर पर महत्व दिया जा रहा है।

बहुत कम उम्मीदों के साथ, यह वार्ता कुछ ठोस परिणाम भी दे सकती है। कूटनीतिक सौदेबाजी के दौरान ऐसा प्रतीत होता है कि ईरान का पलड़ा भारी है और वह अपेक्षित से अधिक लाभ कमा रहा है।

होर्मुज़ स्ट्रेट के तुरंत पुनः खोलने के मुद्दे को टालते हुए, ईरान अपनी आर्थिक प्राथमिकताओं को वार्ता शुरू होने से पहले उजागर कर रहा है। भारी आर्थिक दबाव में, ईरान ने अमेरिका से वार्ता की शुरुआत में ही एक बड़ी रियायत हासिल कर ली है।

ईरानी प्रतिनिधिमंडल के नेता मोहम्मद बगर गलीबाफ ने मांग की कि अमेरिकी प्रतिबंधों के तहत विभिन्न ईरानी संस्थाओं के भारी वित्तीय संसाधन जब्त किए गए हैं। जब्त की गई ईरानी धनराशि को वार्ता शुरू होने से

- अभी तक तो यह ही छवि बनी है कि ईरान हावी है तथा ट्रंप किसी भी तरह वार्ता जारी रखना चाहते हैं।
- इस माहौल में ईरान ने प्रारंभ में अपनी बात मनवा ली कि ''फ्रीज़'' खातों से पैसे रिलीज़ होंगे, अमेरिका 6 बिलियन डॉलर कतर बैंक से रिलीज़ कराने को तैयार है।
- ईरान के दबाव में अमेरिका ने इज़रायल को लेबनान पर फिलहाल बमबारी रोकने की सलाह/आदेश दिए हैं तथा बमबारी काफी कम हो गई है।
- इस भगदड़ के माहौल में होर्मुज़ स्ट्रेट खुलवाने की बात भी गौण सी हो गई है। ट्रंप की मजबूरी यह है कि अमेरिका में कीमतें एक प्रतिशत बढ़ गई हैं तथा महँगाई 3.3 प्रतिशत बढ़ी है।

पहले ही जारी किया जाना चाहिए।

हालांकि अमेरिका लगातार यह कह रहा है कि अगर वार्ता विफल होती है तो इसका बड़ा नकारात्मक प्रभाव होगा, पर ऐसा प्रतीत हो रहा है कि ट्रंप युद्ध से स्थायी निकासी के लिए समाधान खोजने के लिए बेताब हैं। कुछ रिपोर्टों के अनुसार, अमेरिका ने वार्ता शुरू होने से पहले ही कतर के बैंक में रखी 6 बिलियन डॉलर की राशि जारी करने पर सहमति दे दी है।

ईरान ने यह भी कहा कि लेबनान पर हमला करना और वार्ता को जारी रखना एक साथ नहीं हो सकता। वार्ता शुरू होने से पहले लेबनान में ईरान के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ईरान मान भी जाए तो भी नहीं खुल पाएगा होर्मुज़ स्ट्रेट!

असल में ईरान ने युद्ध के दौरान होर्मुज़ स्ट्रेट में कई ''नेवल माइन्स'' बिछाई थीं, पर उसे खुद याद नहीं कि ये माइन्स किस जगह पर हैं

- न्यूयॉर्क टाइम्स में छपी रिपोर्ट के अनुसार, ईरान के पास इस बात का कोई रिकॉर्ड नहीं है कि उसने किस-किस जगह पर ''माइन्स'' बिछाई थीं, यही नहीं समुद्री लहरों से माइन्स के जगह बदलने का भी खतरा है।
- ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि होर्मुज़ स्ट्रेट खोलने से पहले कई तकनीकी सीमाओं पर विचार करना होगा। अमेरिकी विशेषज्ञ इसे ''माइन्स'' बिछाने की स्वीकारोक्ति मान रहे हैं।

- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 11 अप्रैल। भले ही ईरान अमेरिकी शर्तों के अनुसार व्यावसायिक जहाजों को होर्मुज़ (स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़) से स्वतंत्र और निर्बाध रूप से गुजरने की अनुमति देने के लिए तैयार हो जाए, ताकि संघर्ष को औपचारिक रूप से समाप्त किया जा सके, फिर भी तेहरान के सामने एक असामान्य कठिनाई है। जाहिर तौर पर, ईरान भूल गया है कि उसने स्ट्रेट में कितनी नेवल माइन्स बनाने की योजना बनाई थी, या वे कहाँ हैं। अमेरिकी रिपोर्टों के अनुसार, नौसैनिक खानों को ईरान ने न तो तेज़ और न ही कुशल तरीके से बिछाया था। न्यूयॉर्क टाइम्स में प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार, ईरान के पास बिछाई गई खानों की संख्या और स्थान का सटीक रिकॉर्ड नहीं हो सकता। रिपोर्ट में अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से कहा गया है कि जल-धाराओं के कारण उनमें से कुछ खानों का मूल स्थान भी बदल जाने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। खाने बेतरतीब तरीके से बिछाई गई थीं, जिससे व्यवस्थित रूप से उन्हें हटाना अत्यंत कठिन हो गया।

स्ट्रेट को जल्दी ही नहीं खुलवा पाने का स्पष्ट रूप से कूटनीतिक असर होगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने अस्थायी युद्धविराम की संभावना को जलमार्ग को पूर्ण, तात्कालिक और सुरक्षित खोले जाने से जोड़ा है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने अप्रत्यक्ष रूप से इस समस्या को स्वीकार करते हुए कहा है कि स्ट्रेट का पुनः खुलना तकनीकी सीमाओं के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

खेड़ा को मिली एक सप्ताह की ट्रांज़िट अग्रिम जमानत

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11 अप्रैल। तेलंगाना हाईकोर्ट ने शुक्रवार को कांग्रेस नेता और पार्टी प्रवक्ता पवन खेड़ा को असम पुलिस द्वारा दर्ज एफआईआर के संबंध

- तेलंगाना हाई कार्ट ने असम पुलिस द्वारा गिरफ्तारी के खेड़ा के भय को स्वीकार किया और सुप्रीम कोर्ट के नियमों के तहत सीमित सुरक्षा प्रदान की। अब खेड़ा को 7 दिन में असम की किसी कोर्ट से जमानत लेनी होगी।

में एक सप्ताह की ट्रांज़िट अग्रिम जमानत दी। यह एफआईआर असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्र.मंत्री मोदी ने राहुल से बात की, सोशल मीडिया पर वायरल हुआ वीडियो

सूत्रों ने बताया कि प्र.मंत्री ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से उनकी माँ सोनिया गांधी के स्वास्थ्य के बारे में पूछा

- सूत्रों ने बताया कि राहुल ने कहा कि अब उनका स्वास्थ्य सुधर रहा है तो प्रधानमंत्री ने संतोष जताया और शुभकामनाएं दी।
- यह मौका था ज्योतिराव फुले की जयंती के अवसर पर संसद परिसर में उन्हें श्रद्धांजलि देने का, जिसमें प्रधानमंत्री मोदी व नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी एक साथ थे।
- सोशल मीडिया पर इस वीडियो की काफी चर्चा हुई। यूज़र्स ने इसे वर्तमान राजनैतिक वैमनस्य के माहौल में दुर्लभ क्षण बताया।

- डॉ. सतीश मिश्रा -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 11 अप्रैल। संसद में दिन के उजाले में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और विपक्ष के नेता राहुल गांधी के बीच हुई छोटी और सौहार्दपूर्ण बातचीत का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के साथ चर्चा का विषय बन गया।

दो नेताओं के बीच यह संवाद - जो वर्तमान भारत की ध्रुवीकृत राजनीति में दुर्लभ है - पुरानी यादों को ताजा कर देता है, जब सत्ताधारी दल और विपक्ष राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी हुआ करते थे, शत्रु नहीं।

हालांकि बातचीत की सामग्री को लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं, लेकिन सत्ताधारी पार्टी के सूत्रों के अनुसार, प्रधानमंत्री ने गांधी से उनकी माता और पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के स्वास्थ्य के बारे में पूछा, जिन्हें हाल ही में अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

एक सूत्र ने कहा, गांधी ने उन्हें बताया कि उनका स्वास्थ्य सुधर रहा है। जवाब में प्रधानमंत्री ने संतोष व्यक्त किया और शुभकामनाएं दीं।

सोनिया गांधी को 31 मार्च को सिस्टीमिक इंफेक्शन से ठीक होने के बाद सर गंगा राम अस्पताल से छुट्टी दे दी गई थी। उन्हें 24 मार्च को बुखार के कारण भर्ती कराया गया था।

प्रधानमंत्री और कांग्रेस सांसद उन नेताओं में शामिल थे, जो शनिवार को संसद परिसर में समाज सुधारक महात्मा ज्योतिराव फुले की 200वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए जमा हुए थे।

शनिवार सुबह पर प्रधानमंत्री मोदी ने फुले को ''मार्गदर्शक प्रकाश'' कहा और लिखा कि शिक्षा, सीख और सबके कल्याण पर उनका जोर आज के समय में भी प्रासंगिक है।

उन्हें श्रद्धांजलि देने के बाद प्रधानमंत्री ने लिखा, संसद परिसर में महात्मा फुले को श्रद्धांजलि अर्पित की। उनके आदर्श अनगिनत लोगों को शक्ति और आशा देते रहें।

दृश्यों में दोनों नेताओं को पास-पास खड़े दिखाया गया, जो एक छोटी लेकिन एकाग्र बातचीत में व्यस्त थे, उसके बाद उन्होंने अपने-अपने कार्यक्रम जारी रखे। भले ही यह बातचीत क्षणिक थी, लेकिन सत्तारूढ़ भाजपा और कांग्रेस के बीच लगातार होने वाले राजनीतिक झगड़ों के बीच यह अलग नज़र आई। यह दृश्य देखने वाले पर्यवेक्षकों ने इस आदान-प्रदान पर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अब बची छुट्टियों का पैसा मिल सकेगा

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11 अप्रैल। सरकार नए लेबर कोड्स के तहत लीव एन्कैशमेंट (छुट्टी का भुगतान) नियमों को सरल और मानकीकृत करने की तैयारी कर रही है। अब कर्मचारियों को

- सरकार नए लेबर कोड़ के तहत छुट्टियों के भुगतान के नियमों को सरल करने की तैयारी में हैं। अब बची छुट्टियों के भुगतान के लिए रिटायरमैंट तक प्रतीक्षा नहीं करनी होगी।

हर साल अपनी अप्रयुक्त छुट्टी का पैसा लेने का विकल्प मिलेगा।

अब किसी को भी 30 दिन से अधिक छुट्टी के बदले वित्तीय मुआवजा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'हमारे इरादे नेक हैं, पर, हमारा अमेरिका में विश्वास डगमगा रहा है'

ईरान के प्रतिनिधिमंडल के मुखिया मोहम्मद बकर गलीबाफ ने वार्ता शुरु होने से पहले यह भी कहा, ''अमेरिका से बातचीत का सिलसिला ''फेलियर'' व टूटे हुए वादों से अटा हुआ है

- ट्रंप ने बातचीत के दौर की शुरुआत अपनी छाती ठोकते हुए, बडबोलेपन से की और कहा, ''ईरान एक फेल्ड राष्ट्र है'' और अगर बातचीत सफल नहीं हुई तो वे दोबारा लड़ाई शुरु करने के लिए तैयार हैं।
- ट्रंप ने यह भी दंभ भरा कि उसके पास सबसे बड़े ऑयल प्रॉडयूसिंग देश के पास जितना ऑयल है, उससे ज्यादा ऑयल है और अब बड़े-बड़े ऑयल टैंकर बीच में ही अपना रास्ता बदलकर अमेरिका जा रहे हैं, टैंकरों में ऑयल भरने के लिए।
- ट्रंप का दावा शायद सही है, पर क्या अमेरिका की ऑयल सप्लाई विश्व की मांग पूरी करने के लिए पर्याप्त है।

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11 अप्रैल। 40 दिनों तक चले विनाशकारी युद्ध के बाद अमेरिका-इज़रायल और ईरान के बीच युद्धविराम को समाप्त करने और पारस्परिक रूप से स्वीकार्य समझौते तक पहुँचने के लिए शांति वार्ता आज इस्लामाबाद में औपचारिक रूप से शुरू हुई। इस संदर्भ में, अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने दावा किया कि होर्मुज़ खुलेगा और जल्दी ही खुलेगा।

अपनी शेखी बघारने वाले कूटनीतिक रवैये के माध्यम से, ट्रंप ने ईरान को विफलता की ओर बढ़ता राष्ट्र कहा और यह स्पष्ट किया कि यदि वार्ता योजना के अनुसार नहीं हुई तो अमेरिका फिर से हमले करने के लिए तैयार है।

पश्चिम एशिया में नए संघर्ष को रोकने के प्रयास ने 11 अप्रैल को गति पकड़ी। जब अमेरिकी और ईरानी प्रतिनिधिमंडल दो सप्ताह के अस्थिर युद्धविराम के दौरान उच्च-स्तरीय वार्ता के लिए इस्लामाबाद में मिले।

लेकिन पहले औपचारिक सत्र से पहले ही वार्ता का माहौल तनावपूर्ण रहा, धमकियों, अविश्वास और सार्वजनिक वाद-विवाद जारी रहे, जिसमें ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ पर अपने पोस्ट के माध्यम से आक्रामक स्वर से काम लिया।

अब ध्यान होर्मुज़ स्ट्रेट पर केन्द्रित हो गया है, जो अब सैन्य और कूटनीतिक दबाव का केन्द्र बन गया है। जहाँ वॉशिंगटन कहता है कि जलमार्ग ''ईरान के सहयोग या इसके बिना'' खुल जाएगा, वहीं तेहरान ने अमेरिका पर गहरा अविश्वास जताया और किसी भी सार्थक प्रगति को शर्तों से जोड़ दिया, जिनमें लेबनान में युद्धविराम और फंसे हुए ईरानी संसाधनों की रिहाई शामिल है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने शुक्रवार को कहा कि आगामी पाकिस्तान के इस्लामाबाद में ईरान से होने वाली वार्ता में उनका फोकस यह सुनिश्चित करने पर होगा कि तेहरान कोई परमाणु हथियार नहीं रख सकता। उन्होंने यह भी कहा कि होर्मुज़ स्ट्रेट ''ईरान के समर्थन या उसके बिना'' खुला रहेगा।

वॉशिंगटन से दौरे के लिए रवाना होने के बाद, पत्रकारों से बातचीत में अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि ईरान के साथ किसी भी स्वीकार्य समझौते से यह सुनिश्चित होना चाहिए कि उसके पास ''कोई परमाणु हथियार नहीं हैं।''

ट्रंप ने उपराष्ट्रपति जे.डी. वैंस को पाकिस्तान भेजा है, ताकि ईरानी अधिकारियों के साथ वार्ता कर दो सप्ताह के युद्धविराम के बाद पश्चिम एशिया संघर्ष में शांति समझौता सुनिश्चित किया जा सके।

उन्होंने कहा, ''कोई परमाणु हथियार नहीं, 99 प्रतिशत तो यही मामला है।''

अमेरिकी टीम का नेतृत्व वैंस कर रहे हैं, जिसमें ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकोफ और दामाद जेरेड कुश्नर शामिल हैं। इस्लामाबाद जा रही टीम ने रास्ते में पेरिस में ईंधन भरवाया।

ईरानी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आशा भोंसले को हार्ट अटैक

मुंबई, 11 अप्रैल। दिग्गज सिंगर आशा भोसले को शनिवार, 11 अप्रैल को दिल का दौरा पड़ा और उन्हें मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इमरजेंसी में इलाज चल रहा है। सूत्रों के अनुसार, उनकी हालत गंभीर बनी हुई है।

आशा भोसले की स्वास्थ्य स्थिति के बारे में फिलहाल कोई और जानकारी

- ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती, हालत अभी गंभीर

उपलब्ध नहीं है। उनके परिवार और अस्पताल अधिकारियों ने अभी तक कोई बयान जारी नहीं किया है।

आशा भोसले की पोती जनाई भोसले ने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए हेल्थ अपडेट साझा किया है। उन्होंने बताया कि 'अत्यधिक थकावट और सीने में संक्रमण के कारण उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जनाई भोसले ने अपनी पोस्ट में आशा भोसले को दिल का दौरा पड़ने वालीबात नहीं बताई है।

अंता पालिका के सहायक अभियंता के पास 3.70 लाख की संदिग्ध नकदी जब्त

एसीबी की करौली इकाई द्वारा आकस्मिक चेकिंग के दौरान कार्रवाई की गई

जयपुर/अंता, (निसं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने शनिवार को कार्रवाई करते हुए बारां जिले की अंता नगर पालिका में पदस्थापित सहायक अभियंता महेन्द्र सिंह के कब्जे से 3 लाख 70 हजार रुपये की संदिग्ध नकदी जब्त की है। यह कार्रवाई एसीबी की करौली इकाई द्वारा हिण्डौन सिटी के बयाना रोड पर आकस्मिक चेकिंग के दौरान की गई।

एसीबी महानिदेशक गोविन्द्र गुप्ता ने बताया कि मुख्यालय को मिली गोपनीय सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की गई। सूचना में बताया गया था कि सहायक अभियंता महेन्द्र सिंह बड़ी मात्रा में अवैध राशि लेकर हिण्डौन सिटी (जिला करौली) जाने वाले हैं। इस सूचना पर एसीबी के उप महानिरीक्षक डॉ. रामेश्वर सिंह के निर्देशन में करौली इकाई के पुलिस निरीक्षक जगदीश भारद्वाज ने बयाना रोड, हिण्डौन सिटी पर आकस्मिक चेकिंग की। इस दौरान महेन्द्र सिंह के पास से 3.70 लाख रुपये की नकदी बरामद की गई। पूछताछ के दौरान अधिकारी उक्त राशि के संबंध में कोई ठोस सबूत या संतोषजनक जवाब प्रस्तुत नहीं कर सके। इसके बाद एसीबी ने राशि को जब्त कर लिया और मामले में विस्तृत जांच शुरू कर दी है। एसीबी की अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस स्मिता श्रीवास्तव एवं एस. परिमला के सुपरविजन में आरोपी से पूछताछ जारी है। मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत अग्रिम अनुसंधान किया जाएगा।

अंता नगर पालिका में पदस्थापित सहायक अभियंता महेन्द्र सिंह से एसीबी ने नगदी जब्त की।

- पूछताछ में अधिकारी राशि के संबंध में कोई ठोस सबूत, संतोषजनक जवाब प्रस्तुत नहीं कर सके

बीकानेर में साले ने बहनोई की तलवार से गर्दन काटकर हत्या की

बीकानेर, (निसं)। साले ने अपने साथी के साथ मिलकर जीजा की तलवार से गर्दन पर वार कर हत्या कर दी। बहू ने हत्या से पहले ससुर को कॉल कर धमकी दी थी और कहा था कि बेटे को समझा लो नहीं तो उसे छोड़ेंगे नहीं। मामला मुक्ताप्रसाद थाना क्षेत्र में रामपुरा बस्ती की गली नंबर सात का शुक्रवार देर रात का है।

एसएचओ विजेंद्र शीला ने बताया कि जय सिंह (28) पुत्र राजेंद्र सिंह की हत्या हुई है। युवक के पिता ने बेटे के साले कपिल सिंह और एक अन्य पर आरोप लगाए हैं। दोनों को डिटेन कर पूछताछ की जा रही है। घटना के बाद क्षेत्र में पुलिस बल तैनात किया गया है। डीएसपी अनुज डाल ने बताया कि जयसिंह और उसकी पत्नी के बीच दो साल से विवाद चल रहा था। इसके चलते हत्या हुई है। जय सिंह के पिता राजेंद्र सिंह ने एफआईआर में बताया कि बेटे और उसकी पत्नी कुंजिका के बीच विवाद चल रहा था। 10 अप्रैल की रात 10:44 बजे कुंजिका ने कॉल कर कहा था कि अपने बेटे जय सिंह को समझा लो नहीं तो हम उसे छोड़ेंगे नहीं।

एफआईआर में बताया कि इसके बाद उन्होंने बेटे को ढूंढा तो वह घर पर नहीं मिला। जब वे बेटे की तलाश में रामपुरा बस्ती स्थित शनि मंदिर के पास पहुंचे। वहां बेटे जय सिंह से उसका साला कपिल सिंह और अन्य मारपीट कर रहे थे। कपिल सिंह के हाथ में तलवार थी। एफआईआर में बताया कि जैसे ही शोर मचाया तो दोनों वहां से बाइक लेकर भाग निकले। इसके बाद स्थानीय लोगों की मदद से पीबीएम अस्पताल पहुंचाया, यहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

- मृतक के पिता ने बेटे के साले व एक अन्य पर आरोप लगाए, पुलिस ने दोनों को डिटेन किया
- पति-पत्नी के बीच विवाद दो साल से चल रहा था, बहू ने हत्या से पहले ससुर को कॉल कर धमकी दी थी

नोखा में बैंक मैनेजर पर 1.57 करोड़ की धोखाधड़ी का आरोप

नोखा, (निसं)। पुलिस थाने में कैनरा बैंक के मैनेजर और अन्य कर्मचारियों के खिलाफ धोखाधड़ी और गबन का एक मामला दर्ज किया गया है। काकड़ा निवासी पूजा बिश्नोई ने आरोप लगाया है कि बैंक कर्मचारियों ने उनकी फर्म के खाते से फर्जी तरीके से लगभग 1.57 करोड़ रुपए का गबन किया है।

पूजा बिश्नोई ने अपनी शिकायत में बताया कि वो डेलू ब्रदर्स नामक फर्म की प्रोपराइटर हैं। उन्होंने नवंबर 2025 में बीकानेर रोड, नोखा स्थित कैनरा बैंक की पीपली चौक शाखा में अपनी फर्म का खाता खुलवाया था। 7 जनवरी 2026 को उन्होंने व्यापार के लिए 1.60 करोड़ रुपए का टर्म लोन और 25 लाख रुपए की सीसी लिमिट स्वीकृत करवाई थी। शिकायतकर्ता के अनुसार, उन्होंने उक्त लोन राशि में से लगभग 95 लाख रुपए का उपयोग किया था, जबकि शेष राशि उनके फर्म के खाते में थी। 7 अप्रैल 2026 को जब उनके पति खाते की जानकारी लेने बैंक गए, तो शाखा प्रबंधक और बैंक स्टाफ ने टालमटोल की। इसके बाद पूजा बिश्नोई ने उच्च अधिकारियों से शिकायत की, जिससे उन्हें धोखाधड़ी का पता चला। पूजा बिश्नोई का आरोप है कि बैंक मैनेजर और अन्य स्टाफ ने उनके फर्जी हस्ताक्षर कर ऑनलाइन तरीके से उनकी फर्म के खाते की सीसी लिमिट बढ़ा दी। इसके बाद, उनकी अनुमति के बिना लगभग 1.57 करोड़ रुपए अपने निजी, रिश्तेदारों के और अन्य खातों में स्थानांतरित कर दिए। उन्होंने बताया कि उनकी सीसी लिमिट को ओडी में बदलकर 1.27 करोड़ रुपए किया गया और इस राशि का उपयोग भी बैंक कर्मचारियों ने ही किया।

खाते के विवरण से पता चला कि बैंक कर्मचारियों ने एचडीएफसी बैंक (अमन सिंह परिहार) के खाते में, मां-माजीसा टेलीकॉम, भावना जनरल स्टोर और भुरसिंह/पन्नेसिंह नामक फर्मों में गलत तरीके से राशि ट्रांसफर की थी। इस धोखाधड़ी के कारण पूजा बिश्नोई को उनके लोन की पूरी राशि नहीं मिल पाई, जिससे उन्हें व्यापार में भारी नुकसान हुआ। उन्होंने यह भी आरोप लगाया है कि कैनरा बैंक के मैनेजर और अन्य कर्मचारियों ने इसी प्रकार अन्य खाताधारकों की सहमति के बिना भी उनके खातों से लेनदेन कर धोखाधड़ी और गबन किया है। नोखा पुलिस ने पूजा बिश्नोई की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच शुरू कर दी है।

बालोतरा में क्रिकेट सट्टा पकड़ा, चार जने गिरफ्तार

बालोतरा, (निसं)। बालोतरा पुलिस ने शनिवार को क्रिकेट सट्टा लगाने के मामले में चार जनों को गिरफ्तार कर तीन लेपटाप, तैतीस मोबाइल सहित करोड़ों का हिसाब-किताब जब्त किया है।

पुलिस अधीक्षक जिला बालोतरा रमेश आईपीएस ने बताया कि आईपीएल 2026 के दौरान जिले में अवैध क्रिकेट सट्टे पर प्रभावी अंकुश लगाने एवं जुआरियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्यवाही सुनिश्चित करने के लिए जारी दिशा-निर्देशों के क्रम में डीएसटी बालोतरा व पुलिस टीम ने रात्रि में सिटी पार्क, बालोतरा के पास स्थित एक मकान पर दबिश देकर क्रिकेट सट्टा संचालन में प्रयुक्त लैपटॉप, मोबाइल, पियानो अटैची (मोबाईल सेटअप) सहित अन्य सहायक सामग्री एवं करोड़ों रुपये का हिसाब-किताब बरामद कर आरोपी क्रिकेट बुकी जावेद, मनीष, असरफ व महेन्द्र को गिरफ्तार कर संगठित सट्टा गतिविधि का पर्दाफाश किया है।

जानकारी के अनुसार डीएसटी, बालोतरा से सूचना प्राप्त हुई कि सिटी पार्क, बालोतरा के पास जावेद वगैरा द्वारा आईपीएल 2026 में कोलकाता नाइट राइडर्स एवं लखनऊ सुपर जायंट्स के मध्य चल रहे क्रिकेट मैच परसट्टा संचालित किया जा रहा है। सूचना की गंभीरता को देखते हुए तत्काल कार्यवाही करते हुए पुलिस टीम ने जावेद के किराये के मकान पर योजनाबद्ध तरीके से दबिश दी और जावेद, मनीष, महेन्द्र एवं असरफ को मौके से दस्तयाब किया गया। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि आरोपी जावेद आदि अपने सहयोगियों के साथ मिलकर अत्यंत संगठित एवं तकनीकी तरीके से क्रिकेट मैचों पर जुआ-सट्टा संचालित कर रहे थे।

अगले सप्ताह 40 डिग्री पहुंच सकता है पारा

बीकानेर, (निसं)। अप्रैल के पहले सप्ताह में सुहाना मौसम और किसानों की भारी बर्बादी के बाद अब मौसम ने तेवर बदलने शुरू कर दिए हैं। पिछले कुछ दिनों से सुबह और शाम के समय जो हल्की ठंडक सुकून दे रही थी, अब उसकी भी विदाई है। आसमान पूरी तरह साफ होने के कारण सूरज की किरणें अब सीधे धरातल पर तीखा प्रहार कर रही हैं। अभी तापमान स्थिर है, लेकिन मौसम वैज्ञानिकों अनुमान है कि अगले हफ्ते पारे में जबरदस्त उछाल देखने को मिलेगा। संभावना है कि पारा 40 डिग्री सेल्सियस के आंकड़े को छू सकता है। हवा की गति धीमी रहने के कारण सतह पर उमस और गर्मी का प्रभाव अधिक होगा। यह स्थिति एक प्रकार की 'प्री-हीट' लहर की तरह है, जो स्पष्ट संकेत दे रही है कि इस बार नौतपा शुरू होने से पहले ही भीषण गर्मी अपना असली रंग दिखाएगी। फिलहाल रात का तापमान 20 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने से लोगों को थोड़ी राहत है। अगले कुछ दिनों में न्यूनतम तापमान भी 23 डिग्री सेल्सियस के पार निकल जाएगा। आमतौर पर इस मौसम में पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता से बादल छाने या बूंदाबांदी होने पर तापमान में गिरावट आती थी, लेकिन फिलहाल ऐसी कोई संभावना नजर नहीं आ रही है।

उदयपुर : बाईस साल से फरार डकैत गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। 22 साल पहले उदयपुर में टेक्सटाइल के माल से लदे ट्रक की हुई डकैती मामले में गोवर्धन विलास पुलिस ने फरार चल रहे बदमाश मध्यप्रदेश के देवास निवासी देवी सिंह झाला (57) पुत्र शेर सिंह को गिरफ्तार किया है।

एसपी डॉ. अमृता दुहन ने बताया कि डकैती के मामले में देवी सिंह झाला 22 साल से उदयपुर पुलिस का वांछित अपराधी था। डकैती करने के इस प्रकरण में गिरफ्तार हो चुके अन्य आरोपियों को तो कोर्ट से सजा भी हो चुकी है जबकि एक आरोपी की मौत हो चुकी है। वांछित अपराधियों की धरपकड़ अभियान के तहत गोवर्धन विलास पुलिस टीम ने 29 जुलाई 2004 को हुई डकैती प्रकरण में फरार चल रहे इनामी बदमाश मध्यप्रदेश के देवास निवासी देवी सिंह झाला पुत्र शेर सिंह को गिरफ्तार किया है। देवी सिंह झाला इस प्रकरण में नामजद हो 22 वर्षों से वांटेड था। इस प्रकरण में देवी सिंह झाला की गिरफ्तारी शेष थी। गत वर्षों में पुलिस ने कई बार इसके गांव में रेड कर इसे पकड़ने का प्रयास किया लेकिन हर बार यह ग्रामीणों की मदद से वहां से भाग जाता था। इस बार गोवर्धन विलास पुलिस टीम ने बदमाश देवी सिंह को पकड़ने के प्रयास तेज किए और साधु बनकर इसके घर व गांव के आस-पास रैकी की। गांव के मुख्य बाजार और मंदिरों के पुजारी से बातचीत कर बदमाश की जानकारी जुटाई। दो दिन पहले पुलिस को मुखबीर से इसके घर आने की सूचना मिली। इस पर गोवर्धन विलास थाने के सउनि मनोहर सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम इसके गांव पहुंची, साधु के वेश में ही रैकी की और पुलिस टीम ने घर पर दबिश देकर उसे धरदबोचा।

एएसआई मनोहर सिंह ने बताया कि 1 अगस्त 2004 को रविन्द्र कुमार यादव ने गोवर्धन विलास थाने में रिपोर्ट दर्ज करवायी थी जिसमें उसने बताया था कि सुरत से एक कंटेनर ट्रक लेकर जयपुर जा रहा था। कंटेनर में कपड़ों की गांठें भरी हुई थी। रविन्द्र के साथ कंटेनर में अन्य चालक रामकिशन और खलासी रामजीत थे। ये तीनों कंटेनर लेकर पडुणा उदयपुर पहुंचे थे कि रात को कुछ बदमाशों ने इनके कंटेनर के आगे अपनी गाड़ी लगाकर जबरन रोका।

- पुलिस ने साधु बनकर आरोपी के घर व गांव के आस-पास रैकी की

सांगरिया रिको एरिया में दो फैक्ट्रियों में चोरी

जोधपुर, (कासं)। शहर के निकट सांगरिया रिको एरिया में आई दो फैक्ट्रियों में नकबजनों ने 8-9 अप्रेल की रात में सैंधमारी कर वहां से मशीनरी पार्ट्स के साथ नगदी चोरी कर लिए। पीड़ित ने विवेक विहार थाने में रिपोर्ट दी है। पुलिस ने मौका मुआयना किए जाने के साथ अब सीसीटीवी फुटेज देखे है। चोरों की पहचान के साथ तलाश की जा रही है।

विवेक विहार थाना पुलिस ने बताया कि रामनगर सांगरिया बासनी निवासी अनिल जांगिड़ पुत्र हनुमान प्रसाद जांगिड़ ने रिपोर्ट दी। इसमें बताया कि उसकी एक फैक्टरी श्री राधे इंजीनियरिंग वर्क्स सांगरिया रिको एरिया में आई हुई है। फैक्टरी में आठ अप्रैल को सुबह करीब पांच बजे चोरों ने यहां से पम्प सहित मोटर, मशीन का एल्यूमिनियम ब्लॉक एवं अन्य सामान चोरी कर लिया। इसके बाद नौ अप्रैल को सुबह 4.10 बजे पुन: फैक्टरी में चोरी का प्रयास किया गया। क्षेत्र में स्थित एक अन्य हैंडीक्राफ्ट फैक्टरी के मालिक छगनलाल के यहां से भी चोर गैस सिलेंडर, चूल्हा तथा करीब 18 हजार रुपये चोरी कर ले गए।

झुंझुनूं में संविदा शिक्षिका पर धर्म परिवर्तन के प्रयास का आरोप

झुंझुनूं/सूरजगढ़, (निसं)। झुंझुनूं जिले के सूरजगढ़ पंचायत समिति क्षेत्र के काजड़ा गांव में एक संविदा शिक्षिका पर धर्म परिवर्तन के प्रयास का आरोप लगाते हुए ग्रामीणों ने जवाहर नवोदय विद्यालय के मुख्य द्वार के बाहर प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की। बाद में पुलिस की समझाइश के बाद ग्रामीण शांत हुए और प्रतिनिधिमंडल ने पिलानी थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई।

ग्रामीणों का आरोप है कि जवाहर नवोदय विद्यालय में संविदा पर कार्यरत एक शिक्षिका पिछले कुछ समय से गांव में सक्रिय है और घर-घर जाकर महिलाओं व अन्य ग्रामीणों से संपर्क कर रही है। ग्रामीणों के अनुसार, इस दौरान कथित रूप से धार्मिक चर्चाओं के जरिए एक विशेष धर्म के प्रति प्रेरित करने तथा दूसरे धर्म के प्रति नकारात्मक बातें कहने का प्रयास किया गया। कुछ ग्रामीणों ने धार्मिक साहित्य और पुस्तकें बांटने की बात भी कही है। सूचना मिलते ही पिलानी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों से बातचीत कर स्थिति को शांत कराया। पिलानी थानाधिकारी चंद्रभान चौधरी ने बताया कि काजड़ा गांव में नवोदय विद्यालय के सामने विरोध प्रदर्शन की सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची थी। ग्रामीणों ने एक शिकायत पत्र सौंपते हुए आरोप लगाया है कि विद्यालय की एक शिक्षिका गांव की महिलाओं और स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों को धर्म विशेष के बारे में गुमराह कर रही है। थानाधिकारी ने बताया कि ग्रामीणों को आश्वस्त किया गया है कि उनकी शिकायत की गंभीरता से जांच की जाएगी। पुलिस अधिकारियों ने प्रदर्शन कर रहे लोगों से कानून हाथ में नहीं लेने और विधिसम्मत प्रक्रिया अपनाने की अपील की। इसके बाद शुक्रवार रात करीब ग्रामीणों के एक प्रतिनिधिमंडल ने पिलानी थाने पहुंचकर शिक्षिका के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कराई, जिस पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

गांव के पूर्व उप सरपंच मदन चनेजा और पंच प्रतिनिधि पवन गुर्जर ने कहा कि गांव में लंबे समय से भाईचारा और सामाजिक सौहार्द बना हुआ है। उन्होंने बताया कि पिछले कुछ दिनों से ग्रामीण इन गतिविधियों को लेकर चिंतित थे, जिसके चलते सामूहिक रूप से अपनी बात प्रशासन तक पहुंचाने का निर्णय लिया गया। ग्रामीण विक्रम शर्मा ने कहा कि प्रशासन को मामले की तह तक जाकर निष्पक्ष जांच करनी चाहिए, ताकि भविष्य में ऐसी स्थितियों से बचा जा सके और सामाजिक सद्भाव बना रहे। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच के बाद ही वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।

- ग्रामीणों ने मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया
- ग्रामीणों का आरोप है कि शिक्षिका पिछले कुछ समय से गांव में घर-घर जाकर महिलाओं व अन्य ग्रामीणों से संपर्क कर रही है

फायरिंग मामले प्रकरण दर्ज

लालसोट, (निसं)। शहर में शुक्रवार दोपहर हुए सनसनीखेज गोलीकांड के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच तेज कर दी है। मृतक धर्मेंद्र उर्फ योगेंद्र मीणा के भाई लेखराज मीणा की रिपोर्ट पर लालसोट थाने में चेतराम गुर्जर उर्फ राहुल खटाना, जसराम गुर्जर और देशराज गुर्जर सहित अन्य आरोपियों के खिलाफ नामजद मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस के अनुसार घटना तालोड़ा जमात स्थित एक ढाबे के बाहर हुई, जहां धर्मेंद्र अपने साथियों के साथ खाना खा रहा था। इसी दौरान आरोपी वहां पहुंचे और पहले विवाद करते हुए गाली-गलौज की। बाद में जैसे ही धर्मेंद्र बाहर निकला, आरोपियों ने उस पर गोली चला दी। गोली उसके सीने में लगी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल अवस्था में उसे तत्काल लालसोट अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद जयपुर रेफर किया गया, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने कुछ संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है और मुख्य आरोपियों की तलाश में दबिश दी जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा और मामले का खुलासा किया जाएगा।

हनुमानगढ़ में युवक का अपहरण कर हत्या की साजिश नाकाम

हनुमानगढ़, (निसं)। पल्लू थाना क्षेत्र में एक युवक के अपहरण और हत्या की साजिश को पुलिस ने नाकाम कर दिया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अपहृत युवक को सकुशल बरामद कर लिया और इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

पुलिस अधीक्षक नरेंद्र सिंह मीना ने बताया कि नौ अप्रैल की रात पल्लू निवासी कानाराम के पुत्र अनिल कुमार के अपहरण की सूचना मिली थी। अज्ञात व्यक्तियों ने अनिल का उसकी वर्कशॉप से जबरन अपहरण कर लिया था। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी सुरेश मील के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया और पूरे क्षेत्र में नाकाबंदी की गई। पुलिस टीम ने तकनीकी और मानवीय सूचनाओं का उपयोग करते हुए तेजी से कार्रवाई की। इस दौरान आरोपी अमित कुमार (24) निवासी रोही रणजीतपुरा, हनुमानगढ़ टाउन और रमेश उर्फ रामा (29) निवासी पूरबसर, पल्लू को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उनके कब्जे से अपहृत अनिल कुमार को सकुशल छुड़ाकर उसके परिजनों को सौंप दिया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी युवक को एक वाहन में डालकर रोही ढाणी माहेला और ढाणी लेघान ले गए थे। वहां अपहृत युवक के साथ मारपीट की गई और उसे जान से मारने की धमकी भी दी गई। बताया जा रहा है कि आरोपियों ने किसी पुराने विवाद के चलते इस वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस ने इस मामले में विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना में शामिल अन्य आरोपी राकेश, प्रदीप और रविंद्र सहित अन्य संदिग्धों की तलाश जारी है। पुलिस अब फरार अन्य आरोपियों को पकड़ने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। इसके साथ ही, मामले के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

- पल्लू पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया, अपहृत युवक सकुशल बरामद
- बताया जा रहा है कि आरोपियों ने किसी पुराने विवाद के चलते वारदात को अंजाम दिया था

अजमेर में यूनानी थेरेपी के नाम पर ठगी करने वाला गिरोह पकड़ा

अजमेर, (निसं)। अजमेर पुलिस ने यूनानी थेरेपी के नाम पर ठगी करने वाले एक संगठित गिरोह का पर्दाफाश करते हुए फर्जी डॉक्टर सहित तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों ने एक 62 वर्षीय वृद्ध को बीमारी के बहाने झांसे में लेकर लाखों रुपये की ठगी की थी।

जिला पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाला ने बताया कि कोतवाली थाना क्षेत्र निवासी हरिराम किशनचंद मूलचंदानी ने पुलिस को दी रिपोर्ट में बताया कि 26 मार्च को एक अज्ञात व्यक्ति ने उन्हें रोककर बीमारी का झांसा दिया। इसके बाद उसे एक कथित डॉक्टर से संपर्क करवाया गया, जिसने इलाज के नाम पर पैसे ऐंठने शुरू कर दिए। अगले दिन आरोपी उनके घर पहुंचे और कई बार नकली उपचार करते हुए कुल 4.39 लाख रुपये ठग लिए। एसपी अग्रवाला ने बताया कि इस मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने विशेष टीम गठित की। जहां पुलिस टीम ने अजमेर शहर और निजी भवनों में लगे 250 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई, जिसके आधार पर आरोपितों की पहचान की गई। जांच के दौरान पुलिस ने लोकेशन ट्रेस कर आरोपितों को भोपाल (मध्य प्रदेश) से गिरफ्तार किया। पकड़े गए आरोपितों में फर्जी डॉक्टर समीर जरीवाला, मोहम्मद कादिर और उसके साथी शामिल हैं। पुलिस टीम ने इन आरोपितों के कब्जे से ठगी की रकम में से 33,800 रुपये और इलाज में इस्तेमाल किए जाने वाले उपकरण व दवाइयां सहित 12 मोबाइल फोन और 9 सिम कार्ड और वारदात के दौरान काम में ली गई एक स्विफ्ट कार भी बरामद की है। आरोपी भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में वाहनों पर रेडियम टेप लगाकर घूमते थे और वहां अकेले या बीमार दिखने वाले लोगों को निशाना बनाते थे। इसके बाद उन्हें इलाज का झांसा देकर ठगी को अंजाम देते थे।

- अजमेर पुलिस ने फर्जी डॉक्टर सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया
- आरोपियों ने वृद्ध को बीमारी के बहाने झांसे में लेकर लाखों की ठगी की थी

झुंझुनूं : अवैध खनन, अतिक्रमण और सहायक नालों पर कब्जे की भेंट चढ़ी 'काटली नदी'

''काटली नदी बचाओ'' जन अभियान शुरू, 80 लाख आबादी को मिल सकता है लाभ

झुंझुनूं/सीकर/चूरू, (निसं)। कभी शेखावाटी अंचल की जीवन रेखा कही जाने वाली काटली नदी आज अस्तित्व के संकट से जूझ रही है। हालात इतने गंभीर हैं कि नई पीढ़ी इस नदी को केवल बुजुर्गों की कहानियों में ही सुन पा रही है। अवैध खनन, अतिक्रमण, जल स्त्रोतों के मार्ग में बदलाव, सहायक नालों पर कब्जे, एनीकट व बांध निर्माण, अत्यधिक जल दोहन और घटती हरियाली ने मिलकर इस नदी को लुप्तप्राय: बना दिया है।

झुंझुनूं की सरस्वती रूरल एंड अर्बन डेवलपमेंट सोसायटी ने इस संकट को लेकर काटली नदी बचाओ जन अभियान शुरू किया है। अभियान संयोजक सुभाष कश्यप के नेतृत्व में जनजागृति के साथ-साथ विस्तृत पुनर्जीवन योजना तैयार कर मुख्यमंत्री सहित विभिन्न विभागों को ज्ञापन सौंपे गए हैं। वहीं, अमित कुमार और कैलाश मीणा द्वारा दायर याचिका पर राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के आदेश के बाद नदी संरक्षण की दिशा में कानूनी रास्ता भी साफ हुआ है। राजस्थान सरकार ने काटली नदी की वास्तविक स्थिति जानने के लिए ड्रोन सर्वे कराया है और पुनर्जीवन योजना पर काम शुरू कर दिया है।

काटली नदी की वास्तविक स्थिति जानने के लिए ड्रोन सर्वे कराया है।

- अभियान संयोजक सुभाष कश्यप के नेतृत्व में जनजागृति के साथ-साथ विस्तृत पुनर्जीवन योजना तैयार कर मुख्यमंत्री सहित विभिन्न विभागों को ज्ञापन सौंपे गए

नदी क्षेत्र से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई भी जारी है, लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि केवल यह प्रयास पर्याप्त नहीं होंगे, क्योंकि नदी के पारंपरिक जल स्त्रोत लगभग समाप्त हो चुके हैं। अभियान से जुड़े लोगों ने अब बड़ा प्रस्ताव रखा है। काटली नदी में बने एनीकट व बांध हटाए जाएं या फिर उनमें सिंधु जल लाकर प्रवाहित किया जाए जोधपुरा सुनारी, हीरवाना, मैनपूरा और बगड़ क्षेत्र में कच्चे बांध बनाकर सिंधु जल लाने की योजना भी सुझाई गई है। यदि यह योजना साकार होती है, तो अनुमानित 80 लाख से अधिक आबादी को सीधा लाभ मिलेगा। इससे जैव विविधता लौटेगी, जलवायु संतुलन सुधरेगा, पर्यावरण संरक्षण को बल मिलेगा, स्थानीय रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

अभियान संयोजक सुभाष कश्यप और उनकी टीम जल्द ही प्रधानमंत्री से मिलकर सिंधु जल को काटली नदी में लाने की मांग उठाएंगे और विस्तृत योजना प्रस्तुत करेंगे। अभियान को जन-जन से जोड़ने की अपील करते हुए कश्यप ने कहा कि यह केवल नदी नहीं, बल्कि पूरे शेखावाटी के भविष्य की लड़ाई है। नदी का मुद्दा केवल पर्यावरणीय नहीं, बल्कि सामाजिक, आर्थिक और अस्तित्व का प्रश्न बन चुका है। सरकारी प्रयास, जन आंदोलन और न्यायिक हस्तक्षेप के बावजूद यदि ठोस और दीर्घकालिक समाधान नहीं निकला, तो आने वाली पीढ़ियां काटली का नाम ही सुनेंगी।

झुंझुनूं में अवैध हथियार सहित एक आरोपी को गिरफ्तार किया

बुहाना/झुंझुनूं (निसं)। जिले में अवैध हथियारों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस थाना बुहाना ने एक आरोपी को अवैध 12 बोर सिंगल बैरल बंदूक और कारतूसों के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 6 जिंदा और 7 खाली कारतूस बरामद किए गए हैं।

थाना अधिकारी बिमला बुडानिया के नेतृत्व में गठित टीम ने गश्त के दौरान मुखबिर की सूचना पर यह कार्रवाई की गई। शनिवार को गश्त के दौरान पुलिस टीम को सूचना मिली कि एक व्यक्ति कुहाड़वास की पहाड़ियों की ओर बंदूक लेकर जा रहा है। सूचना पर टीम तुरंत मौके पर पहुंची। वहां एक व्यक्ति कंधे पर हथियार लटकाए दिखाई दिया, जो पुलिस को देखकर भागने लगा। पुलिस ने पीछा कर उसे पकड़ लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम करण सिंह पुत्र बनवारी लाल, निवासी कुहाड़वास बताया। तलाशी लेने पर उसके पास से 12 बोर की सिंगल बैरल बंदूक, 6 जिंदा कारतूस और 7 खाली कारतूस बरामद हुए। लाइसेंस पूछने पर वह कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर पाया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर हथियार व कारतूस जब्त कर लिए हैं। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है तथा मामले में आगे की जांच जारी है। पुलिस के अनुसार आरोपी के खिलाफ पूर्व में भी थाना बुहाना में मामला दर्ज है।

रामसागर झील को बनाएंगे पर्यटन का केन्द्र, 21 फीट ऊंची भगवान श्रीराम की प्रतिमा भी लगेगी : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने हिण्डोली में 70 करोड़ रुपए के 24 विकास कार्यों का शिलान्यास-लोकार्पण किया

-कार्यालय संवाददाता-

बूंदी/जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रामसागर झील के द्वितीय चरण के पर्यटन एवं विकास कार्य तथा महात्मा ज्योतिबा फुले एवं सावित्री बाई फुले की जीवनी पर आधारित पेनोरमा और पुस्तकालय बनाने की घोषणा की। उन्होंने रामसागर झील पर सीपेज की समस्या के समाधान के लिए भी आश्वस्त किया। उन्होंने कहा कि रामसागर झील के किनारे भगवान श्रीराम की 21 फीट ऊंची प्रतिमा बनने पर यह आस्था का भी केन्द्र बनेगा। शर्मा शनिवार को महात्मा ज्योतिबा फुले जयंती के अवसर पर बूंदी के हिण्डोली में विकास कार्यों के शिलान्यास एवं लोकार्पण समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। समारोह में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने हिण्डोली में 70 करोड़ रुपये की लागत के24 विकास कार्यों का शिलान्यास एवं लोकार्पण किया। इस दौरान जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी मंत्री कन्हैयालाल चौधरी, ऊर्जा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हीरालाल नागर, सांसद दामोदर अग्रवाल, विधायक गोपीचंद मीना मौजूद थे।

इससे पहले मुख्यमंत्री ने हिण्डोली में रामसागर झील के सौन्दर्यीकरण कार्यों का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने घाट पूजन कर प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की तथा पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। साथ ही, उन्होंने वीर तेजाजी मंदिर में दर्शन भी किए। इसके पश्चात अमरत्या चौराहे स्थित महात्मा ज्योतिबा फुले की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान विभिन्न स्थानों पर जनप्रतिनिधिगण एवं आमजन ने मुख्यमंत्री का भव्य स्वागत किया तथा बजट घोषणाओं में दुगारी बांध के जीर्णोद्धार सहित अन्य सौगातों के लिए आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का संकल्प है कि हर गांव और घर तक विकास पहुंचे। सरकार ने बूंदी जिले के विकास के लिए पिछले तीन बजट में महत्वपूर्ण घोषणाएं की हैं। चम्बल कमांड क्षेत्र की दक्षता सुधार के लिए 353 करोड़ रुपये की लागत से 167 किलोमीटर में पक्की लाइनिंग एवं 11 हजार 746 हैक्टेयर कमांड क्षेत्र में खेत सुधार कार्य किया जा रहा है। इसी प्रकार 184 करोड़ रुपये की लागत से बूंदी-सीलोर-नमाना-गरडा-भोपटपुरा (एसएच-29बी) 44 किमी सड़क का कार्य प्रगति पर है। वहीं, एनएच-148डी से एसएच-34 तक 80 करोड़ रुपये की लागत से 33 किमी सड़क निर्माण कार्य हेतु निविदा खोली गई है। लाखेरी योजना में 35 करोड़ रुपये की लागत से 195 आवासों का निर्माण कार्य चल रहा है।

राम जल सेतु लिंक परियोजना के प्रथम चरण में लगभग 9500 करोड़ रुपये के कार्य प्रगतिरत हैं। इस परियोजना के अंतर्गत लगभग 13000 करोड़ रुपये के कार्यों की डीपीआर तैयार की जा चुकी है। इंद्रगढ़ के मुख्य नहर से सम्बंधित कार्य 75 करोड़ रुपये की लागत से करवाए जाने के कार्यादेश जारी किए जा चुके हैं।साथ ही, रामसागर झील का पर्यटन एवं विकास कार्य प्रगति पर है।

शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार ने वर्ष 2026-27 के बजट में भी बूंदी के लिए कई घोषणाएं की हैं। बूंदी जिले में 70 करोड़ रुपये की लागत से विभिन्न मिसिंग लिंक सड़कों के कार्य एवं 23 करोड़ रुपये की लागत से बूंदी शहर की आवासीय कॉलोनियों में मूलभूत सुविधाओं के कार्य करवाए जाएंगे। बूंदी के नवीन व्यावसायिक एवं आवासीय कॉलोनियों में 30 करोड़ रुपये की लागत से आंतरिक कार्य तथा 60 करोड़ रुपये की लागत से विभिन्न स्थानों पर एनीकट निर्माण, जीर्णोद्धार, मरम्मत व क्षमता वृद्धि के कार्य भी होंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अगले एक वर्ष तक महात्मा ज्योतिबा फुले की द्विशताब्दी जयंती मनाने की पहल की है। उन्होंने कहा कि बांदीकुई की धरती से प्रदेश के प्रत्येक ब्लॉक में एक उच्च माध्यमिक विद्यालय में 'सावित्री बाई फुले ई-लाइब्रेरी' की स्थापना एवं समस्त जिलों में 'महात्मा ज्योतिबा फुले आदर्श विद्यालय' स्थापित करने की घोषणा की गई है। साथ ही, उन्होंने प्रदेशवासियों से महात्मा ज्योतिबा फुले एवं सावित्री बाई फुले के सामाजिक सुधार के कार्यों से प्रेरणा लेकर देश-प्रदेश के उत्थान में सक्रिय सहभागिता निभाने की अपील की है।

- महात्मा ज्योतिबा फुले एवं सावित्री बाई फुले का पेनोरमा और पुस्तकालय बनाने की घोषणा
- राज्य सरकार का संकल्प है कि हर गांव और घर तक पहुंचे विकास : भजनलाल शर्मा

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को कोटा के हिण्डोली में 70 करोड़ के विकास कार्यों का शिलान्यास-लोकार्पण किया। इस मौके पर स्थानीय पदाधिकारियों और आम जनता ने मुख्यमंत्री का गर्मजोशी से स्वागत किया।

सुबोध अग्रवाल को सास के अंतिम संस्कार में शामिल होने की अनुमति नहीं मिली

अदालत ने कहा कि जल जीवन मिशन में हुए करीब 960 करोड रुपए के घोटाले से जुडे मामले में आरोपी 13 अप्रैल तक पुलिस अभिरक्षा में है।

जयपुर (कासं)। शहर की निचली अदालत ने जल जीवन मिशन में हुए करीब 960 करोड रुपए के घोटाले से जुडे मामले में आरोपी पूर्व आईएएस और तत्कालीन जलदाय सचिव सुबोध अग्रवाल को सास के अंतिम संस्कार में शामिल की अनुमति देने से इनकार कर दिया है। अदालत ने कहा कि आरोपी 13 अप्रैल तक पुलिस अभिरक्षा में है।

शनिवार को अदालतों में अवकाश होने के चलते सुबोध अग्रवाल की ओर से ड्यूटी मजिस्ट्रेट के समक्ष प्रार्थना पत्र पेश किया गया। प्रार्थना पत्र में अधिवक्ता एसएस होरा ने कहा कि उसकी सास का बीती रात शिमला में निधन हो गया है।

जिसके 13 दिन तक संस्कार होने हैं। वह सास के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए जाना चाहता है। ऐसे में उसे अंतिम संस्कार में शामिल होने की अनुमति दी जाए। जिसे अदालत ने खारिज कर दिया। गौरतलब है कि जल जीवन मिशन घोटाले से जुडे मामले में एसीबी कोर्ट की ओर से गत दिनों सुबोध अग्रवाल को भगौडा घोषित किया था।

इसके बाद वह दिल्ली में एसीबी की गिरफ्त में आया। बीते शुक्रवार को एसीबी ने आरोपी को विशेष अदालत में पेश कर पूछताछ के लिए रिमांड मांगा था। इस पर अदालत ने उसे 13 अप्रैल तक पुलिस रिमांड पर एसीबी को सौंप दिया था।

महात्मा ज्योतिबा फुले का संपूर्ण जीवन प्रेरणादायक : बागड़े

महात्मा फुले के जयंती समारोह में राज्यपाल का संबोधन

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने शनिवार को महात्मा ज्योतिबा फुले जयंती समारोह में युवाओं को उनके आदर्शों को अपनाने का आव्हान किया। कार्यक्रम में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत और निवर्तमान जयपुर महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर भी मौजूद थे।

जयपुर (कासं)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने शनिवार को महात्मा ज्योतिबा फुले जयंती समारोह में उन्हें पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धा-सुमन अर्पित किए। महात्मा ज्योतिबा फुले सर्किल पर उनकी प्रतिमा को नमन करते उन्होंने कहा कि वंचितों के कल्याण के लिए समर्पित उनका संपूर्ण जीवन प्रेरणा देने वाला है। बागडे ने कहा कि महान समाज सुधारक, महिला शिक्षा के अग्रदूत और सत्यशोधक समाज के संस्थापक ज्योतिबा फुले व्यक्ति नहीं महामानव थे। उनका जीवन हमें सामाजिक समरसता और ज्ञान के लिए समर्पित रहकर दूसरों के कल्याण के लिए कार्य करने के आदर्श से जोडने वाला है।

राज्यपाल ने ज्योतिबा फुले के जीवन प्रसंगों को साझा करते हुए कहा कि उन्होंने रूढ़िवादी परंपराओं का विरोध किया और शिक्षा के माध्यम से समाज में जागृति लाने का कार्य किया। ज्योतिबा फुले ने अपना पूरा जीवन वंचित, शोषित, पीड़ित पिछड़े वर्ग के उत्थान के लिए समर्पित किया। उन्होंने महाराष्ट्र में महात्मा ज्योतिबा फुले स्मारक की चर्चा करते हुए कहा कि वह युग प्रवर्तक थे। उन्हें हमारी सच्ची श्रद्धांजलि यही है कि उनके बताए आदर्श मार्ग पर चलते हुए हम जीवन की उज्ज्वल राहों की ओर अग्रसर हों।

कार्यक्रम में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत और निवर्तमान जयपुर महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर भी मौजूद थे।

राजस्थान वित्त निगम को संपत्ति विक्रय के लिये सशर्त एन.ओ.सी. की मंजूरी

रीको प्रशासन ने प्रदेश में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को बढ़ावा देने के लिए लिया महत्वपूर्ण निर्णय लिया

जयपुर। प्रदेश में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को मजबूत बनाने के लिए रीको प्रशासन महत्वपूर्ण निर्णय ले रहा है। इसी क्रम में, राजस्थान वित्त निगम को रीको द्वारा आवंटित संपत्तियों के विक्रय के लिए अनापत्ति प्रमाण-पत्र (एनओसी) जारी करने के संबंध में सशर्त मंजूरी प्रदान की है।

उल्लेखनीय है कि रीको द्वारा राजस्थान वित्त निगम को समय-समय पर बांसवाडा, कोटा, अलवर, झुंझुनूं, आबूरोड, बालोतरा, जालौर एवं भिवाड़ी के विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में रियायती अथवा प्रचलित दरों पर कार्यालय भवन अथवा आवासीय क्वार्टर के लिए भूखंड आवंटित किए गए थे। इन भूखंडों के विक्रय हेतु राजस्थान वित्त निगम द्वारा एनओसी की मांग की गई थी, जिसे रीको ने नियमानुसार स्वीकृति प्रदान की है। तत्कालीन प्रचलित दरों पर आवंटित भूखंडों के लिए रीको द्वारा एनओसी जारी कर दी गई है। वहीं, रियायती दरों पर आवंटित भूखंडों के मामलों में एनओसी इस शर्त पर जारी की गयी है कि राजस्थान वित्त निगम आवंटन के समय दी गई रियायत की राशि ब्याज सहित जमा कराएगा। इसके अतिरिक्त, रीको ने यह भी स्पष्ट किया है कि संबंधित भूमि अथवा संपत्ति का उपयोग उसी उद्देश्य के लिए किया जाएगा, जिसके लिए उसका मूल रूप से आवंटन किया गया था। रीको के इस कदम से लंबे समय से अनुपयोगी प्रीमियम भूखण्डों का उपयोग राज्य में औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ाने हेतु किया जा सकेगा। इन संपत्तियों के विक्रय पश्चात् इनमें कमर्शियल ऑफिस व रियल एस्टेट प्रोजेक्ट्स का निर्माण हो सकेगा।

मुख्यमंत्री ने फुले को श्रद्धांजलि अर्पित की

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को महान समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबा फूले की जयंती पर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। शर्मा ने बाईस गोदाम स्थित महात्मा ज्योतिबा फूले की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर नमन किया। इस अवसर पर शर्मा ने प्रदेशवासियों से महात्मा ज्योतिबा फूले के समाज सुधारक कार्यों एवं उनके आदर्शों को अपनाकर शिक्षा और समानता के क्षेत्र में सहभागिता निभाने का आव्हान किया। इस दौरान विधायक जसवंत यादव, गोपाल शर्मा, देवेन्द्र जोशी सहित बडी संख्या में प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

भाजपा ने नीतिश कुमार को सांसद बनाकर धोखा किया : अखिलेश

जयपुर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने शनिवार को जयपुर दौरे के दौरान भाजपा और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर तीखा हमला बोला। वे जयपुर स्थित रामबाग पैलेस में आयोजित विजन इंडिया: हॉर्मोनियस हेरिटेज समिट में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होने आए थे।

- जयपुर दौरे पर आए यादव ने भाजपा और यूपी के मुख्यमंत्री पर तंज कसे

मीडिया से बातचीत में अखिलेश यादव ने नीतीश कुमार को लेकर कहा कि वे उन्हें प्रधानमंत्री के रूप में देखना चाहते थे लेकिन भाजपा ने उन्हें राज्यसभा सदस्य बनाकर उनके साथ 'धोखा' किया है। यह एक राजनीतिक षड्यंत्र है। उन्होंने कहा कि आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में पीडीए (पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक) भाजपा का शुद्धिकरण करेगा।

अखिलेश यादव ने व्यंग्यात्मक अंदाज में योगी आदित्यनाथ का नाम लिए बिना उनकी कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए कहा कि जो दूसरों से प्रमाण पत्र मांगते हैं, उनके पास खुद का प्रमाण पत्र नहीं है। शंकराचार्य को मिली धमकियों के सवाल पर अखिलेश यादव ने कहा कि उनके विचार महत्वपूर्ण हैं और वे नकली संतों के खिलाफ खड़े हैं। उन्होंने योग, खेल और विदेश यात्रा से जुड़े उदाहरण देते हुए मुख्यमंत्री पर तंज कसा।

अखिलेश यादव ने धुरंधर फिल्म और वेब सीरीज को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में कहा कि जैसे फिल्मों में लिखा जाता है कि सभी पात्र काल्पनिक हैं। उसी तरह भाजपा भी कहानी गढ़ने का काम करती है। उन्होंने आरोप लगाया कि फिल्मों और कंटेंट के जरिए समाज में भ्रम फैलाने की कोशिश की जा रही है, जो अगले कुछ वक्त में और ज्यादा होगा।

विजन इंडिया समिट को संबोधित करते हुए अखिलेश यादव ने भारत की सांस्कृतिक विरासत और सामाजिक समरसता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जयपुर की पहचान पिंक सिटी के रूप में केवल नाम तक सीमित नहीं है, बल्कि यह शहर सांस्कृतिक विविधता और समरसता का प्रतीक है।

मेरे लिए जनता के प्यार से बड़ा कोई पद नहीं : वसुंधरा राजे

जयपुर (कासं)। पूर्व मुख्यमंत्री वसुन्धरा राजे ने स्पष्ट किया है कि झालावाड़ जिले के कामखेड़ा बालाजी प्रांगण में सांसद दुष्यंत सिंह की पदयात्रा के अवसर पर उनका वहाँ के लोगों से जो संवाद हुआ, उसे ग़लत संदर्भ से जोड़कर ग़लत प्रचारित किया जा रहा है, जो एक षड्यंत्र के अलावा कुछ भी नहीं है। राजे ने कहा कि मैंने कभी पद की बात नहीं की। मैं पहले भी कई बार कह चुकी हूँ कि मेरे लिए जनता के प्यार से बड़ा कोई पद नहीं है, जो प्रदेश में मुझे सर्वाधिक मिल रहा है। उन्होंने कहा कि उनके विधानसभा क्षेत्र से होकर एक फ़ोरलेन सड़क बन रही है। जिसके बाइपास का वहाँ के लोग एलाइमेंट बदलवाना चाहते थे। मैं उनको उदाहरण दे कर समझा रही थी कि धौलपुर में मेरे घर के सामने से राष्ट्रीय राजमार्ग निकला तो मुझे भी अपने घर की बाउंड्री पीछे लेनी पड़ी थी, मैं अपने आपके लिए नहीं लड़ सकी। जब मेरा घर ही रोड में चला गया। नियमों के कारण मैं अपना घर ही टूटने से नहीं बचा सकी तो आपका कैसे बचाऊँगी ? राजे ने कहा कि झालावाड़ को उन्होंने कभी राजनीतिक क्षेत्र नहीं माना, अपना परिवार माना है।

राजस्थान यूथ डायलॉग का फिनाले कल

जयपुर। यूनियन बजट 2026 पर आधारित माय भारत बजट क्वेस्ट का आयोजन 1 फरवरी से 22 फरवरी तक ऑनलाइन माध्यम से माय भारत पोर्टल पर हुआ। जिसमें 15 से 29 वर्ष के 12 लाख से अधिक युवाओं ने संपूर्ण देश में भागीदारी की। युवा मामले और खेल मंत्रालय भारत सरकार के तत्वावधान में मेरा युवा भारत माय भारत बजट क्वेस्ट 2026 के जोन 14 राजस्थान राज्य के विजेता प्रतिभागियों के साथ राजस्थान यूथ डायलॉग का दो दिवसीय फिनाले का आयोजन 12 व 13 अप्रैल को किया जाएगा। इस संबंध में यूथ हॉस्टल में आयोजित प्रेस वार्ता में युवा मामले एवं खेल विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव प्रवीण गुप्ता ने जानकारी दी।

राष्ट्रीय सहकार मसाला मेला 17 से 24 अप्रैल तक लगेगा

जवाहर कला केन्द्र में होगा आयोजन, तैयारियां जोरों पर

जयपुर। सहकारिता राज्य मंत्री गौतम कुमार दक ने बताया कि सहकारिता विभाग एवं राजस्थान राज्य सहकारी उपभोक्ता संघ (कॉनफेड) द्वारा जयपुर में 17 से 26 अप्रेल तक 'राष्ट्रीय सहकार मसाला मेला-2026' का आयोजन किया जाएगा। जवाहर कला केन्द्र में राजस्थान सहित देश के विभिन्न राज्यों की सहकारी संस्थाओं द्वारा गुणवत्तापूर्ण मसालों एवं अन्य उत्पादों की प्रदर्शनी एवं बिक्री की जाएगी।

दक ने बताया कि सहकारिता विभाग एवं कॉनफेड द्वारा वर्ष 2003 से निरन्तर प्रतिवर्ष मसाला मेले का आयोजन किया जाता है, जो अब जयपुर की विशिष्ट पहचान बन चुका है। राष्ट्रीय स्तर के इस मेले का जयपुरवासियों को खास इंतजार रहता है और बडी तादाद में लोग इसमें खरीददारी के लिए पहुंचते हैं। मेले में आमजन को शुद्ध मसालों सहित अन्य गुणवत्तापूर्ण उत्पाद एक ही स्थान पर उपलब्ध होते हैं। उन्होंने बताया कि मसाला मेला सहकारी संस्थाओं, महिला समूहों एवं स्वयं सहायता समूहों के उत्पादों के व्यवसाय, बिक्री एवं प्रचार के लिए एक सशक्त मंच प्रदान करता है। राज्य की प्रमुख सहकारी संस्थाएं, जिला उपभोक्ता भण्डार, क्रय-विक्रय सहकारी समितियां, महिला सहकारी समितियां एवं स्वयं सहायता समूह मेले में स्टॉल्स पर अपने उत्पाद प्रदर्शित करते हैं।

सहकारिता मंत्री गौतम कुमार दक

सहकारिता मंत्री ने बताया कि इस बार मेले में 150 स्टॉल्स लगाई जाएगी, जिन पर उच्च गुणवत्ता के मसाले, श्री अन्न उत्पाद, ऑर्गेनिक उत्पाद, जीआई टैग उत्पाद, तेल, अनाज, हस्तनिर्मित एवं घरेलू उत्पाद आदि आमजन को उपलब्ध करवाये जाएंगे। उन्होंने बताया कि केरल की काली मिर्च एवं लौंग, इरोड (तमिलनाडू) की हल्दी एवं दालचीनी, गुंटूर (आंध्र प्रदेश) की लाल मिर्च एवं काजू, कश्मीर की केसर एवं ड्राई फ्रूट्स, पंजाब के चावल एवं रेडी टू ईट प्रोडक्ट, मध्य प्रदेश का सिहोरी गेहूं, मथानिया की लाल मिर्च, रामगंजमंडी एवं बारां का धनिया, नागौर का जीरा एवं कसूरी मैथी, जालोर की ईसबगोल, सिरोही की सौंफ, प्रतापगढ़ की हींग, चित्तौड़गढ़ की अजवाइन, पुष्कर का गुलकन्द, नाथद्वारा की ठण्डाई, भुसावर का अचार, राजसमंद का शर्बत, सोजत की मेहंदी, डूंगरपुर का आम पापड़, झाड़ोल की अरहर दाल, बीकानेर के पापड़ आदि मेले के मुख्य आकर्षण होते हैं।

जोजरी नदी क्षेत्र में पौधारोपण और अपशिष्ट समाधान के लिए एनआईएच जैसी संस्थाओं का विशेषज्ञ सहयोग लेंगे : अरोरा

प्रदूषण नियंत्रण मंडल पर्यावरणीय मानकों की पालना व औद्योगिक विकास में सहभागी : चेयरपर्सन

जयपुर। राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल की चेयरपर्सन अपर्णा अरोरा ने कहा है कि राज्य के सतत औद्योगिक विकास और पर्यावरणीय संतुलन बनाये रखने के लिए परस्पर सहयोग और समन्वय से कार्य किया जाएगा। उन्होंने जोजरी नदी के आसपास व किनारे किनारे पौधारोपण करवाने के निर्देश दिए, वहीं हाई रेट ट्रांस इवोप्रेशन सिस्टम एचआरटीएस अपशिष्ट के वैज्ञानिक समाधान के लिए नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हाइड्रोलॉजी संस्थान जैसी विशेषज्ञ संस्थानों से समन्वय किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड पर्यावरणीय मानकों की पालना सुनिश्चित कराते हुए प्रदेश के औद्योगिक और आर्थिक विकास में सहभागी की भूमिका निभा रहा है।

राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल की चेयरपर्सन अपर्णा अरोरा शनिवार को राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल के मुख्यालय में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ पाली, बालोतरा और जोधपुर के टेक्सटाइल उद्योगों के जल प्रदूषण के संबंध में चर्चा कर रही थी। उन्होंने राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल के कार्यों पर चर्चा करते हुए पाली, बालोतरा और जोधपुर टेक्सटाइल उद्योगों में पर्यावरणीय नियमों की पालना पर विचार विमर्श किया और राज्य के टेक्सटाइल सेक्टर में पर्यावरणीय नियमों की प्रभावी अनुपालना सुनिश्चित किये जाने हेतु कार्ययोजना बनाने की आवश्यकता भी प्रतिपादित की। नदी किनारे व आसपास के क्षेत्र में पौधारोपण से पर्यावरण संतुलन बनेगा। उन्होंने अधिकारियों को पूर्ण सजगता के साथ कार्य करते हुए पर्यावरणीय नियमों की पालना सुनिश्चित कराने पर जोर दिया।

राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल की चेयरपर्सन अपर्णा अरोरा ने शनिवार को वरिष्ठ अधिकारियों के साथ पाली, बालोतरा और जोधपुर के टैक्सटाइल उद्योगों के जल प्रदूषण के संबंध में चर्चा की।

अरोरा ने कहा कि राज्य में सतत औद्योगिक विकास को बनाए रखने के लिए राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल के स्तर पर सभी सम्बंधित विभागों के साथ परामर्श एवं समन्वय बनाया जाएगा वहीं औद्योगिक संघों से भी समन्वय बनाते हुए प्रदूषण नियत्रंण में उनकी भागीदारी तय की जाएगी। बैठक में राजस्थान प्रदूषण नियंत्रण मंडल के सदस्य सचिव कपिल चंद्रवाल, मुख्य पर्यावरण अभियंता प्रेमालाल, अतिरिक्त पर्यावरण अभियंता भुवनेश माथुर, अमित शर्मा, अधीक्षण वैज्ञानिक अभिषेक शर्मा, क्षेत्रीय अधिकारी जयपुर विवेक गोयल व मंडल मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों एवं क्षेत्रीय अधिकारी पाली, बालोतरा, जोधपुर एवं जयपुर (दक्षिण) ने हिस्सा लिया।

'तृतीय श्रेणी शिक्षकों के समानीकरण में नियमों की अनदेखी'

जयपुर। राधाकृष्णन शिक्षक संघ के जयपुर जिलाध्यक्ष कैलाश सैन ने कहा कि संस्कृत शिक्षा विभाग में तृतीय श्रेणी अध्यापकों के समानीकरण में नियमों की अनदेखी की गई। समानीकरण में जिस पंचायत में अधिशेष कर्मचारी कार्यरत है और उसी पंचायत मे पद रिक्त हों तो, पहले वही समायोजित किया जाता तो उचित रहता है। अगर उस पंचायत मे पद नहीं है तो आसपास की पंचायत अथवा पंचायत समिति, ब्लॉक या फिर उसी जिले मे पद रिक्त होने पर समायोजित किया जाता है। वरिष्ठता के आधार पर कॉउंसलिंग सें समायोजित किया जाता है। इसके बावजूद नियमों को दरकिनार करके जिले में पद रिक्त होने पर दूर-दराज के जिलों मे समायोजित किया गया है और न हीं कॉउंसलिंग प्रक्रिया को अपनाया गया है। विभाग ने सिर्फ मनमर्जी थोपी है। पहले तबादलों मे अपनी मनमर्जी थोपी गई, इसी सत्र सें ग्रीष्म अवकाश मे सें भी 10 दिन की कटौती कर दी गई।

ऑडी कार से एक की मौत और 14 घायल हुए थे

आरोपी को हाईकोर्ट से जमानत मिली

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने पत्रकार कॉलोनी थाना इलाके में ऑडी कार की टक्कर से एक व्यक्ति की मौत और 14 लोगों के घायल होने के मामले में आरोपी दिनेश को जमानत पर रिहा करने के आदेश दिए हैं। जस्टिस प्रवीर भटनागर की एकलपीठ ने यह आदेश आरोपी दिनेश की जमानत याचिका को स्वीकार करते हुए दिए।

जमानत याचिका में अधिवक्ता अंशुमान सक्सैना ने अदालत को बताया कि मामले में उसे झूठा फंसाया गया है। अभियोजन पक्ष प्रथम दृष्टया ही यह साबित नहीं कर सका कि घटना के समय वह कार चला रहा था। इसके अलावा न तो मामले में सीसीटीवी फुटेज पेश की गई और ना ही उसकी शिनाख्त परेड ली गई। ऐसे में केवल सह आरोपी के बयान के आधार पर उसे अपराध में शामिल किया गया है। प्रकरण में आरोप पत्र भी पेश हो चुका है। ऐसे में उसे जमानत दी जाए। जिसका विरोध करते हुए सरकारी वकील ने कहा कि याचिकाकर्ता की कार का मालिक और चालक था।

उसके तेज गति से कार चलाने पर ही एक व्यक्ति की मौत हुई और 14 लोग घायल हुए। वहीं गिरफ्तार हुए कार सवार दो लोगों ने याचिकाकर्ता का ही नाम बताया है। यह कार याचिकाकर्ता को ही बेची गई थी। दुर्घटना के बाद आरोपी दस दिन तक फरार रहा और पुलिस को सूचना नहीं दी। ऐसे में उसे जमानत नहीं दी जाए। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने आरोपी को जमानत पर रिहा करने के आदेश दिए हैं।

संक्षिप्त

आबकारी आयुक्त ने किया निरीक्षण

उदयपुर, (कासं)।आबकारी आयुक्त, राजस्थान नमित मेहता के निर्देशन में शनिवार को आबकारी विभाग, मुख्यालय उदयपुर में विशेष स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। आयुक्त मेहता ने अभियान के अंतर्गत संपूर्ण कार्यालय परिसर की साफ-सफाई व्यवस्था का व्यापक निरीक्षण किया गया तथा व्यवस्थाओं को और अधिक सुदृढ एवं व्यवस्थित बनाए रखने हेतु अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। निरीक्षण के दौरान मेहता ने मुख्यालय परिसर के विभिन्न अनुभागों का विस्तृत अवलोकन करते हुए स्वच्छता मानकों के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष बल दिया। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि कार्यालय परिसरों में नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित की जाए तथा कार्यस्थल को स्वच्छ, सुव्यवस्थित एवं कार्य-उपयुक्त बनाए रखा जाए। अभियान के दौरान यह भी निर्देश दिए गए कि विभिन्न अनुभागों में उपलब्ध नकारा एवं अनुपयोगी सामग्री का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, जिससे कार्यालय परिसर में अनावश्यक वस्तुओं का संचय समाप्त हो तथा कार्यकुशलता में वृद्धि हो सके। इस अवसर पर अतिरिक्त आबकारी आयुक्त (पॉलिसी) प्रदीप सिंह सांगावत, अतिरिक्त आबकारी आयुक्त (प्रशासन) अनिल शर्मा सहित विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं संबंधित कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

पीड़ित परिवारों को दी सांत्वना

उदयपुर, (कासं)। लसाडया क्षेत्र के घाटा और लालपुरा गांवों में हाल ही में हुई दुखद घटनाओं के बाद शनिवार को पूर्व सांसद रघुवीर सिंह मीणा ने पीडित परिवारों से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी। उन्होंने मृतकों के परिजनों के घर पहुंचकर शोक व्यक्त किया और इस कठिन समय में हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया। पूर्व सांसद मीणा ने परिजनों से बातचीत कर घटना की जानकारी ली और प्रशासन से मामले की गंभीरता से जांच कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि लगातार हो रही मौतों ने पूरे क्षेत्र में भय और चिंता का माहौल बना दिया है जिसे दूर करने के लिए स्वास्थ्य विभाग को तुरंत प्रभावी कदम उठाने चाहिए। उन्होंने राज्य सरकार से पीडति परिवारों को आर्थिक सहायता देने, क्षेत्र में बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा विशेषज्ञ चिकित्सकों की तैनाती सुनिश्चित करने की मांग की। साथ ही ग्रामीणों को अंधविश्वास से दूर रहकर सरकारी अस्पतालों में उपचार लेने के लिए जागरूक करने पर भी जोर दिया।इस दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधि व ग्रामीण ने क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाल स्थिति को लेकर नाराजगी जताई और शीघ्र सुधार की मांग की। इस दौरान लसाडया प्रशासक रुपलाल मीणा, अग्गड प्रशासक भैरूलाल मीणा, कडुणी प्रशासक मनोज कुमार मीणा,केसुलाल मीणा आदि मौजूद रहे।

गौ सम्मान आव्हान बैठक आयोजित

राजसमन्द, (निसं)। जूणदा की खेडी और जीतावास में शुक्रवार शाम को चामुंडा माता मंदिर परिसर में बैठक आयोजित की गई। जिसमें गौ सम्मान आव्हान अभियान के अंतर्गत 27 अप्रैल को उपखंड अधिकारी को ज्ञापन देने के बारे में विस्तार से चर्चा की गई और कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी दी गई। बाद में पत्रक एवं पोस्टर का विमोचन किया गया और सभी को शपथ दिलाई गई 27 अप्रैल 2०26 को अधिक से अधिक संख्या में आने का संकल्प लिया। इस दौरान कैलाश गिरी गोस्वामी सुरेश चंद्र विजयवर्गीय, मिठू सिंहपवन कुमार रेगर, राजेंद्र कुमार पालीवाल, ललित कुमार खटीक,अविनाश कुमार साहू सहित कई कार्यकर्ता थे।

फुले के आदर्शों पर चलने का संकल्प

बांसवाड़ा, (निसं)। वीर एकलव्य भील सेवा संस्थान की ओर से कागदी पिकअप वियर पर महान शिक्षाविद व समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती मनाई गई। पदाधिकारियों ने महात्मा ज्योतिबा फुले के महिला व दलितों के उत्थान के लिए किए गए योगदान का स्मरण कर पुष्पांजलि अर्पित की। संस्थान अध्यक्ष कल्याण सिंह निनामा, बापुलाल खराडी, प्रभुलाल वडेरी व अमित मईड़ा, हुकमचंद मईड़ा, भीमराज मईड़ा ,मानसिंह मईड़ा, जीतमल खड़िया, केसर सिंह निनामा, पर्यावरण प्रेमी बंशीलाल डिन्डोर, सुखराम डामोर, विजय निनामा, प्रभुलाल निनामा, राजेश मईड़ा ने फुले के आदर्शों पर चलने का संकल्प जताया। संचालन अमित मईड़ा ने किया जबकि आभार भीमराज मईड़ा ने माना।

चालीस लाख के गहने चुराने के मामले में सांसी गैंग के दो बदमाश गिरफ्तार

■ गिरफ्तार बदमाशों ने देश भर में 50 वारदातें करना कबूला

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर की सुखेर थाना पुलिस ने उदयपुर सहित छह राज्यों में वांछित कडियां सांसी गैंग के दो बदमाशों को गिरफ्तार कर बडी कार्रवाई की है।उदयपुर से पहले ये बदमाश आंध्रप्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, हरियाणा और राजस्थान में 50 से अधिक वारदातें कर चुके थे लेकिन पकडे नहीं गए। पुलिस शनिवार को बदमाशों को लेकर उदयपुर में रिसेप्शन वाली जगह पहुंची। मौका तस्दीद कराई।

एक महीने पहले उदयपुर के सुखेर थाना क्षेत्र में वारदात करना इन्हें भारी पड गया। सुखेर पुलिस ने महाप्रज्ञ विहार में 11 मार्च को शादी समारोह के दौरान 40 लाख रूपए कीमत के सोने-चांदी के जेवर चोरी के मामले में मध्यप्रदेश के कडयि सांसी गैंग के दो बदमाशों को गिरफ्तार कर चोरी हुए जेवरों की सौ प्रतिशत रिकवरी भी की है।

उदयपुर की एसपी ने बताया. 11 मार्च 2026 को महाप्रज्ञ विहार स्थित तेरापंथ भवन मे नरेन्द्र शर्मा के पुत्र शुभम की शादी के बाद रिसेप्शन का कार्यक्रम था। नरेंद्र शर्मा और उनकी पत्नि गेट पर मेहमानों का स्वागत कर रहे थे। नरेंद्र के पास एक काले रंग का बैग था इसमें दुल्हन के पडले,बहु को देने के समस्त आभुषण सोने चांदी के जेवरात थे। इसी दौरान करीब 10.38 बजे मेहमान बनकर आए बदमाशों ने उनके पास रखा ये बैग चुरा कर भाग गए।

उदयपुर एसपी डॉ. अमृता दुहन ने बताया कि कुख्यात अंतरराज्यीय कडयि सांसी चोर गिरोह के बदमाश मध्यप्रदेश के रामगढ जिले के कडयि सांसी निवासी विकास (26) पुत्र सालकराम सांसी और नकुल (24)पुत्र राजकुमार सांसी को गिरफ्तार किया है। दोनों पर दस.दस हजार रूपए का ईनाम घोषित था। बदमाशों के कब्जे से सुखेर थाना क्षेत्र के महाप्रज्ञ विहार में आयोजित शादी समारोह से चुराये हुए करीब 4० लाख रूपये के सोने.चांदी के आभूषण भी बरामद कर लिए गए हैं। बदमाशों ने राजस्थान सहित विभिन्न राज्यों में 5० से अधिक वारदातें करना कबूला है। ऐसे में सभी राज्यों की पुलिस को इनकी गिरफ्तारी की सूचना दी जाएगी।

एसपी डॉ. अमृता दुहन ने बताया. घटना के बाद थाना स्तर एक टीम का गठन किया। टीम ने घटनास्थल से मिले सीसीटीवी फुटेज दिखे। संदिग्धों को चिन्हित कर तलाश के दौरान टीम को मध्यप्रदेश के राजगढ स्थित 3 गांवो कडिया,सांसी व गुलखेडी के बारे में जानकारी मिली। यहां रहने वाले बदमाशों इसी तरह वारदात अंजाम देते हैं।पुलिस टीम ने लगातार इन गांवों में रैकी कर मुखबीर तंत्र को डवलप किया। तकनीकी सूचना और ह्युमन इटेलीजेंस के आधार पर आरोपियो की पहचान कर नामजद किया गया। इस बीच उन पर इनाम की घोषणा की गई। टीम ने लगातार कई दिनों तक बदमाशों का पीछा किया। टीम ने गावों में दबिश देते हुए दोनों बदमाशों को गिरफ्तार कर गहने बरामद कर लिए। इस कार्रवाई में डिप्टीएसपी राजेश यादव,सुखेर थानाधिकारी भरत योगी के नेतृत्व में एएअसई नारायण सिंह, हेडकांस्टेबल श्रवण कुमार, कांस्टेबल शम्भूराम, कांस्टेबल अचलाराम की विशेष भूमिका रही है। उदयपुर शहर एडि.एसपी उमेश ओझा ने बताया कि पुलिस को जानकारी मिली कि ये दोनों बदमाश मध्यप्रदेश के कडयि सांसी गैंग के हैं। पुलिस ने बदमाशों को नामजद किया। उदयपुर की सुखेर पुलिस पिछले करीब 2० दिनों से लगातार इनका पीछा कर रही थी। दो दिन पहले मुखबीर की सूचना पर पुलिस ने बदमाशों के गांव के खेतों में रेड की और विकास सांसी और नकुल सांसी दोनों बदमाशों को धरदबोचा।

दोनों बदमाशों ने राजस्थान के सवाई माधोपुर,बूंदी,खाटू श्यामजी, राजसमंद, डीडवाना-कुचामन,टोंक, जालोर, आंध्रप्रदेश के विशाखापट्टनम, तिरूपति बालाजी, महाराष्ट्र के नासिक, मुंबई, मध्यप्रदेश के भोपाल, नरसिंहगढ , गुजरात के पालनपुर, सारधाना और हरियाणा के सोहना से 50 से अधिक वारदातें करना कबूला है। ये किसी शहर में वारदात के बाद तत्काल लंबी दूरी के पब्लिक ट्रांसपोर्ट का उपयोग कर शहर छोड देते थे। थानाधिकारी भरत योगी ने बताया कि इन दोनों बदमाशों ने देशभर में 50 से अधिक वारदातें करना कबूला है। इन दोनों का चोरी, लूट, नकबजनी, राजकार्य में बाधा का बड आपराधिक रिकॉर्ड है। ये इतने शातिर हैं कि ये इनके गांव के घरों में रहने के बजाए खेतों में रहते हैं।इस गांव में बदमाश पुलिस को देख गांव के बच्चों को पुलिस की गाडी या पकडने आ रही पुलिस टीम के सामने फेंक देते हैं ताकि पुलिस का ध्यान भटके और मौका पाकर ये निकल जाएं।

गांव के ज्यादातर युवक देशभर में इस प्रकार की वारदात करने के गिरोह में शामिल होते हैं। ऐसे में गांव में इन्हें पकडना बडी चुनौती थी। विकास और नकुल ने भी दो बार पुलिस टीम के सामने बच्चे खडे किए। इस पर पुलिस टीम ने रणनीति बदली और मुखबीर तंत्र को और मजबूत कर खेतों में रेड कर दोनों बदमाशों को गिरफ्तार किया है।

सार-समाचार

शोभायात्रा निकाली

कपासन, (निसं)। महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती पर फूल माली समाज द्वारा शोभायात्रा निकाली गई। समाज ने इस अवसर पर अपना व्यवसाय भी बंद रखा। यह शोभायात्रा कस्बे के चित्तौड़गढ़ मार्ग स्थित आरा मशीन से गाजे-बाजे के साथ शुरू हुई। इसमें समाज की महिलाएं, पुरुष, युवा और बच्चे सज-धजकर शामिल हुए।शोभायात्रा में सबसे पीछे महात्मा ज्योतिबा फुले की रथ पर सजी झांकी चल रही थी। इसमें राजेश्वर तालाब में पानी की मांग से जुड़े चर्चित प्रकरण के सूरज माली भी सवार थे। डीजे की धुन पर युवक-युवतियां नाचते-गाते चल रहे थे। शोभायात्रा चित्तौड़गढ़ मार्ग से कस्बे में प्रवेश कर छत्रपति शिवाजी चौक, बस स्टैंड, पांच बत्ती चौराहा और पुराना बस स्टैंड पहुंची। यहां कांठोस के पूर्व जिलाध्यक्ष भेरूलाल चौधरी, नगर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष हिमांशु बारेगामा, लक्ष्मीलाल व्यास, भवानी शंकर लोहार शंकर प्रजापत,सहित कार्यकर्ताओं ने पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। सूरज माली का भी इस दौरान स्वागत किया गया।इसके बाद शोभायात्रा खाडी बावड़ी बालाजी, लोड़किया चौक, पीपली बाजार, पुलिस चौकी और नया बाजार कावड़िया मंदिर होते हुए अंत मे राजेश्वर सरोवर पर स्थित गोपाल द्वारा में संपन्न हुई, जहां प्रसादी का आयोजन किया गया। शोभायात्रा का संयोजन माली समाज के नवयुवक मंडल ने किया था। यात्रा का जगह-जगह पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। गर्मी को देखते हुए कई स्थानों पर शीतल पानी और कोल्ड ड्रिंक्स की व्यवस्था भी की गई थी। इस अवसर पर पूर्व विधायक बद्री लाल जाट ने भी स्वागत किया गया

नवगठित कार्यकारिणी का स्वागत

भीम, (निसं)। नारायणी माता क्षैत्र मियाला मंदिर परिसर में सेन समाज की नवगठित कार्यकारिणी का स्वागत अभिनंदन किया गया। कमेटी के प्रधान प्रवक्ता शान्तिलाल पडियार ने बताया कि कमेटी के वर्तमान अध्यक्ष धन्नालाल की अध्यक्षता में मियाला सेन समाज की कमेटी का सर्वसहमति से रजिस्ट्रेशन के लिए कार्यकारणी का गठन किया गया।संरक्षक मांगीलाल, अध्यक्ष भैरुलाल ,उपाध्यक्ष डालचंद, कोषाध्यक्ष, एवं सचिव शान्तिलाल पडियार के साथ कार्यकारणी का विस्तार करते हुए सदस्यों का गठन किया गया है जिसमें ख्यालीलाल मिश्रीलाल,लक्ष्मणलाल योगेश कुमार, नवरत्न सेन रामलाल पवन कुमार,देवीलाल कैलाशचंद्र, महावीर कुमार कैलाशचंद्र सुखलाल ललीत कुमार भैरुलाल आदि उपस्थित सदस्यों ने नवगठित कार्यकारिणी का स्वागत अभिनंदन किया ।

एनडीपीएस प्रकरण में वांछित गिरफ्तार

बांसवाड़ा, (निसं)। कुशलगढ़ थाना पुलिस ने ऑपरेशन त्रिनेस के तहत एनडीपीएस प्रकरण में वांछित को गिरफ्तार किया। थानाधिकारी प्रवीण सिंह ने बताया कि पुलिस महानिरीक्षक उदयपुर रेंज के आदेशानुसार रेंज स्तरीय अवैध मादक पदार्थों की तस्करी पर रोकथाम एवं मादक पदार्थ प्रकरणों में वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी के लिये चलाये जा रहे विशेष अभियान ऑपरेशन त्रिनेस के तहत जिला पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नरपत सिंह भाटी के सुपरविजन एवं कुशलगढ़ पुलिस उप अधीक्षम महीपाल सिंह के निकट पर्यवेक्षण में पुलिस टीम ने यह कार्यवाही की। थानाधिकारी प्रवीण सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मुखबीरी व आसूचना संठाहण कर सदर थाने के प्रकरण में एनडीपीएस एक्ट में वांछित आरोपी दिलीप पुत्र श्यामजी चरपोटा निवासी मेणाखोता माजिया पुलिस थाना अरथूना को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जहां से उसे पुलिस अभिरक्षा में लिया गया।

छप्पन भोग धराया

मंडफिया, (निसं)। भगवान श्री सांवलिया जी सेठ को छप्पन भोग धराया गया। जानकारी के अनुसार मंडफिया सांवलिया जी निवासी प्रकाश तंवर पशुपतिनाथ ट्री स्टॉल (मंदसौर वाले) की ओर से भगवान श्री सांवलिया जी सेठ को विभिन्न प्रकार की मिठाईयां, सूखे मेवों व ताजा फलों का छप्पन भोग धराया गया। छप्पन भोग के साथ भगवान को चांदी व सोने के आभूषण, नवीन पोशाक एवं नोटों की माला भी भेंट की गई। इससे पहले भक्त प्रकाश तंवर के निज आवास से बैंड बाजे के साथ छप्पन भोग जुलूस प्रारंभ हुआ जो कस्बे के प्रमुख मार्गो से होते हुए मंदिर पहुंचा।

डॉ. एस.बी. नागर को लाइफ टाईम अचीवमेंट अवार्ड से नवाजा

■ डॉ. नागर द्वारा सात पुस्तकें व तीस से अधिक रिसर्च पेपर प्रकाशित किये तथा राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस में पचास से अधिक पेपर प्रस्तुत किये

उदयपुर, (निसं)। नागर राजस्थान विद्यापीठ के संघटक माणिक्य लाल वर्मा श्रमजीवी सांयकालीन महाविद्यालय एवं फेकल्टी ऑफ रिहेबिलिटेशन साईसेज के डीन डॉ. सत्यभूषण नागर को फिजियोथेरेपी एवं पुनर्वास के क्षेत्र मे किये गए श्रेष्ठ अकादमिक कार्यो के लिए जयपुर मे आयोजित राजस्थान फिजियोथेरेपी समिट 2026 के समापन समारोह में मुख्य अतिथि उपमुख्यमंत्री प्रेम चंद बैरवा ने लाईफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड से नवाजा गया।

डॉ. नागर द्वारा सात पुस्तकें व तीस से अधिक रिसर्च पेपर प्रकाशित किये गए है तथा राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस में पचास से अधिक पेपर प्रस्तुत किये गए हैं एवं दो अंतर्राष्ट्रीय स्तर के जर्नल भी सम्पादित कर रहे हैं तथा इससे पूर्व भी इनको कई बार राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया जा चुका हैं। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि आईएपी भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. संजीव झा, राजस्थान स्वास्थ विज्ञान विश्वविद्यालय मे फिजियोथेरेपी संकाय के डीन डॉ. ध्रुव तनेजा, तथा जयपुर के प्रसिद्ध सर्जन व चेयरमेन रॉयल ऑर्थोपदिक हॉस्पिटल जयपुर डॉ आशीष मितल, व आई.ए.पी ट्रेजरार डॉ रूचि वार्ष्णेय आदि उपस्थित थे। कांफ्रेंस में देश विदेश के करीबन 1500 फिजियोथेरेपीस्ट ने भाग लिया।

भाजपा नेता धर्म नारायण जोशी का राज्यपाल कटारिया पर आरोप

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर की भाजपा में जब से राज्यपाल कटारिया और पूर्व विधायक धर्म नारायण जोशी गुट के बीच विवाद बढ़ा है तब से नए-नए खुलासे हो रहे है।

भाजपा के वरिष्ठ नेता धर्म नारायण जोशी ने राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया पर पहली बार असम का राज्यपाल बनने पर उदयपुर जिले के चार एसटी भाजपा विधायको के विधायक मद के यात्रा कोष से 20 लाख रुपए का दुरुपयोग कर समर्थको, शुभचिंतकों को गुवाहाटी में शपथ ग्रहण समारोह में बुलाने का आरोप लगाया है।पूर्व विधायक जोशी ने आरोप लगाया कि कटारिया के डर से इन चारों विधायकों ने फिर से विधानसभा क्षेत्र से टिकट प्राप्त करने के लालच में अपने विधायक मद से यह खर्च किया था जिसे जोशी ने विधायक मदद के पैसों का दुरुपयोग होना बताया है।इनमें से सबसे ज्यादा पैसा सलूम्बर के तत्कालीन विधायक अमृतलाल मीणा ने करीब 9 लाख रूपए खर्च किए थे। यह खुले आरोप मावली के पूर्व विधायक धर्मनारायण जोशी ने अपने लिखे एक पत्र में लगाए है। मावली के पूर्व विधायक धर्मनारायण जोशी ने कुछ दिनों पूर्व कटारिया की ओर से की गई पत्रकार वार्ता में जोशी के चुनावीं मैदान से भागने को लेकर की गई टिप्पणी के विरोध में खुल कर आरोप लगाए है। पूर्व विधायक धर्म नारायण जोशी ने पत्र में यहां तक लिखा है कि किस विधायक ने कितना पैसा शपथ ग्रहण की यात्रा में कटारिया के शुभचिंतकों, परिवार जनों पर खर्च किए है।जोशी ने लिखे पत्र में बताया कि फरवरी 2023 में कटारिया ने असम के राज्यपाल पद की शपथ ली। शपथ ग्रहण में कटारिया के परिजनों, शुभचिंतकों, समर्थकों की गौहाटी यात्रा का व्यय चार विधायकों के व्यक्तिगत विधायक मात्रा मद से किया। ये चारों विधायक फूलसिंह मीणा, अमृतलाल मीणा,बाबूलाल खराडी, प्रताप गमेती है जो जनजाति वर्ग से आते है।

ये चारों अपना अगला विधानसभा टिकट न कट जाए इस कारण हवाई पात्रा का व्यय अपने विधानसभा यात्रा मद से देने को तैयार हो गए। इसमें उदयपुर ग्रामीण विधायक फूल सिंह मीणा ने 1 लाख 12 हजार 600 रूपए, सलूम्बर के तत्कालीन विधायक अमृत लाल मीणा ने 9 लाख 68 हजार 402 रुपए, झाडोल विधायक बाबूलाल खराडी ने 5 लाख 68 हजार 846 रूपए और गोगुन्दरा विधायक प्रताप गमेती ने 3 लाख 81 हजार 336 रूपए कुल 20 लाख 31 हजार 184 रूपए खर्च किए।

'असफलता कोई अंत नहीं, बल्कि सफलता की ओर बढ़ने का एक महत्वपूर्ण चरण है'

■ पेसिफिक विवि में डॉ.विवेक बिंद्रा की मोटिवेशन स्पीच, विद्यार्थियों में नई ऊर्जा का संचार

उदयपुर, (कासं)। पेसिफिक विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों के लिए एक अत्यंत प्रेरणादायक एवं ऊर्जा से भरपूर सेशन का आयोजन हुआ। देश के प्रसिद्ध मोटिवेशनल स्पीकर डॉ. विवेक बिंद्रा ने एम्पावर योरसेल्फ विषय पर अपने विचार साझा किए। इस विशेष आयोजन में विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों एवं विभागों के स्नातक एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थियों ने भाग लिया और अपने व्यक्तित्व विकास, नेतृत्व क्षमता तथा करियर निर्माण से जुड़ी महत्वपूर्ण सीख प्राप्त की।

कार्यक्रम के शुभारंभ में विद्यार्थियों ने तालियों की गूंज के साथ डॉ. विवेक बिंद्रा का स्वागत किया। अपनी ओजस्वी और ऊर्जावान शैली में उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति के भीतर असीम संभावनाएं छिपी होती हैं, आवश्यकता केवल उन्हें पहचानने और सही दिशा में विकसित करने की है। उन्होंने यह भी कहा कि आज के प्रतिस्पर्धात्मक युग में वही व्यक्ति सफल होता है, जो अपने लक्ष्य के प्रति स्पष्ट, अनुशासित और निरंतर प्रयासरत रहता है।

डॉ. बिंद्रा ने अपने संबोधन में कई प्रेरक उदाहरणों, वास्तविक जीवन की घटनाओं और व्यावहारिक सुझावों के माध्यम से विद्यार्थियों को यह समझाया कि असफलता कोई अंत नहीं, बल्कि सफलता की ओर बढ़ने का एक महत्वपूर्ण चरण है। उन्होंने कहा कि डर और असफलता से घबराने के बजाय उन्हें सीखने का अवसर समझना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को समय प्रबंधन, आत्मविश्वास, लीडरशिप स्किल्स और कम्युनिकेशन स्किल्स को विकसित करने पर विशेष बल दिया। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने भीतर के लीडर को जगाने और जिम्मेदारियों को समझते हुए समाज के प्रति सकारात्मक योगदान देने का आ ान किया। इस अवसर पर चेयरमैन पेसिफिक ग्रुप राहुल अग्रवाल ने बताया कि इस प्रकार के कार्यक्रम विद्यार्थियों के जीवन में नई दिशा प्रदान करते हैं। विवि का उद्देश्य विद्यार्थियों को सक्षम, आत्मनिर्भर और जिम्मेदार नागरिक बनाना है। ग्रुप डायरेक्टर पेसिफिक ग्रुप प्रीति अग्रवाल ने युवाओं को सकारात्मक मानसिकता के साथ नवाचार अपनाने की अपील करते हुए कहा कि युवा प्रतिभाओं को देश में ही अपनी सेवाएं देनी चाहिए।

दो आरोपी गिरफ्तार, बाइक बरामद

बांसवाड़ा, (निसं)। राजतलाब थाना पुलिस ने शहर में सूने मकानों में ताले तोडकर चोरी करने वाली गैंग का पर्दाफाश करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर बाइक बरामद की।

शहर में सुने मकानों में ताले तोड़कर चोरी करने के मामले में जिला पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी, एएसपी नरपत सिंह भाटी के सुपरविजन व पुलिस उप अधीक्षक गोपीचंद मीणा के निकट पर्यवेक्षण में थानाधिकारी राजतालाब एवं प्रशिक्षु आरपीएस सुहासी जैन के नेतृत्व में टीम गठित की गयी। इस टीम ने त्वरित कार्यवाही करते हुए सूचना संकलित की वहीं मुखबीरों से जानकारी जुटाई एवं संदिग्ध शक्ति सिंह पुत्र जीत सिंह चिकलीगर निवासी सागवाड़ा जिला डूंगरपुर एवं तेजपाल सिंह सरदार पुत्र इन्द्रसिंह निवासी पुराना हॉस्पिटल के पिदे सरदार नगर डूंगरपुर को डिटेन कर पूछताछ की। इन आरोपियों ने उदयपुर निवासी हाल सुभाष नगर बांसवाडा के किराये के मकान में रहने वाले रमेशचन्द्र पाटीदार के घर मे चोरी करना स्वीकार किया तथा थाना क्षेत्र के 7 अन्य सुने मकानों का ताला तोड़कर चोरी करने का प्रयास करना स्वीकार किया। पुलिस ने अभियुक्तों से घटना में प्रयुक्त बाइक बरामद की है।

पुलिस टीम में थानाधिकारी आरपीएस प्रशिक्षु, राजतलाब थाने के सहायक उपनिरीक्षक रतनलाल, कोतवाली थाने के सहायक उपनिरीक्षक विशाल सिंह, रिजर्व पुलिस लाईन के हैड कांस्टेबल गजेन्द्र सिंह, कोतवाली थाने के हैड कांस्टेबल मुकेश व प्रकाश, राजतलाब थाने के कांस्टेबल पवन व दिलीप कुमार शामिल रहे।

कार्यालय उदयपुर विकास प्राधिकरण, उदयपुर (राज.)

क्रमांक: F-7() B.PLAN/MISC/2025-26/ **आम-सूचना** दिनांक: 8.4.2026

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि राज्य सरकार के द्वारा दिनांक 14-10-2024 को विकास प्रोत्साहन एवं नियंत्रण उपविधियां(Development Promotion & Control Regulations) हेतु जारी अधिसूचना एवं इसकी निरन्तरता में समय-समय पर जारी आदेशों/परिपत्रों/अधिसूचनाओं आदि की अनुपालना में निम्नलिखित प्रकरण भू-उपयोग परिवर्तन बाबत् विचाराधीन है :-

क्र. सं.	आवेदक का नाम	राजस्व ग्राम/ योजना	खसरा संख्या /ब्लॉक संख्या	भूखण्ड संख्या	क्षेत्रफल	भूखण्ड/भूमि की स्थिति	भू-उपयोग परिवर्तन
1.	श्रीमती दुर्गा नागदा पत्नी श्री जीवनलाल नागदा	चिकलवास	3889/3869, 3892/3871, 3895/2289, 3897/2292, 3899/2294, 3900/3873, 3902/3875, 3904/3877	02	2073.75 वर्गफीट	बड़गांव से थुर को जाने वाली प्रस्तावित 100 फीट सडक पर अशोक उपवन के सामने स्थित है।	आवासीय उपयोग से वाणिज्यिक प्रयोजनार्थ

उक्त प्रकरण के भू-उपयोग परिवर्तन के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो प्राधिकरण कार्यालय में इस सूचना जारी होने की तिथि से 15 दिवस में किसी भी कार्य दिवस में निम्नहस्ताक्षरकर्ता को प्रस्तुत कर सकते है। इस समयावधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर भू-उपयोग परिवर्तन बाबत अग्रिम कार्यवाही की जायेगी।

सचिव, उदयपुर विकास प्राधिकरण, उदयपुर

कार्यालय ग्राम पंचायत सरे, पंचायत समिति बडगॉव, जिला उदयपुर

क्रमांक: दिनांक:-

खुली बोली-निविदा सूचना

ग्राम पंचायत सरे के अधीनस्थ ग्रामों में घर एवं व्यवसायिक प्रतिष्ठानों से कचरा संग्रहण एवं पृथक्ककरण, गांवों की सड़क एवं नाली सफाई कार्य तथा सामुदायिक स्वच्छता परिसर की सफाई कार्य की सेवाओं हेतु इच्छुक निविदादाताओं/फर्मो से निविदाएँ दिनांक 17.04.2026 दोपहर 12:00 बजे तक आमन्त्रित की जाती है। विस्तृत विवरण/जानकारीhttps://sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

UBN- ZUD2627SSOB00131

प्रशासक ग्राम पंचायत सरे — ग्राम विकास अधिकारी ग्राम पंचायत सरे

कार्यालय पंचायत समिति-भीम जिला राजसमन्द (राज.)

क्रमांक: ग्राप/लेखा/ई-टेन्डर/2026-27/39 दिनांक:- 8.04.2026

ई निविदा सूचना 02-03/2026-27

पंचायत समिति भीम के अधीनस्थ ग्राम पंचायतों में निर्माण कार्यों को करवाने लिए नियम 181 के तहत वाणिज्यिक कर विभाग में राजस्थानGST अधिनियम 2017/GST के अन्तर्गत पंजीकृत प्रतिष्ठानों/संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में निविदाएं आमन्त्रित की जाती है। निविदा का पूर्ण विवरण, शर्ते www.sppp.rajasthan.gov.in and www.https://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी एवं Dowanload कर प्राप्त की जा सकती है। साथ ही कार्यालय के नोटिस बोर्ड से कार्य दिवसों में देखी जा सकती है।

NIB Code- ZRR2627A0012-A0013

UBN Code- ZRR2627WSRC00048-WSRC00071

ग्राम विकास अधिकारी
पंचायत समिति, भीम

विवाहिता की संदिग्धावस्था में मौत,पति गिरफ्तार

उदयपुर, (निसं)। प्रतापनगर थाना इलाके में विवाहित महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मृत्यु के मामले में पुलिस ने आरोपी मृतका के पति हेमेन्द्र गिरफ्तार को गिरफ्तार किया है ।

जिला पुलिस अधीक्षक, उदयपुर डा. अमृता दुहन ने बताया कि 2 अप्रैल को श्रीमती भावना कुंवर पत्नी हेमेन्द्र सिंह राजपुत, निवासी बेडवास थाना प्रतापनगर जिला उदयपुर की ससुराल बेडवास में संदिग्ध परिस्थितियों में मृत्यु हो जाने पर प्रार्थी केसर सिंह 42 साल निवासी गांव मंदेरिया, थाना डबोक जिला उदयपुर की रिपोर्ट पर मर्ग संख्या 13/2026 एवं न्यायालय के प्रकरण संख्या 01/2026 अंतर्गत धारा 196 बीएनएसएस. में अबुला साईकृष्णा, आईएएस, एस.डी.एम., गिर्वा द्वारा जांच कर मृतका भावना कुंवर पत्नी हेमेन्द्र सिंह राजपुत, निवासी बेडवास थाना प्रतापनगर जिला उदयपुर, में मृतका के पिता केशर सिंह राठौड निवासी मन्देरिया तहसील वल्लभनगर, जिला उदयपुर एवं पीहर पक्ष से अन्य गवाहान के बयान लेखबद्ध किये गये।एसपी ने बताया कि उक्त बयानों में मृतका के पिता व अन्य गवाहन द्वारा मृत्यु के संबंध में शक-शुबा जाहिर किया गया। 10 अप्रैल 2026 को मेडिकल बोर्ड ज्युरिस्ट के बयान भी दर्ज किये गये, जिसमे मेडिकल बोर्ड की प्राथमिक राय अनुसार विवाहिता की मृत्यु संदेहस्पद होना बताया गया। एसडीएम गिर्वा द्वारा मूल ही न्यायालय की पत्रावली 10 अप्रैल 2026 को थाना प्रतापनगर पर भिजवाये जाने पर थाना प्रतापनगर पर प्रकरण संख्या 215/26 धारा 80 (2) बी.एन.एस में दर्ज कर अनुसंधान सूर्यवीर सिंह राठौड वृताधिकारी वृत नगर पूर्व द्वारा आरंभ किया गया।

अवकाश कटौती का विरोध-प्रदर्शन

डूंगरपुर, (निसं)। रेसला प्रांतीय कार्यकारिणी के आव्हान पर जिलाध्यक्ष नीरज पाटीदार एवं जिला महामंत्री मोहन डामोर के निर्देशन में शिविरा पंचांग में सत्र 2026-27 के दौरान विद्यालयों में अवकाश कटौती के विरोध में जिले भर के प्राध्यापकों द्वारा रेसला के तत्वावधान में सांकेतिक विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान जिले भर में व्याख्याताओं द्वारा काली पट्टी बांधकर सांकेतिक विरोध किया रेसला सभाध्यक्ष जयप्रकाश पाटीदार ने बताया आगामी दिनों में उपखंड स्तर पर एवं जिला स्तर पर ज्ञापन दिए जाएँगे। रेसला जिला संरक्षक रितेश कुमार पंडया ने बताया कि ग्रीष्मावकाश शिक्षकों के सेवा नियमों के अनुसार है इसमें कटौती अनुचित है क्योंकि गर्मी में विगत वर्षो में अवकाश रहे है साथ ही शिक्षा मनोविज्ञान,वातावरण एवं अध्यापन के लिए अनुकूल रहता है। संस्था प्रधान अधिकृत अवकाश में एक अवकाश की कटौती तर्क संगत नहीं है। साथ ही सरकार पर इन अवकाशों के बदले अनावश्यक उपार्जित अवकाश का आर्थिक भार डालना उचित नहीं होगा।

लेकसिटी में होटलों में ठहरने वाले पर्यटकों की निगरानी होगी सख्त

■ होटलों में ऑनलाइन एंट्री के बिना नहीं मिलेगा कमरा, नाबालिगों के लिए माता-पिता की परमिशन जरूरी

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर शहर में अब होटलों और गेस्ट हाउस में ठहरने वाले पर्यटकों की निगरानी और भी सख्त होने जा रही है। शहर की सुरक्षा और पर्यटकों की हिफाजत को ध्यान में रखते हुए उदयपुर एसपी ने नए निर्देश जारी किए हैं।

जारी किए नए निर्देश के तहत अब जिले के सभी होटल, धर्मशाला, गेस्ट हाउस और होम स्टे संचालकों के लिए ई.विजिटर पोर्टल पर मेहमानों का पूरा रिकॉर्ड ऑनलाइन दर्ज करना अनिवार्य कर दिया गया है।उदयपुर शहर में अब होटलों और गेस्ट हाउस में ठहरने वाले मेहमानों की निगरानी और भी सख्त होने जा रही है। उदयपुर एसपी डॉ अमृता दुहन ने इस संबंध में जिले के सभी थानाधिकारियों को आदेश दे दिए हैं कि वे अपने.अपने क्षेत्रों में इस नियम का सख्ती से पालन करवाएं। उदयपुर में 1500 से ज्यादा होमस्टे, होटल, विला और धर्मशालाएं है।राज्य सरकार के निर्देशों के बाद अब ई.विजिटर पोर्टल को पूरी तरह प्रभावी बना दिया गया है। इसका मतलब है कि अब होटल संचालकों को अपने यहां रुकने वाले हर व्यक्ति का डिजिटल रिकॉर्ड रखना होगा।

इस पोर्टल के माध्यम से जरूरत पडने पर किसी भी संदिग्ध की जानकारी तुरंत हासिल की जा सकेगी, जिससे शहर की कानून व्यवस्था को मजबूत बनाने में मदद मिलेगी। उदयपुर एसपी दुहन ने सभी थानाधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने इलाके के लॉज, सराय और होम स्टे का डेटा इकट्ठा करें और उसे पोर्टल पर दर्ज करवाएं।निर्देश के अनुसार होटल में रुकने वाले हर मेहमान को अब अपनी पूरी जानकारी विस्तार से देनी होगी। इसमें व्यक्ति का नाम,स्थायी पता,आने की तारीख और ठहरने का असली कारण शामिल शामिल होगा।रिकॉर्ड के तौर पर आधार कार्ड,ड्राइविंग लाइसेंस या अन्य वैध पहचान पत्र का वेरिफिकेशन करना जरूरी होगा और उसकी एक कॉपी रिकॉर्ड में सुरक्षित रखनी होगी। कई बार लोग पहचान.पत्र तो दिखाते हैं लेकिन उनका सही रिकॉर्ड पोर्टल पर अपडेट नहीं किया जाता, जिससे सुरक्षा का खतरा बढ जाता है।

उदयपुर एसपी दुहन ने बताया कि नाबालिगों के ठहरने को लेकर इस बार बेहद खास और कडे प्रावधान किए गए हैं। अगर कोई नाबालिग होटल में रुकने आता है तो संचालक को सबसे पहले उसके माता.पिता या अभिभावकों से संपर्क करना होगा। बिना परिजनों की अनुमति के किसी भी नाबालिग को होटल में कमरा नहीं दिया जा सकेगा।किसी भी परिस्थिति में अगर परिजन अनुमति नहीं देते हैं तो होटल संचालक को इसकी जानकारी तुरंत बाल कल्याण समिति को देनी होगी। इस कदम का मकसद बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करना और किसी भी तरह की अनहोनी को रोकना है।

पुलिस ने साफ आदेश दिया है कि अगर होटल या धर्मशाला में कोई भी संदिग्ध व्यक्ति नजर आता है तो उसकी सूचना तुरंत नजदीकी पुलिस थाने को दी जाए। पुलिस प्रशासन किसी भी समय होटलों में जाकर रिकॉर्ड का निरीक्षण कर सकता है।यह होटल संचालकों की जिम्मेदारी होगी कि वे हर गेस्ट का सही सत्यापन करें और उनकी आईडी पोर्टल पर अपलोड करें। नियमों की अनदेखी करने वाले संचालकों को कानूनी कार्रवाई के बारे में चेतावनी दी गई है।

आईपीएल लंबा होता है। बॉलीवुड के जुडने से मनोरंजन पर ज्यादा फोकस होता है। दूसरी ओर पीएसएल छोटा, अधिक रोमांचक और मैदान पर कड़ी प्रतिस्पर्धा वाला होता है। रुसो यही नहीं रुका उसने आगे कहा कि, दोनों लीग के अपने-अपने फायदे और नुकसान है। - **राइली रुसो**

दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज, आईपीएल और पीएसएल की तुलना करते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

भुवनेश्वर कुमार

पावरप्ले में वैभव सूर्यवंशी ने तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार को खास तौर पर परेशान किया। भुवी के दो ओवरों में उन्होंने 26 रन बटोरे। पहले ओवर में उन्होंने भुवी को दो चौके जड़े, जबकि पारी के पांचवें ओवर में 17 रन लूट लिए। पांचवें ही ओवर में उन्होंने सिर्फ 15 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा कर लिया। ये टी-20 गेम है। वह युवा है और बहुत अच्छी बल्लेबाजी कर रहा है। वह काफी परिपक्वता के साथ खेल रहा है लेकिन हमें ऐसा नहीं लगा कि कोई हमें हावी होकर मार रहा है। अगर 15 साल का खिलाड़ी इस तरह खेल सकता है तो ये टी-20 का ही हिस्सा है हम ज्यादा चिंतित नहीं हैं।

क्या आप जानते हैं ?... युवराज सिंह की सबसे तेज़ फिफ्टी (अर्धशतक)12 गेंदों में है, जो उन्होंने 2007 टी-20 वर्ल्ड कप में इंग्लैंड के खिलाफ डरबन में लगाई थी। इस ऐतिहासिक पारी के दौरान उन्होंने स्टुअर्ट ब्रॉड के एक ओवर में 6 छक्के भी जड़े थे।

आईपीएल के आयोजन में आरसीए देगा पूर्ण सहयोग : डॉ. मोहित

आरसीए एडहॉक कमेटी मीटिंग में जिला संघों के समन्वय, घरेलू क्रिकेट सत्र, आरपीएल, निर्माणाधीन अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, आरसीए क्रिकेट ऑपरेशन में सुधार पर चर्चा

जयपुर, 11 अप्रैल। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डॉ मोहित जसवंत यादव की अध्यक्षता में आरसीए एडहॉक कमेटी मीटिंग आज दोपहर 2 बजे आरसीए कार्यालय, आरसीए अकादमी, सवाई मान सिंह स्टेडियम में आयोजित हुई। आरसीए एडहॉक कमेटी मीटिंग में संयोजक डॉ मोहित जसवंत यादव, सदस्य धनञ्जय सिंह खींवसर, आशीष तिवाड़ी, अर्जुन बेनीवाल, अरिष्ट सिंघवी उपस्थित रहे ।

संयोजक के अनुसार मीटिंग में मुख्य रूप से जयपुर में आईपीएल के आयोजन में राज्य सरकार, राजस्थान रॉयल्स को पूर्ण सहयोग आरसीए का घरेलू क्रिकेट सत्र व क्रिकेट ऑपरेशन्स में सुधार, जिला क्रिकेट संघों से समन्वय व लंबित कार्यों को दूर कर जिलों में सुविधाओं के विकास, राजस्थान प्रीमियर लीग (आरपीएल) के आयोजन की रुपरेखा, राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद से समन्यव, राष्ट्रिय क्रिकेट प्रतियोगिताओं में राजस्थानका प्रतिनिधित्व कर शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाडियों हेतु आरसीए अवार्ड समारोह, जयपुर में निर्माणाधीन आरसीए के अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम की समीक्षा सहित विभिन्न मुद्दों पर गहन चर्चा हुई।

संयोजक डॉ मोहित जसवंत यादव ने बताया कि हमारी एडहॉक कमेटी का मुख्य उद्देश्य जल्द से जल्द राज्य के युवा खिलाडियों को एक अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम का निर्माण कर उन्हें एक उच्च स्तरीय खेल सुविधा उपलब्ध कराना है व जिसका उद्घाटन हम राज्य के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा द्वारा करवाना चाहते हैं इसलिए आज सभी सदस्यों ने स्टेडियम के निर्माण के सभी सहयोगियों बीसीसीआई, आरसीए, बैंक व हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड के सहयोग की समीक्षा कर सभी के मध्य सामंजस्य बना स्टेडियम के निर्माण के मार्ग को प्रशस्त किया जाये।

आरसीए राजस्थान में क्रिकेट की सर्वोच्च संस्था होने व राज्य में खेल के प्रति आधिकारिक जिम्मेदारी होने से हमारी एडहॉक कमेटी जयपुर में

आरपीएलके आयोजन में राज्य सरकार, बीसीसीआई व राजस्थान रॉयल्स को पूर्ण सहयोग देगी व साथ ही हम राज्य सरकार के आदेशानुसार आईपीएल के आयोजन, खेल मैदान, वेन्यू व मीडिया प्रबंधन सहयोग सहित हर स्तर पर पूर्ण सहभागिता देंगे।

बीसीसीआई कीराष्ट्रिय क्रिकेट प्रतियोगिताओं में राजस्थानका प्रतिनिधित्व कर शानदार प्रदर्शन करने वाले विभिन्न आयु वर्ग के पुरुष / महिला खिलाडियों को सम्मानित करने हेतु आगामी मई माह में आरसीए अवार्ड समारोह आयोजित किया जायेगा।

सदस्य धनञ्जय सिंह खींवसर के अनुसार आज एडहॉक मीटिंग में राजस्थान के युवा खिलाडियों को आईपीएल जैसा उच्च स्तरीय प्लेटफॉर्म राजस्थान प्रीमियर लीग (आरपीएल) के आयोजन द्वारा देने पर व्यापक चर्चा हुई। उन्होंने बताया की मीटिंग में पिछले आरपीएलजो गंभीर खामियां अनावश्यक रूप से पूर्व कार्यकारिणी द्वारा की गयी थी जिससे न केवल राज्य के युवा खिलाडियों को कई परेशानियों हुई थी साथ ही टीमों की नीलामी व एग्रीमेंट, खिलाडियों व सर्विस एजेंसियों को मैच फ़ीस व अन्य वित्तीय समस्याओं का सामना सहित आवश्यक खेल सुविधाओं से जो गम्भीत त्रुटिपूर्ण समझौता किया गया था उसे दूर कर हम केवल और केवल खिलाडियों को उच्च स्तरीय खेल वातावरण उपलब्ध कर उन्हें अपना शानदार प्रदर्शन दिखाने के लिए एक उच्च स्तरीय प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराएँगे।

सदस्य आशीष तिवाड़ी ने बताया कि मीटिंग में आरसीए के सभी जिला क्रिकेट संघो से समन्वय कर समस्त राज्य में खेल का विकास करेंगे। उन्होंने बताया की जिला क्रिकेट संघ आरसीए की रीढ़ है व उनके बिना राज्य में खेल का विकास करना लगभग असंभव है। हमारी कमेटी जिला क्रिकेट संघो से न केवल समन्वय स्थापित करेगी साथ ही जिला क्रिकेट संघो को प्रतिमाह जिले में खेल सुविधाओं के विकास हेतु 1 लाख रूपये का अनुदान देगी। आगामी दिनांक 15 अप्रैल से 31 मई के दौरान ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जायेगा जिसमे जिले के युवा खिलाडियों के प्रशिक्षण हेतु अधिक से अधिक खेल सुविधाओं को उपलब्ध करने के लिए आरसीए द्वारा 1 लाख रूपये का अनुदान दिया जायेगा

एडहॉक सदस्य अर्जुन बेनीवाल के अनुसार एडहॉक मीटिंग में आरसीए से जुड़े सभी लीगल मामलों क समीक्षा की जा रहे है व जल्द से जल्द सभी विवादित जिला क्रिकेट संघो व आरसीए से सम्बंधित लीगल मामलों की निपटाया जायेगा।

एडहॉक कमेटी सदस्य अरिष्ट सिंघवी के अनुसार आरसीए के घरेलू क्रिकेट सत्र के आयोजन के सम्बन्ध में हमने टीमों के स्पोर्ट स्टाफ, आरसीए पेनल के मैच ऑफिशल्स, खिलाडियों से व्यापक चर्चा की है व हमें क्रिकेट गतिविधियों के आयोजन के दौरान सभी उनके अनुभव व्यापक जानकारी प्राप्त हुई है। हम आगामी क्रिकेट सत्र में खेल गतिविधियों के आयोजन, क्रिकेट ऑपरेशन्स में व्यापक सुधार लाएंगे जिससे खेल व खिलाडियों को आवश्यक खेल सुविधाओं व सर्विस प्राप्त हो।

तीन हार के बाद चेन्नई को नसीब हुई जीत

दिल्ली कैपिटल्स को 23 रनों से हराया

चेन्नई, 11 अप्रेल। चेन्नई सुपर किंग्स ने शनिवार को दिल्ली कैपिटल्स को आईपीएल 2026 के 18वें मुकाबले में 23 रनों से हराया। आईपीएल 2026 में चेन्नई सुपर किंग्स की लगातार तीन हार के बाद पहली जीत है। वहीं दिल्ली कैपिटल्स को लगातार दूसरे मैच में हार का सामना करना पड़ा।

चेन्नई सुपर किंग्स ने सैमसन के शतक की बदौलत 20 ओवर में दो विकेट खोकर 212 रन बनाए, इसके जवाब में दिल्ली कैपिटल्स ने अच्छी शुरुआत के बावजूद लगातार अंतराल पर विकेट गंवाने के कारण 20 ओवर में सभी विकेट खोकर 189 रन ही बना सकी। चेन्नई के लिए ओवर्टन ने तीन विकेट चटकाए। चेन्नई सुपर किंग्स ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ संजू सैमसन के शतक की बदौलत 20 ओवर में दो विकेट खोकर 212 रन बनाए। संजू ने चेन्नई के लिए सर्वाधिक 113 रन बनाए। दिल्ली की ओर से अक्षर पटेल ने एक विकेट लिया। इसके जवाब में दिल्ली कैपिटल्स को केएल राहुल और निसांका ने अच्छी शुरुआत दिलाई। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 30 गेंद में 61 रन की साझेदारी हुई। राहुल 10 गेंद में 18 और निसांका 24 गेंद में 41 रन बनाकर आउट हुए। अक्षर पटेल एक रन ही बना सके। समीर रिजवी ने 6 रन बनाए। डेविड मिलर 14 गेंद में 17 रन बनाकर पवेलियन लौटे। आशुतोष 19 रन बनाकर आउट हुए। ट्रिस्टन स्टब्स ने 38 गेंद में 60 रन बनाए।

पहले बैटिंग करने उतरी चेन्नई सुपर किंग्स की शुरुआत अच्छी रही है। संजू सैमसन और ऋतुराज गायकवाड के बीच पहले विकेट के लिए 62 रन की साझेदारी हुई। कप्तान ऋतुराज गायकवाड ने 18 गेंद में 15 रन बनाए। सैमसन ने 56 गेंदों की नाबाद पारी में 15 चौकों और चार छक्कों की मदद से 115 रन बनाए। उन्हें दूसरे छोर से आयुष महात्रे का अच्छा साथ मिला, जिन्होंने रिटायर आउट होने से पहले 36 गेंदों में तीन चौकों और चार छक्कों की मदद से 59 रन बनाए। सैमसन के आईपीएल करियर का यह चौथा शतक और सुपरकिंग्स के लिए पहला शतक है। कैपिटल्स के लिए एकमात्र सफलता अक्षर पटेल को मिली।

पीएसएल 2026 में बड़ा बवाल, डैरिल मिशेल ने उस्मान तारिक के एक्शन पर उठाए सवाल, खेलने से किया इंकार

नई दिल्ली, 11 अप्रेल। पीएसएल (पाकिस्तान सुपर लीग) के 18वें मैच में क्वेटा ग्लैडिएटर्स का मुकाबला रावलपिंडीज़ से हुआ। ग्लैडिएटर्स ने शानदार जीत दर्ज की, लेकिन डैरिल मिशेल और उस्मान तारिक के बीच की एक घटना सुर्खियों में छा गई। 183 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए, डैरिल मिशेल उस समय वायरल हो गए जब उन्होंने क्वेटा ग्लैडिएटर्स के उस्मान तारिक के विवादास्पद गेंदबाजी एक्शन के कारण उनका सामना करने से इनकार कर दिया। गौरतलब है कि तारिक अक्सर अपने गेंदबाजी एक्शन को लेकर चर्चा में रहते हैं और कई लोग उन पर गेंद को चक करने का आरोप लगाते हैं।

हालाँकि, यह घटना दूसरी पारी के मध्य ओवरों में घटी; डैरिल मिशेल तारिक का सामना करने के लिए तैयार थे। लेकिन जैसे ही पाकिस्तानी गेंदबाज ने अपने ट्रेडमार्क रन-अप की तैयारी की, मिशेल, जो स्पष्ट रूप से निराश थे, कई बार क्रीज से उठकर चले गए। मैच की बात करें तो, क्वेटा ग्लैडिएटर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए शुरुआत की और पहली पारी में 182 रन बनाए। सऊद शकील ने 42 रनों के साथ पारी की शुरुआत की, वहीं रिले रोसौव ने 53 रन और हसन नवाज ने 39 रन बनाकर टीम में अपना योगदान दिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए रावलपिंडीज की टीम लय में नहीं आ पाई और लक्ष्य हासिल करने में नाकाम रही, जिसके चलते उसे हार का सामना करना पड़ा।

पिच क्यूरेटर तापोश चटर्जी को आरसीए एडहॉक कमेटी कन्वीनर डॉ. मोहित ने दी चेतावनी

जयपुर, 11 अप्रैल। आरसीए एडहॉक कमेटी कन्वीनर डॉ मोहित यादव ने पिछले दिनों मीडिया में दिए गए बयानों को लेकर पिच क्यूरेटर तापोश चटर्जी को चेतावनी दी गई है। आरसीए एडहॉक कमेटी कन्वीनर डॉ. मोहित ने बताया कि इस तरह की बयानबाजी आरसीए एडहॉक कमेटी के रहते हुए अब नहीं दी जा सकेगी। आरसीए से जुड़े हुए सभी कर्मचारियों को सूचित किया गया है कि जब तक पीआरओ मनीष शर्मा द्वारा ऑफिशियल न्यूज जारी नहीं की जाती है तब तक कोई भी किसी मीडिया को अपनी तरफ से बयानबाजी नहीं कर सकता है। अगर कोई भी इस तरह की बात करता है तो उसके खिलाफ कार्यवाही की जाएगी। आरसीए एडहॉक कमेटी कन्वीनर डॉ. मोहित ने कहा कि हमने पिच क्यूरेटर तापोश चटर्जी को इस बार चेतावनी दी है कि आइंदा ऐसा नहीं होना चाहिए।

अभिषेक शर्मा ने बल्ले से उड़ाया गर्दा, सनत जयसूर्या की बराबरी पर पहुंचे

मुल्लांपुर, 11 अप्रैल। आईपीएल 2026 में शनिवार को पंजाब किंग्स के खिलाफ मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। मुल्लांपुर के महाराजा यादविंद्र सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित इस मैच में अभिषेक ने 8 छक्के और पांच चौके की मदद से 28 गेंदों में 74 रन की पारी खेली। बाएं हाथ के बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने इस दौरान सिर्फ 18 गेंदों पर फिफ्टी जमा दी। पंजाब किंग्स के खिलाफ लगातार तीसरे मैच में अभिषेक ने 50 प्लस स्कोर बनाया है। अभिषेक को पार्टटाइम स्पिनर शशांक सिंह ने अर्शदीप सिंह के हाथों कैच आउट कराया। पावरप्ले में अभिषेक ने तेज गेंदबाजों अर्शदीप सिंह, जेवियर बार्टलेट और विजयकुमार वैशाक की जमकर खबर ली। पारी के पांचवें ओवर में तो अभिषेक शर्मा ने विजय कुमार को चार छक्के लगाए। अभिषेक ने अपनी इनिंग्स के दौरान 8 में से सात छक्के पावरप्ले में जड़े।

पंजाब किंग्स ने सनराइजर्स हैदराबाद को हराकर लगाई जीत की हैट्रिक, अय्यर-प्रियांश और प्रभसिमरन का चला बल्ला

मुल्लांपुर, 11 अप्रैल। पहला मैच पंजाब किंग्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच खेला गया। मुल्लांपुर में खेले गए इस मुकाबले को पंजाब किंग्स ने सनराइजर्स हैदराबाद को 6 विकेट से हरा दिया। इस दौरान कप्तान श्रेयस अय्यर, प्रियांश आर्या और प्रभसिमरन ने बेहतरीन पारी खेली। सनराइजर्स हैदराबाद ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 219 रन बनाए। अभिषेक शर्मा ने तूफानी बल्लेबाजी करते हुए अर्धशतक जड़ा। बदले में पंजाब किंग्स ने 18.5 ओवर में 4 विकेट पर 223 रन बनाए। श्रेयस अय्यर, प्रभसिमरन सिंह और प्रियांश आर्या ने अर्धशतक जड़े।

हैदराबाद के लिए अभिषेक शर्मा ने 28 गेंद पर 74 रन बनाए। हेनरिक क्लासेन ने 33 गेंद पर 39 रन बनाए। ट्रेविस हेड ने 23 गेंद पर 38 रन बनाए। अनिकेत वर्मा ने 9 गेंद पर 18 रन बनाए। सलिल अरोड़ा ने 9 रन बनाए। नितीश कुमार रेड्डी बिना खाता खोले और हर्ष दुबे 1 रन बनाकर नाबाद रहे। पंजाब किंग्स के लिए शशांक सिंह ने 3 ओवर में 10 रन देकर 2 विकेट लिए। अर्शदीप सिंह ने 50 रन देकर 2 विकेट लिए जेवियर बार्टलेट ने 42 रन देकर 1 विकेट लिए।

पंजाब किंग्स के लिए कप्तान श्रेयस अय्यर ने 33 गेंद पर नाबाद 69 रन बनाए। प्रियांश आर्या ने 20 गेंद पर 57 और प्रभसिमरन ने 25 गेंद पर 51 रन बनाए। शशांक सिंह ने 9 गेंद पर नाबाद 15 रन बनाए। नेहल वढेरा ने 14 और कूपर कोनोली ने 12 गेंद पर 11 रन बनाए। सनराइजर्स हैदराबाद के लिए शिवांग कुमार ने 3 विकेट लिए। हर्ष दुबे ने 1 विकेट लिया। पंजाब किंग्स के 4 मैच में 7 अंक हो गए हैं। वह अंक तालिका में दूसरे नंबर पर है।

आयुष शेट्टी एशियन बैडमिंटन चैम्पियनशिप के फाइनल में

नई दिल्ली, 11 अप्रैल। भारतीय शटलर आयुष शेट्टी ने एशियन बैडमिंटन चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचकर इतिहास रच दिया है। आयुष से पहले दिनेश खन्ना ने 1965 में मेंस सिंगल्स में गोल्ड जीता था। सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने 2023 में डबल्स खिताब जीता था। 20 साल के आयुष ने चीन के झेजियांग में खेले गए सेमीफाइनल में टॉप सीड और डिफेंडिंग चैंपियन थाई प्लेयर कुन्लावत वितिदसर्न को तीन गेम में हराया।

मध्य प्रदेश वेटरन टीम ने राजस्थान वेटरन टीम को 38 रन से हराकर खिताब अपने नाम किया

इंदौर, 11 अप्रैल। मध्य प्रदेश वेटरन क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित मध्य क्षेत्र वेटरन क्रिकेट लीग के फाइनल मुकाबले में मध्य प्रदेश वेटरन टीम ने राजस्थान वेटरन टीम को 38 रन से हराकर खिताब अपने नाम किया। मध्य प्रदेश की ओर से कप्तान सोहेल मसूद ने 87 रन नाबाद की शानदार पारी खेली, जबकि सैयद ज़ामरान जावेद कादरी ने 40 रन नाबाद बनाए। साथ ही कादरी ने गेंदबाज़ी में 18 रन देकर 4 विकेट लेकर शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन किया। संजीव पटेल ने भी 25 रन देकर 4 विकेट हासिल किए। राजस्थान टीम ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण का निर्णय लिया। मध्य प्रदेश टीम ने निर्धारित 20 ओवर में 2 विकेट के नुकसान पर 210 रन बनाए।

टीम की ओर से पंकज धुल्ड (36 रन) और समी खान (31 रन) ने भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। राजस्थान की ओर से प्रमोद यादव और बनवारी लाल जाटोलिया ने 1-1 विकेट प्राप्त किया। जवाबी पारी में राजस्थान की ओर से हनुमत सिंह भाटी ने 58 रन और अभिषेक शर्मा ने 49 रन बनाए। इसके अलावा रियाज़ खान (15 रन) और बनवारी लाल जाटोलिया (13 रन) ही दोहरे अंक तक पहुंच सके।

वैभव सूर्यवंशी की तारीफ में शशि थरूर ने पढ़े कसीदे

नई दिल्ली, 11 अप्रेल। क्रिकेट जगत में हर तरफ वैभव सूर्यवंशी की चर्चा हो रही है। महज 15 साल की उम्र में इस खिलाड़ी ने अपने बल्ले से जो पहचान बनाई उसने कई लोगों को इसका मुरीद बना दिया है। अभी तक तो क्रिकेट जगत ही वैभव सूर्यवंशी की तारीफ कर रहा था लेकिन अब राजनेता और अपनी इंग्लिश के लिए मशहूर शशि थरूर भी उनके मुरीद हो गए हैं। थरूर ने वैभव की तारीफ में अपने एक्स हैंडल पर लंबी पोस्ट शेयर की। उनकी ये पोस्ट आरसीबी के खिलाफ खेली गई वैभव की पारी के बाद आई है। वैभव ने शुक्रवार को आरसीबी के खिलाफ गुवाहाटी में 26 गेंदों पर आठ चौके और सात छक्कों की मदद से 78 रन की पारी खेली। थरूर ने इस पारी के बाद वैभव की तारीफ में कसीदे पढ़े। थरूर ने इस दौरान वैभव की तकनीक से लेकर उनके बल्लेबाजी करने के अंदाज तक काफी कुछ लिखा।

राज्य स्तरीय सीनियर व जूनियर (महिला व पुरुष) आर्टिस्टिक जिम्नास्टिक प्रतियोगिता का शुभारंभ

जयपुर, 11 अप्रैल। चैनपुरा इंडोर स्टेडियम में श्री श्री कानसिंह राठोड़, पूर्व महासचिव भारतीय जिम्नास्टिक्स महासंघ की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय सीनियर व जूनियर (महिला व पुरुष) आर्टिस्टिक जिम्नास्टिक प्रतियोगिता का शुभारम्भ हुआ। प्रतियोगिता के प्रतिवेदन में राज्य सचिव परमेश्वर प्रजापत ने बताया कि प्रदेश के विभिन्न जिलों के 225 बालक व बलिका एवं 40 निर्णायक इस चार दिवसीय प्रतियोगिता में भाग ले रहे है।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रोफ. डॉ. महेंद्र सिंह राठौड़ एवं विशिष्ट अतिथि मनोहर सिंह पूर्व पार्षद, सम्पत सिंह जिला उपाध्यक्ष भाजपा, लक्ष्मन सिंह मंडल अध्यक्ष लाल सागर भाजपा, सुभाष गहलोत मंडल पूर्व अध्यक्ष भाजपा शहर, घनश्याम सोलंकी पूर्व मंडल अध्यक्ष लाल सागर तथा प्रतियोगिता के भामाशाह हरिसिंह गहलोत व राकेश परिहार ने जिम्नास्ट्स को आशीर्वाद दिया व हौसला बढाया।

उद्घाटन के अवसर पर जिम्नास्ट्स ने विभिन्न उपकरणों पर जिम्नास्टिक्स खेल का प्रदर्शन किया अतिथियों का स्वागत सर्वश्री भागीरथ पूनिया, रतन लाल प्रजापत, आनंद सिंह जोधा, भवानी सिंह खंगारोत द्वारा भवानीसिंह व नरेश सिंह की अगुआई में किया गया। प्रतियोगिता के विशिष्ट अथिति, राज्य संघ के उपाध्यक्ष विक्रम सिंह नाचना ने राज्य सरकार की खेलों के प्रोत्साहन की पञ्च गौरव योजना के सम्बन्ध में जिम्नास्ट्स को जानकारी दी। आयोजन सचिव डॉ. शक्तिसिंह रावलोत ने आगन्तुक अत्थियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का सञ्चालन डॉ भागीरथ सिंह, डॉ. अंजू मेवाडा ने किया।

राजस्थान बॉडी बिल्डिंग एसोसिएशन का वार्षिक कैलेंडर जारी

जयपुर, 11 अप्रैल। राजस्थान स्टेट बॉडी बिल्डिंग संगठन ने अपना वार्षिक कैलेंडर चैंपियनशिप के सहित जारी किया। राजस्थान बॉडी बिल्डिंग संघ के अध्यक्ष नवीन यादव ने बताया कि आगामी ही मैन ऑफ राजस्थान जयपुर में 28 अक्टूबर 2026 को आयोजित की जाएगी, जिसमें बॉडी बिल्डिंग के 9 भार वर्ग व मैन्स फिजिक्स के तीन वर्ग रखे जाएंगे। 54 वीं मिस्टर राजस्थान स्टेट बॉडी बिल्डिंग चैंपियनशिप का आयोजन राजसमंद में किया जाएगा, जिसमें 9 भार वर्ग व मैन्स फिटनेस फिजिक में तीन वर्ग होगें तथा मैन्स स्पोर्ट्स फिजिक व वूमेन फिटनेस फिजिक का एक वर्ग रहेगा। 29 वीं जूनियर मिस्टर राजस्थान बॉडी बिल्डिंग चैंपियनशिप का आयोजन बूंदी जिले में किया जाएगा, जिसमें 6 भार वर्ग बॉडी बिल्डिंग के व दो वर्ग मैन्स फिजिक्स के रखे जाएंगे। वहीं छठी समर मिस्टर राजस्थान चैंपियनशिप का आयोजन अप्रैल, 2027 महीने में फलोदी में किया जाएगा, जिसमें बॉडी बिल्डिंग के 9 भार वर्ग व फिजिक्स के दो वर्ग रखे जाएंगे। नवीन यादव ने बताया कि 19 अप्रैल को राजस्थान स्टेट बॉडी बिल्डिंग एसोसिएशन के प्रधान कार्यालय पर एक्स्ट्रा ऑर्डिनरी साधारण सभा की बैठक प्रात: 11:30 बजे की जाएगी। उक्त बैठक में राजस्थान के अन्य संबंधित मुद्दों पर महत्वपूर्ण चर्चा होगी। उक्त सभी प्रतियोगिताओं में विजेता खिलाड़ियों को कैश प्राइज दिया जाएगा।

राजस्थान यूनाइटेड एफसी अगले मुकाबले के लिए तैयार

जयपुर, 11 अप्रैल। राजस्थान यूनाइटेड एफसी अब अपने अगले इंडियन फुटबॉल लीग मुकाबले में श्रीनिधि डेक्कन एफसी का सामना करने के लिए हैदराबाद की यात्रा पर निकलते हुए एक महत्वपूर्ण अवे मैच पर ध्यान केंद्रित करने के लिए तैयार है। यह मैच 12 अप्रैल 2026 को डेक्कन एरीना, हैदराबाद में खेला जाएगा, जिसकी किक-ऑफ शाम 6:30 बजे (आईएसटी) निर्धारित है। लगातार पांच घरेलू मैचों के गहन दौर के बाद, आरयूएफसी अब अपने परिचित माहौल से बाहर कदम रख रहा है, अपने घरेलू समर्थकों के सामने बनाए गए आत्मविश्वास और लय को साथ लेकर। टीम ने इस होम रन के दौरान दृढ़ता और संकल्प का प्रदर्शन किया है और अब वह उसी फॉर्म को अवे मैच में भी दोहराने की कोशिश करेगी। चेयरमैन केके टाक ने कहा कि घरेलू मैदान पर लंबे और चुनौतीपूर्ण मुकाबलों के बाद, अब हम एक महत्वपूर्ण अवे मैच की ओर बढ़ रहे हैं। इस दौरान हमारे समर्थकों का साथ अविश्वसनीय रहा है।उनकी ऊर्जा और जुनून ने टीम को आगे बढ़ाया है। हम निश्चित रूप से स्टेडियम में उनकी मौजूदगी को मिस करेंगे, लेकिन हमें विश्वास है कि वे जहां भी हों, हमें अपना समर्थन देते रहेंगे। राजस्थान यूनाइटेड एफसी इस महत्वपूर्ण अवे चुनौती में मजबूत प्रदर्शन करने और महत्वपूर्ण अंक हासिल करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

एसबीएस क्रिकेट अकादमी जीती

जयपुर, 11 अप्रैल। अंडर-12 पिंकसिटी कप में एसबीएस क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 40 ओवर में 255 रन 6 विकेट के नुकसान पर बनाएं। विराट ने 110 और राम शर्मा ने 63 रनों का योगदान दिया। यति क्रिकेट अकादमी की ओर से आदित्य यादव ने 3 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी यति क्रिकेट अकादमी 20 ओवर में 74 रन पर ऑल आउट हो गई। एसबीएस क्रिकेट अकादमी की ओर से विराट ने 3, मयंक और समर ने 2-2 विकेट लिए। मैन ऑफ द मैच विराट को चुना गया।

तीसरी गुलाबी नगर ओपन शतरंज टूर्नामेंट 2026 का भव्य आगाज

जयपुर, 11 अप्रैल। एसआरएन इंटरनेशनल स्कूल, जगतपुरा में 3 गुलाबी नगर ओपन शतरंज टूर्नामेंट 2026 का भव्य शुभारंभ हुआ। 60,000 की कुल पुरस्कार राशि वाले इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट का आयोजन 11-12 अप्रैल 2026 को किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता के चीफ आर्बिटर भगवती प्रसाद शर्मा हैं, जबकि टूर्नामेंट डायरेक्टर कार्तिकेय जोशी हैं। इस प्रतियोगिता में कुल 237 खिलाड़ियों ने भाग लिया, जिसमें राजस्थान के विभिन्न जिलों जैसे जयपुर, जोधपुर, उदयपुर, भीलवाड़ा, दौसा, नागौर, कोटा, चित्तौड़गढ़, सवाई माधोपुर, भरतपुर, अलवर, अजमेर, चूरू, सीकर और झुंझुनू से खिलाड़ी शामिल हुए। इसके अलावा राज्य के बाहर से इंदौर (मध्य प्रदेश) और हरियाणा के खिलाड़ियों ने भी भागीदारी की। टूर्नामेंट के निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 4 राउंड तथा 12 अप्रैल को 3 राउंड खेले जाएंगे। तीसरे राउंड तक कई खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की है, जिनमें अर्नव गुप्ता, प्रनय चोरड़िया, देवेंद्र कुमार, राज कपूर, कव्यांश जैन, एआईएम वीर कुमार, विक्रमादित्य मुखीजा, अंजु चौमल और आशुतोष गोयल जैसे खिलाड़ियों ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर बढ़त बनाई, वहीं कुछ मुकाबले बेहद रोमांचक रहे और खिलाड़ियों ने उच्च स्तर की रणनीति का प्रदर्शन किया। यह टूर्नामेंट न केवल खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मंच प्रदान कर रहा है, बल्कि राजस्थान में शतरंज के विकास को भी नई दिशा दे रहा है, जिससे युवा खिलाड़ियों में खेल के प्रति उत्साह लगातार बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री ने बांदीकुई में 607 करोड़ रूपए के 213 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया

ज्योतिबा फुले की 200वीं जयन्ती पर उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने महात्मा फुले के मिशन को आगे बढ़ाया

दौसा/जयपुर,11 अप्रेल। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि महात्मा ज्योतिबा फुले का जीवन महिला, किसान, मजदूर समेत शोषित एवं वंचित वर्ग के उत्थान के लिए समर्पित रहा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी महात्मा ज्योतिबा फुले के मिशन को आगे बढ ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में सामाजिक एकता और समरसता के मार्ग पर चलकर भारत तेजी से आगे बढ रहा है।

शर्मा ने शनिवार को बांदीकुई में महात्मा ज्योतिबा फुले की 200वीं जयंती एवं विकास कार्यों के शिलान्यास एवं लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी ने ज्योतिबा फुले को सच्चा महात्मा कहा था। वहीं, बाबा साहेब ने इनको अपने तीन गुरुओं में से एक माना था। महात्मा ज्योतिबा फुले ने पिछड़ों और महिलाओं के मन में सामाजिक न्याय और शिक्षा की ज्योति जलाई। उन्होंने सामाजिक सुधार की शुरूआत सबसे पहले सावित्रीबाई फुले को शिक्षित कर की।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को बांदीकुई में महात्मा ज्योतिबा फुले की 200वीं जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में दौसा जिले के विकास कार्यों का शिलान्यास एवं लोकार्पण किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने महात्मा ज्योतिबा फुले की 200वीं जयंती के अवसर पर दौसा जिले में 607.66 करोड रुपये की लागत से 213 विकास कार्यों का शिलान्यास एवं लोकार्पण किया। इनमें ऊर्जा विभाग, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, पशुपालन, स्कूल शिक्षा, स्वायत्त शासन, वन, कृषि, सार्वजनिक निर्माण, आयुर्वेद, ग्रामीण विकास, जल संसाधन एवं सहकारिता विभाग के विकास कार्य शामिल हैं।

शर्मा ने विभिन्न विकास कार्यों की सौगात देने के साथ ही बांदीकुई पॉलिटेक्निक कॉलेज का नाम महात्मा ज्योतिबा फुले के नाम पर करने, बांदीकुई दौसा रेलवे फाटक पर आरओबी निर्माण तथा बांदीकुई एवं बसवा नगरपालिका में सीवरेज व ड्रेनेज गैप के कार्य स्वीकृत करने की घोषणा की। साथ ही, प्रदेश के प्रत्येक ब्लॉक में एक उच्च माध्यमिक विद्यालय में विद्यार्थियों एवं युवाओं की शिक्षा के साथ विभिन्न परीक्षाओं की तैयारी की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए 'सावित्री बाई फुले ई-लाइब्रेरी' की स्थापना एवंसमस्त जिलों में 'महात्मा ज्योतिबा फुलेआदर्श विद्यालय' स्थापित करने की घोषणा की।

उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा और सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया।

इस अवसर पर राज्यसभा सांसद राजेन्द्र गहलोत, विधायक भागचंद टांकड़ा, राजेन्द्र मीना, रामविलास मीना, विक्रम बंशीवाल, हंसराज मीना, देवी सिंह शेखावत सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में आमजन मौजूद रहे।

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बांदीकुई पॉलिटेक्निक कॉलेज का नाम महात्मा ज्योतिबा फुले के नाम पर किया। उन्होंने विभिन्न परीक्षाओं की तैयारी के लिए प्रदेश के प्रत्येक ब्लॉक में ''सावित्री बाई फुले ई-लाइब्रेरी'' तथा समस्त जिलों में ''महात्मा ज्योतिबा फुले आदर्श विद्यालय'' की स्थापना करने की घोषणा की।**

'हमारे इरादे नेक हैं, पर, ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बकर गलीबाफ और विदेश मंत्री अब्बास अराघची कर रहे हैं। वे शुक्रवार को पाकिस्तानी राजधानी में पहुँच गये।

पाकिस्तान की ओर जाते समय वैंस ने कहा कि उन्हें सकारात्मक परिणाम की उम्मीद है, लेकिन उन्होंने आगे कहा, ''अगर वे हमें धोखा देने की कोशिश करेंगे, तो उन्हें यह पता चलेगा कि वार्ता करने आई टीम उसे स्वीकार करने वाली नहीं है।''

ईरानी प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख गलीबाफ ने भी सतर्क रुख अपनाया और कहा, ''हमारे इरादे अच्छे हैं, लेकिन हम भरोसा नहीं करते।''

ईरानी टीवी के अनुसार, गलीबाफ ने कहा, ''अमेरिका के साथ हमारी समर्ताता वार्ता हमेशा असफल तथा टूटने वाले वादों से भरी रही है।''

तेहरान ने कहा कि वार्ता तभी शुरू होगी, जब वॉशिंगटन उसकी शर्तों को स्वीकार करेगा, जिनमें लेबनान में युद्धविराम और ईरान के फंसे हुए संसाधनों की रिहाई शामिल है। उल्लेखनीय है कि इज़राइल ने कहा है कि अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम लेबनान पर लागू नहीं होता।

इस बीच, शनिवार को ट्रंप ने होर्मुज़ स्ट्रेट के रणनीतिक महत्व को कम करके दिखाते हुए सोशल मीडिया पर दावा किया कि कई खाली तेल टैंकर, जिनमें दुनिया के कुछ सबसे बड़े टैंकर भी शामिल हैं, वर्तमान में अमेरिका जा रहे हैं, ताकि सबसे ''बेहतरीन'' और ''शानदार'' तेल और गैस लोड की जा सके। उन्होंने ट्रुथ स्पेशल पर कहा कि अमेरिका के पास दो सबसे बड़े तेल उत्पादक देशों के संयुक्त उत्पादन से अधिक तेल है।

यह बयान वैश्विक ऊर्जा बाज़ारों में बढ़ी अस्थिरता के समय आया है, जहां टैंकरों की गतिविधियां होर्मुज़ स्ट्रेट में व्यवधान और अमेरिका-ईरान संघर्ष से जुड़ी हैं। जहां तक ट्रंप के उस दावे की बात है कि अमेरिका के पास दो सबसे बड़े तेल उत्पादक देशों के संयुक्त उत्पादन से अधिक तेल है, डेटा उन्हें आंशिक रूप से सही बताता है। हालांकि, यह देखना बाकी है कि क्या यह बढ़ती वैश्विक मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त होगा, जबकि अमेरिकी तेल मुख्य कच्चे तेल की कीमतों को यथावत रख सकेगा।

अमेरिकी ऊर्जा सूचना प्रशासन 2026 के आँकड़ों में देश के कुल पेट्रोलियम तरल पदार्थ के उत्पादन को लगभग 22 मिलियन बैरल प्रतिदिन पहुंचने का अनुमान लगाया गया है। यह आँकड़ा अमेरिका को, रूस और सऊदी अरब के संयुक्त उत्पादन के बराबर या उससे थोड़ा आगे रखता है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने जारी संघर्ष के दौरान ऊर्जा को बार-बार रणनीतिक और आर्थिक उपकरण के रूप में प्रस्तुत किया है। हाल ही में उन्होंने पश्चिम एशियाई देश की आलोचना की है कि वह होर्मुज़ स्ट्रेट में टैंकरों की आवाजाही को प्रतिबंधित कर रहा है, और चेतावनी दी कि तेल ''ईरान के सहयोग तथा उसके बिना भी'' प्रवाहित रहेगा।

ट्रंप ने अपने पोस्ट में खुले तौर पर लेन-देन वाले स्वर में अमेरिका के तेल को वैश्विक खरीदारों के सामने प्रस्तुत किया। टैंकरों के लिए उनके निमंत्रण और त्वरित कार्यवाही का वादा अमेरिकी वर्चस्व को तेल की मात्रा और गुणवत्ता, दोनों में बेहतर बताने का उद्देश्य लिए हुए था, जबकि वैश्विक बाजार वार्ता के बीच अस्थिर बने हुए हैं।

यह पोस्ट ट्रंप के पहले के बयानों की पृष्ठभूमि में आई है, जिनमें उन्होंने कहा था कि वे ''तेल अपने पास रखना'' और ईरान जैसे संघर्ष वाले क्षेत्रों से बहुत पैसा कमाना पसंद करेंगे, तब उन्होंने खुद को ''व्यवसायी'' के रूप में प्रस्तुत किया था।

अमेरिका-ईरान वार्ता शुरु हुई, ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

समर्थकों पर हमले बंद होने चाहिए।

रिपोर्टों के अनुसार, अमेरिका ने इज़राइल से कहा कि वह लेबनान पर हमलों में कमी करे और इज़रायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के पास कोई विकल्प नहीं था, उन्हें इसके अनुसार कदम उठाना पड़ा। रिपोर्टों के अनुसार, दक्षिणी लेबनान पर, जहां हिज़बुल्लाह की सेनाएँ है, इज़रायल के हमले रुक गए हैं।

हालाँकि, अब तक ईरान ने होर्मुज़ स्ट्रेट खोलने के आ ान को लगभग नज़रअंदाज़ किया है। डॉनल्ड ट्रंप पहले इस बात पर ज़ोर दे चुके थे कि होर्मुज़ स्ट्रेट को अंतरराष्ट्रीय जलमार्ग के रूप में मुक्त करना वार्ता की प्रगति के लिए आवश्यक है, लेकिन यह मुद्दा कम से कम सार्वजनिक रूप से नज़रअंदाज़ किया गया है।

डॉनल्ड ट्रंप के हाथ धीरे-धीरे बंधते जा रहे हैं और यह स्थिति उन्हें ईरान की मांगों के प्रति झुकने पर मजबूर कर रही है। अमेरिका में महँगाई तेजी से बढ़ रही है और युद्ध जारी रहने से स्थिति और खराब हो सकती है। मार्च में ही कीमतें लगभग 1 प्रतिशत बढ़ी और वार्षिक महँगाई 3.3 प्रतिशत है।

वार्ता दो एक्शन एजेंडा के इर्द-गिर्द चल रही है, एक अमेरिका की तरफ से 15 मांगों के साथ, दूसरा ईरान की तरफ से 10-बिंदु एजेंडा, पर ध्यान देने योग्य बात यह है कि ईरान का छोटा एजेंडा सबसे ज्यादा चर्चा में है।

ईरान ने यह भी मांग की कि उसकी शांतिपूर्ण परमाणु ऊर्जा के उपयोग की स्वतंत्रता बनी रहनी चाहिए। ईरान 3.6 प्रतिशत तक यूरेनियम एनरिचमैंट का अधिकार चाहता है, जो नागरिक परमाणु ऊर्जा उत्पादन के लिए आवश्यक है।

साथ ही, ईरान के पास उच्च समृद्ध यूरेनियम का भंडार है, जो परमाणु हथियारों में इस्तेमाल योग्य है। अमेरिका मांग कर रहा है कि ये भंडार उसे सौंप दिए जाएँ और ईरान सहमत हो कि वह परमाणु हथियार विकसित नहीं करेगा। यह ईरान के लिए नई बात नहीं है और इस शर्त से उसका परमाणु कार्यक्रम जारी रखने का अधिकार प्रभावित नहीं होता।

वार्ता मुख्य रूप से नियमित कूटनीतिककर्मियों और उनके पारंपरिक तरीकों को बायपास करते हुए की जा रही है। उपराष्ट्रपति जे.डी. वैंस के लिए यह नया काम है और वे इसके लिए ठीक तरह से तैयार प्रतीत होते हैं। इसमें निश्चित रूप से स्पष्टता की आवश्यकता है।

खेड़ा को मिली ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उनके परिवार के बारे में खेड़ा द्वारा दिए गए बयानों के कारण दर्ज की गई थी। न्यायमूर्ति के सुजाना ने कहा कि भले ही एफआईआर असम में दर्ज हो, पर अदालत सीमित सुरक्षा दे सकती है, उन्होंने इसके पीछे सुप्रीम कोर्ट के अंतरराज्यीय मामलों में ट्रांज़िट जमानत के फैसलों का हवाला दिया। न्यायाधीश ने यह भी नोट किया कि खेड़ा ने गिरफ्तारी का युक्तिसंगत भय दिखाया है, विशेष रूप से तब जब असम और दिल्ली पुलिस द्वारा उनके दिल्ली निवास पर तलाशी और जब्ती की कार्रवाई की गई। यह मामला 4 अप्रैल को आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद सामने आया, जिसमें खेड़ा ने आरोप लगाया कि असम के मुख्यमंत्री की पत्नी के पास तीन देशों के पासपोर्ट हैं। उन्होंने सरमा पर अवैध गतिविधियों में शामिल होने का भी आरोप लगाया। इसके बाद गुवाहाटी क्राइम ब्रांच में शिकायत दर्ज की गई, जिससे भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत एफआईआर दर्ज हुई। कोर्ट ने यह स्पष्ट किया कि यह राहत अस्थायी है, ताकि खेड़ा सात दिनों के भीतर असम की सक्षम अदालत से नियमित अग्रिम जमानत प्राप्त कर सकें।

सोने के खनन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अन्य राष्ट्र अपने खनन कोड को सरल बना चुके हैं, ताकि गहरी खदानों की खोज के लिए आवश्यक अरबों रुपये के पूंजी निवेश को आकर्षित किया जा सके, वहीं भारत उपनिवेशकालीन नौकरशाही में फंसा हुआ है, जो हर खनिज जमा को राष्ट्रीय संपत्ति के बजाय संभावित विवाद के रूप में देखता है।

ईरान मान भी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उचित विचार के साथ होगा। अमेरिकी अधिकारी इस बयान को खानें हटाने की कठिनाइयों की स्वीकारोक्ति के रूप में देख रहे हैं। नौसैनिक खानों को हटाना स्पष्ट रूप से एक जटिल मुद्दा है। दुनिया की उन्नत सेनाओं, जिनमें अमेरिका भी शामिल है, के पास बड़े पैमाने पर खान सफाई के संसाधन नहीं हैं। रिपोर्टों के अनुसार, स्थिति और जटिल इसलिए भी हो गई है, क्योंकि अमेरिकी हमलों में ईरान के नौसैनिक बुनियादी ढांचे और जहाजों का एक बड़ा हिस्सा नष्ट हो गया है। इसलिए, न तो ईरान और न ही अमेरिका के पास इसकी स्पष्ट जानकारी है कि होर्मुज़ में कितनी खानों का अस्तित्व है, इस स्थिति के कारण वैश्विक शिपिंग के लिए गंभीर जोखिम है और दुनिया के इस सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा मार्ग के पूर्ण रूप से पुन: खुलने में देरी होना स्वाभाविक है।

राहुल गांधी को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अब यदि राहुल ओबीसी एजेंडे के लिए आक्रामक रूप से प्रयास नहीं करते हैं, तो यह उनके लिए बड़ी समस्याएँ खड़ी करेगा; और यदि वे इसे उठाते हैं तो ऐसा लगेगा कि वे ओबीसी और दलित मुद्दों के बीच भ्रमित हैं। विशेष सत्र के तीन दिनों में भारी बहस और हंगामा होने की संभावना है, लेकिन मुख्य सवाल यह बना हुआ है कि क्या भाजपा बिल को पास करा पाएगी। धारणा की लड़ाई जारी है, जिसमें प्रत्येक राजनीतिक दल तैयार है कि वह अपना दृष्टिकोण स्पष्ट रूप से प्रस्तुत करे और मजबूत संदेश भेजे कि वे वास्तव में देश के हित में काम करने वाले सच्चे नेता हैं।

अब बची छुट्टियों का ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पाने के लिए सेवानिवृत्ति का इंतजार नहीं करना पड़ेगा। यह नियम पूरे देश में समान रूप से लागू होगा। पहले, अधिकांश राज्यों में लीव एन्कैशमेंट केवल इस्तीफा देने या सेवानिवृत्ति के समय ही भुगतान योग्य था। अब कर्मचारी प्रत्येक कैलेंडर वर्ष के अंत में अपनी संचित छुट्टी के लिए भुगतान का अनुरोध कर सकेंगे। नए नियमों के अनुसार, कर्मचारी अधिकतम 30 दिन की छुट्टी अगले वर्ष तक ले जा (संचित) सकते हैं। यदि आपकी संचित छुट्टी इस 30-दिन की सीमा से अधिक है, तो आपको कंपनी से उन अतिरिक्त दिनों के लिए वित्तीय मुआवजा प्राप्त होगा।

प्र.मंत्री ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

संक्षेप में ध्यान दिया, जो संसद की सामान्य कार्यवाही से अलग और दिलचस्प था।

विज़ुअल पर प्रतिक्रिया देते हुए, एक्स पर एक यूज़र ने कहा कि यह देखना उत्साहजनक है कि प्रधानमंत्री विपक्ष के नेता के साथ गंभीर बातचीत में लगे हुए हैं, और ऐसे क्षणों का प्रतीकात्मक महत्व गहन ध्रुवीकृत राजनीतिक माहौल में महत्वपूर्ण है।

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 **कोटा कार्यालय :** पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033 **बीकानेर कार्यालय :** कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371 **अजमेर कार्यालय:** राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908